हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, बुधवार, 19 फरवरी 2025

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए एक और मौका

21 फरवरी तक बढ़ाई गई अंतिम तिथि

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के लिए आयोजित होने वाली सिविल सेवा परीक्षा के लिए आवेदन करने की समयसीमा को आगे बढ़ा दिया है। ताजा नोटिस के अनुसार, उम्मीदवार अब 21 फरवरी, 2025 तक आवेदन कर सकेंगे। प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार में प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि में यह दूसरा विस्तार है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट आस्था अग्रहरि वैश्य ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 के संदर्भ में हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा

इन्वेस्टर समिट से आकर्षित होंगे निवेशक,मप्र की समृद्धि और विकास को लगेंगे पंख

हरिभूमि न्यूज ⏭भोपाल

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 मप्र के औद्योगिक विकास और समृद्धि को उड़ान देने वाला होगा। इस प्रकार के कार्यक्रमों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को सरकारी नीतियों की जानकारी सहजता से प्राप्त होती है। वे अपनी समस्याओं को और अपनी अपेक्षाओं को सरकार तक वन टू वन पहुंचा पाते हैं। मप्र संभावनाओं का प्रदेश रहा है। जिला स्तर पर लैंड बैंक सब्सिडी योजनाएं पावर कनेक्टिविटी 5500 किमी का राजमार्ग, 6 एयरपोर्ट स्थापित किया जा चुके हैं। यह निवेशकों को निश्चित रूप से आकर्षित करेगा। यह बात राजधानी भोपाल की ख्याति प्राप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट आस्था अग्रहरि वैश्य ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 के संदर्भ में हरिभूमि से चर्चा करते हुए कही।

मध्यप्रदेश में जिला स्तर पर लैंड बैंक सब्सिडी योजनाएं पावर कनेक्टिविटी, 5500 किमी का राजमार्ग और 6 एयरपोर्ट स्थापित किए जा चुके हैं

टूरिज्म हेल्थ केयर, नवकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स की अनंत संभावनाएं

चार्टर्ड अकाउंटेंट आस्था ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट से प्रदेश में नए उद्योगों का और नए रोजगार का सृजन होगा और राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा। इससे राज्य और देश को आर्थिक लाभ होगा। मध्यप्रदेश में विशेष रूप से टूरिज्म हेल्थ केयर, नवकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स की अनंत संभावनाएं हैं। साथी खनिज, कॉटन जैसे रॉ-मैटेरियल तकनीकी कौशल एवं औद्योगिक कामगार की उपलब्धता दर्शाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। टेक्सटाइल एवं फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में विदेशी निवेशकों से खासी उम्मीद की जा रही है इन दोनों ही क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अनगिनत अवसर उत्पन्न किया जा सकते हैं।

भारत को तीसरी अर्थव्यवस्था बनने में मप्र का अहम योगदान

भारत को पांचवीं से तीसरी अर्थव्यवस्था बनने में मध्य प्रदेश का अहम योगदान रहे, इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रयासरत दिखती है। इसमें यह समिट मील का पत्थर साबित हो सकती है। अब तक के सभी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट भोपाल से बाहर हुए हैं। यह पहली बार है कि जिस भोपाल में किया जा रहा है। यह समिट मध्य प्रदेश सरकार की ओर से एग्रेसिव मार्केटिंग की झलक को भी दर्शाता है।

राज्य में आर्थिक समृद्धि व विकास की सतत धारा प्रवाहित हो

आस्था ने कहा कि मप्र की जनता यह आशा कर रही है कि विदेशी व स्वदेशी निवेशकों के माध्यम से राज्य में आर्थिक समृद्धि व विकास की सतत धारा प्रवाहित हो। हमारा मप्र समृद्धशाली और विकसित हो। उम्मीद है कि 5 वर्षों में 20 लाख रोजगार और जीडीपी को 2.9 लाख करोड़ से बढ़कर 6 लाख करोड़ का तय लक्ष्य पूरा होगा। *इंपैक्ट फीचर*

रायसेन में मुख्यमंत्री डॉ.यादव, केंद्रीय मंत्री चौहान ने किया 'नक्शा सर्वे अभियान' लॉन्च

शिवराज बोले: चुटकियों में सुलझेगा जमीन विवाद, लोगों को मिलेगा डिजिटल 'नक्शा'

नक्शा प्रोजेक्ट के तहत 23 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश इस योजना से जुड़े हुए हैं, प्रदेश के 10 नगरों सहित देश के 152 नगरों का ड्रोन की मदद से सर्वेक्षण होगा और डिजिटल मैपिंग कर भूमि अधिकार अभिलेख का डिजिटलीकरण किया जाएगा

विशेष प्रतिनिधि ⏭भोपाल

प्रदेश के रायसेन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को शहरी सर्वेक्षण 'नक्शा' पायलट परियोजना का शुभारंभ किया। शिवराज ने कहा कि यह केवल रायसेन या मध्यप्रदेश का कार्यक्रम नहीं है। यहां से पूरे हिंदुस्तान का नक्शा कार्यक्रम लॉन्च किया जा रहा है। 23 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश इस योजना से जुड़े हुए हैं, लेकिन मेरी इच्छा थी कि मैं यह कार्यक्रम रायसेन से शुरू करूं। अब जमीन के विवाद चुटकियों में सुलझेंगे और लोगों को डिजिटल नक्शा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि योजना के तहत ड्रोन-सैटेलाइट से शहरी जमीन का सर्वे होगा और सरकारी रिकॉर्ड सही-साफ दिखेंगे। केंद्रीय भूमि संसाधन विभाग ने डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम के तहत 'नक्शा' कार्यक्रम शुरू किया है।

ड्रोन-सैटेलाइट से होगा शहरी जमीन का सर्वे सरकारी रिकॉर्ड सही-साफ दिखेंगे

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले

कांग्रेस बंद हो जाएगी, लेकिन लाड़ली बहना योजना नहीं

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बंद हो जाएगी, लेकिन लाड़ली बहना योजना बंद नहीं होगी। इस मामले में वह दुष्प्रचार करती रहती है। उन्होंने कहा कि नक्शा योजना से किसानों को फायदा होगा। हर खेत को पानी और बिजली मिलेगी। आपके अपने गांव में, आपके शहर में, आपके अनुभाग में ड्रोन से सर्वे करके नक्शे के आधार पर काम किया जाएगा। डॉ यादव ने कहा कि वॉटर शेड का कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

इस योजना का यह होगा फायदा

नक्शा प्रोजेक्ट का फायदा यह होगा कि भूमि का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होने से शहरी क्षेत्र की संपत्तियों का सटीकता से सीमांकन हो सकेगा। इससे संपत्ति के स्वामित्व की जानकारी रजिस्टर्ड होगी और भूमि से जुड़े रिकॉर्ड डिजिटली उपलब्ध होंगे। भूमि के जिओटालाइजेशन के साथ आम व्यक्ति अपनी संपत्ति की जानकारी ऑनलाइन एक क्लिक पर निकाल सकेंगे।

रीवा में डंपर ने दो बाइक को मारी टक्कर

5 युवकों को रौंदा, 4 ने मौके पर ही दम तोड़ा

मृतक एक ही परिवार के

हरिभूमि न्यूज ⏭ रीवा

जिले में मंगलवार को एक ट्रक ने दो मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक शख्स घायल भी हो गया। दुर्घटना जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर चुरहटा थाना क्षेत्र के तहत रीवा-सेमरिया रोड पर मरहा गांव के पास सुबह करीब 10.30 बजे हुई।

परिजनों ने किया चक्काजाम

हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क जाम कर दिया। विरोध प्रदर्शन में शामिल एक प्रत्यक्षदर्शी रजनीश शुक्ला ने दावा किया कि तेज रफ्तार ट्रक ने दो मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी, सवारों को कुचल दिया और मौके से भाग गया। उन्होंने बताया कि चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। मृतकों की पहचान आशीष साकेत, शिव बहादुर साकेत, सागर साकेत और आशिक साकेत के रूप में हुई है।

भिंड में मौत बनकर दौड़ा डंपर

ग्रामीणों के लोडिंग वाहन को मारी टक्कर, 5 की मौत, 20 लोग घायल

शादी समारोह से लौट रहे थे, सभी आपस में रिश्तेदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिंड

नेशनल हाईवे क्रमांक 719 पर जवाहरपुरा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े लोडिंग वाहन को टक्कर मार दी।

हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। 20 घायल हैं। लोडिंग वाहन को टक्कर मारने के बाद डंपर ने बाइक को भी चपेट में ले लिया। हादसा मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। हादसे के शिकार सभी लोग जवाहरपुरा गांव में शादी से अपने गांव भवानीपुरा लौट रहे थे।

चार घंटे तक सड़क पर लगाया जाम

हादसे के बाद ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। हाईवे को सिक्सलेन बनाने की मांग करते हुए कलेक्टर, एसपी और सांसद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। जानकारी लगते ही कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, एसपी असित यादव, एसडीएम अखिलेश शर्मा, डीएसपी दीपक तोमर वहां पहुंचे और लोगों से बातचीत की।

बम निरोधक दस्ते टीम ने यात्रियों के सामान की सघन जांच की

कामायनी एक्सप्रेस में बम की सूचना से हड़कंप, बीना में साढ़े 4 घंटे रोकी ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ⏭बीना

प्रयागराज से आने वाली कामायनी एक्सप्रेस एवं काशी एक्सप्रेस में बम की सूचना मिलने पर कामायनी एक्सप्रेस बीना स्टेशन पर करीब साढ़े 4 घंटे तक रुकी रही। ट्रेन से यात्रियों को बाहर निकालकर सागर से आए बम निरोधक दस्ता की टीम ने यात्रियों के सामान की सघन जांच की। जांच में कुछ नहीं पाए जाने पर ट्रेन को भोपाल की ओर रवाना किया गया। कामायनी एक्सप्रेस बीना में सुबह 11.30 बजे आई थी, जो दोपहर 3.55 बजे स्टेशन से रवाना हुई। जानकारी के अनुसार बलिया से लोकमान्य तिलक मुंबई जाने वाली ट्रेन नंबर 11072 कामायनी एक्सप्रेस में बम की अफवाह होने का मैसेज रेलवे कंट्रोल को मिलने से रेलवे एवं स्थानीय अधिकारियों में हड़कम मच गया।

- डेढ़ घंटे चली जांच के बाद ट्रेन को किया रवाना

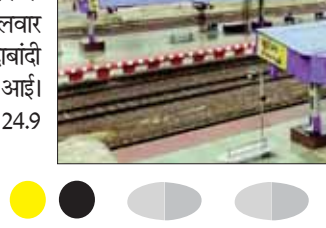

रेल यातायात प्रभावित नहीं

प्रभारी स्टेशन प्रबंधक डीके जैन ने बताया कि कंट्रोल भोपाल से मैसेज मिलने के बाद ट्रेन को स्टेशन पर रोकी गई थी। जांच में इस तरह की घटना नहीं पाए जाने पर ट्रेन को दोपहर 3.55 बजे रवाना किया गया है। यहां ट्रेन करीब साढ़े 4 घंटे तक खड़ी रही। इससे किसी तरह का रेल यातायात प्रभावित नहीं हुआ है।

कोर्ट ने केंद्र से सोशल मीडिया रील्स से जुड़े नियमों की मांगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ग्वालियर

सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लीलता और रील्स के जरिए उसका प्रचार करने के खिलाफ देश में पहली बार एक जनहित याचिका दायर की गई है।यह याचिका ग्वालियर स्थित मुरार निवासी अनिल बनवारिया द्वारा, उनके अधिवक्ता अवधेश सिंह भदोरिया के माध्यम से हाईकोर्ट में दायर की गई है। इस याचिका में सोशल मीडिया पर रील्स के जरिए अश्लील सामग्री दिखाए जाने और इसके समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर चिंता जताई गई है।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से मध्यप्रदेश में बदला मौसम का मिजाज, कहीं धूप तो कहीं बौछार

दो दिन चलेगा तापमान में उतार चढ़ाव का सिलसिला

ग्वालियर-चंबल में बौछारों के बाद 5 डिग्री गिरा पारा, आज भी बूंदाबांदी के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭भोपाल

प्रदेश में मौसम के साथ तापमान में बदलाव लगातार जारी है। सोमवार से मंगलवार के बीच कुछ जिलों में बौछारों और बूंदाबांदी के बाद जहां दिन का पारा तेजी से गिरा, वहीं शेष जिलों में मामूली बढ़ोतरी रही।ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों के साथ आसपास के इलाकों में मंगलवार देर शाम तक बादलों के साथ बौछारें और बूंदाबांदी से दिन के तापमान में 4 से 5 डिग्री तक कमी आई। यह ग्वालियर में सर्वाधिक 4.7 डिग्री गिरकर 24.9 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री कम है।

गुना, नर्मदापुरम, शिवपुरी, रीवा, सतना, सिवनी, टीकमगढ़ आदि जिलों में आधा से एक डिग्री तक कमी आई। प्रदेश में औसत दिन का पारा 32 डिग्री तक रहा। भोपाल में धूप खिलने से दिन के तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

आज यहां होगी बारिश

मौसम केंद्र के अनुसार बुधवार को शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी सहित आसपास के हिस्सों में बादलों के साथ बौछारें पडने का अलर्ट है। आसपास के जिलों में बादल छाए रहने से दिन के तापमान में कुछ कमी आ सकती है। भोपाल में मौसम साफ रहने से तापमान में मामूली बदलाव होगा।

रेलवे स्टेशन और सड़कों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा, वाहनों की लगीं कतारें, श्रद्धालु हो रहे परेशान

एजेंसी

दिव्य और भव्य महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार आ रही है। देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम में स्नान करने के लिए आ रहे हैं। पिछले कई दिनों से स्नानार्थियों की अप्रत्याशित भीड़ तीर्थनगरी पहुंच रही है। रेलवे स्टेशन और सड़कों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। तीर्थनगरी में चारों ओर जाम लगा है। हाईवे पर वाहन रेंग रहे हैं। मिनटों का सफर घंटों में हो रहा है। श्रद्धालु जाम में फंसने के कारण बेहाल नजर आ रहे हैं। संगम जाने वाले रास्तों पर आस्थावानों का तांता लगा है।स्नानार्थियों की अप्रत्याशित भीड़ तीर्थनगरी पहुंच रही है। जंक्शन के अलावा प्रयाग स्टेशन, झूंसी, रामबाग प्रयागराज, नैनी, छिवकी और फाफामऊ स्टेशनों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। रेलवे की ओर से तैयार कराए गए सारे होल्डिंग एरिया और रैन बसेरे फुल हो गए हैं।

दिव्य और भव्य महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार आ रही है। देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम में स्नान करने के लिए आ रहे हैं। पिछले कई दिनों से स्नानार्थियों की अप्रत्याशित भीड़ तीर्थनगरी पहुंच रही है। रेलवे स्टेशन और सड़कों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है।

महाशिवरात्रि से पहले काशी में लगा भक्तों का तांता

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में महाकुंभ पलट प्रवाह के 35वें दिन मंगलवार को सुबह से 12 बजे तक दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन कर लिया। भोर में मंगला आरती के बाद से ही भक्तों की लाइनें गोदौलिया और मैदागिन तक लगी रहीं। मंदिर सीईओ विश्वभूषण मिश्रा ने कहा कि गर्भगृह के एक द्वार से दो दो लाइनों में लगे भक्तों को दर्शन कराया जा रहा है।

त्रिवेणी एक्सप्रेस में धुआं देख यात्रियों में मचा हड़कंप

सोनभद्र। जिले के खैराही स्टेशन के पास कर्मा थाना इलाके में मंगलवार दोपहर को डिलही के पास त्रिवेणी एक्सप्रेस में आग लग गई। वहीं ट्रेन में आग लगने के बाद उठता हुआ धुआं देख यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि ड्राईवर की सूझबूझ से सही समय पर आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल सभी यात्री सुरक्षित हैं।

अब दिल्ली के एक ही प्लेटफॉर्म से मिलेगी 'प्रयागराज स्पेशल'

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लगातार भारी भीड़ उमर रही है। अब दिल्ली पुलिस ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ को कंट्रोल करने के लिए कई नए उपाय किए हैं, ताकि फिर से भगदड़ जैसी स्थिति न बन पाए। विशेष बैठक में फैसला किया गया है कि ट्रेन के प्रस्थान से काफी देर पहले स्टेशन आने वाले यात्रियों को रेलवे स्टेशन के बाहर इंतजार करना होगा। दिल्ली पुलिस के जवान, आरपीएफ और जीआरपी एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर टिकट चेक करेंगे।

खबर संक्षेप

आप नेता सत्येंद्र पर चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन पर मुकदमा चलाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से जरूरी मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति से जैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अनुरोध किया था।

सुकेश की जेल बदलने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की एक याचिका खारिज

कर दी। याचिका में सुकेश ने दिल्ली की मंडोली जेल से कर्नाटक या पास के किसी राज्य की जेल में ट्रांसफर के लिए अनुरोध किया था। हालांकि सुकेश को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि उसने समाज को असुरक्षित बना दिया है।

कांग्रेस देश के दुश्मनों के साथः सीएम साय

रायपुर। 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के चीन पर दिए बयान पर विवाद

बढ़ता ही जा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पित्रोदा के चीन पर दिए गए बयान की कड़ी निंदा की। साय ने कहा कि पित्रोदा के बयान से साफ हो गया है कि कांग्रेस का 'हाथ' अलगाववादियों और देश के दुश्मनों के साथ है।

मुक्तसर साहिब में 4 लोगों की मौत

श्री मुक्तसर साहिब। पंजाब के मुक्तसर जिले के मलोट के गांव महराजवाला में मुक्तसर रोडवेज

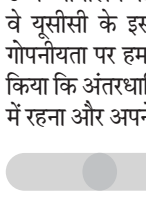

डिपो की बस ट्राले से टकराने के बाद खेत की तरफ पलट गई है। घायलों को मलोट के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं आस-पास के लोग भी एकत्र होने शुरु हो गए हैं। बस में 60 से ज्यादा यात्री सवार बताए जा रहे हैं।

कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

कल मिलेगा दिल्ली को नया मुख्यमंत्री कई राज्यों के सीएम बनेंगे इसके साक्षी

- शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होगी दिल्ली की जनता
- पीएम और अन्य गणमान्य भी पहुंचेंगे कार्यक्रम में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रामलीला मैदान में होगा आयोजन

दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण 20 फरवरी को सुबह 11 बजे से रामलीला मैदान में होगा। इस शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। 27 साल बाद सत्ता में लौटी भाजपा दिल्ली की जनता को शपथ समारोह से संदेश देने की कोशिश कर रही है कि वह उसके साथ अब हमेशा है और रहेगी। समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आतिशी को भी निमंत्रण पत्र भेजा जाएगा। इसके अलावा एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी निमंत्रण दिया जाएगा।

जहां बजट सत्र चल रहा है ,जिन राज्यों में शपथ ग्रहण वाले दिन बजट पेश होना है, वहां के मुख्यमंत्री दिल्ली के नए सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नही पाएंगे लेकिन बाकी सभी एनडीए के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस समारोह में 30 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे और खास तौर से इस समारोह की साक्षी होगी दिल्ली की जनता झुग्गी बस्ती के साथ महिलाओं को भी कार्यक्रम में शामिल करने की अहमियत दी गई है। की वीवीआईपी को न्योता दिया जा रहा है।

सिसोदिया एसी, कूलर, कुर्सियां ले गए

पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज से भाजपा विधायक रवींद्र सिंह नेगी (रवि नेगी) ने आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया पर बड़ा आरोप लगाया है। नेगी ने एमएलए दफ्तर का एक वीडियो साझा किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि सिसोदिया विधानसभा कैंप कार्यालय से एसी, टीवी, टेबल और कुर्सी चोरी करके ले गए हैं। भाजपा विधायक नेगी ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा कि सिसोदिया ने चुनाव से पहले ही अपना असली चेहरा दिखा दिया था। विधानसभा कैंप कार्यालय से जिसमें एसी, टीवी, टेबल, कुर्सी और पंखे जैसे सामान चुराए गए। नेगी ने लिखा कि इनकी भ्रष्टाचार की हदें अब भी पार नहीं हुईं। अब ये अपनी असलियत और चोरी छिपाने की राजनीति में माहिर हो गए हैं। हम जनता के हक की रक्षा करेंगे और ऐसे भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करेंगे।

व्यवस्था का जायजा भी लिया

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद अबतक मुख्यमंत्री के नाम को लेकर भाजपा ने फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन इससे पहले ही शपथ ग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। कहा जा रहा है कि पूरे रामलीला मैदान में लाल कालीन बिछाई जाएगी। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, तरुण चुग और प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के बीच इस सिलसिले में अहम बैठक की। रामलीला मैदान में तैयारियों का जायजा भी लिया।

कई देशों के राजनयिक, उद्योगपति और साधु संत भी शामिल होंगे

इस कार्यक्रम में कई देशों के राजनयिक, उद्योगपति और साधु संत भी शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में कैलाश खेर प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में दिल्ली में पार्टी के प्रचार करने वाले नेता, कार्यकर्ता के अलावा किसान, केंद्र सरकार की योजना के लाभार्थी, लाडली बहन और कई फिल्मी सितारे शामिल होंगे। ऐसी खबरें हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम को संबोधित कर सकते हैं।

झुग्गी के प्रमुख लोगों को भी किया आमंत्रित

दिल्ली में चुनाव जीतने के लिए भाजपा की ओर से झुग्गी में रहने वाले मतदाताओं को साधने के लिए कई अभियान चलाया गया। चुनाव से ऐन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झुग्गी के प्रमुख लोगों से संवाद किया था। पार्टी के संकल्प पत्र में भी झुग्गी वासियों के लिए कई अहम घोषणा की गई। ऐसे में पार्टी शपथ ग्रहण समारोह में झुग्गी के प्रमुख लोगों को भी आमंत्रित किया है।

विधायकों में से ही होगा 'बोस'

पार्टी सूत्रों ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ की तरह किसी 'अदृश्य उम्मीदवार' का समर्थन कर सकते हैं। हालांकि, विधायकों में से ही किसी एक को चुनने की संभावना है। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सोमवार को कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पर टेंट लगाने और कुर्सियां लगाने में जुटे थे। धूल को कम करने के लिए मैदान पर पानी का छिड़काव किया जा रहा था।

नई सरकार में 6 मंत्रियों के शपथ लेने की अटकलें

भाजपा के जमीनी स्तर के अभियान में प्रमुख भूमिका निभाने वाले 700 से अधिक विस्तारकों को भी शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। सीएम के साथ 6 मंत्री भी शपथ लेंगे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किसे मंत्री पद मिलेगा, लेकिन सभी वर्गों का ध्यान रखा जाएगा।

पटना के कंकड़बाग में दहशत

पुलिस और अपराधियों में एनकाउंटर खत्म, आखिरकार 4 बदमाश अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र के अशोक नगर स्थित राम लखन पथ इलाके में अपराधियों और पुलिस के बीच मंगलवार दोपहर मुठभेड़ हो गई। मौके पर एसटीएफ समेत कई थानों की पुलिस पहुंची। इसके बाद खुद को घिरता देख अपराधी एक घर में घुस गए। हालांकि दबिश के बाद पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक निजी मकान से अपराधियों ने पिस्टल से पुलिस पर कई राउंड फायरिंग की। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने पूरे मकान को घेर लिया और हथियार से लैस कमांडो और पुलिस के जवानों ने अपराधियों को घेरकर सरेंडर करने के लिए कहा। सूचना के बाद हथियार से लैस कमांडो की टीम भी पहुंची। उन्होंने बुलेट प्रूफ जैकेट के साथ बिल्डिंग में प्रवेश किया। पटना के एसएसपी अवकाश कुमार भी मौके पर पहुंचे। साथ ही कई अन्य बड़े अधिकारी और पुलिस की टीम हालात को नियंत्रित करने में लगी रही।

घर में घुस गए थे

अपराधियों के घर में घुस जाने के बाद पुलिस भी काफी सतर्क हो गई, ताकि रिहायशी इलाका होने की वजह से आम लोगों को कोई नुकसान न हो और किसी भी बड़े एक्शन से पहले अपराधियों को दबोच लिया जाए।पूरे इलाके की सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई। शुरुआत में 3-4अपराधियों के छिपे होने की बात कही जा रही थी।

पुलिस पर की थी फायरिंग

घर से जुड़े सभी गलियों की पुलिस ने घेराबंदी कर दी, ताकि अपराधी कहीं से भी भागने न पाएं, साथ ही सभी मुहाने पर पुलिसकर्मी हथियार के साथ तैनात थे। ऑपरेशन खत्म होने के बाद पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि प्रॉपर्टी विवाद में फायरिंग की गई थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो बदमाशों ने उन पर भी फायरिंग कर दी।

बिहार में अपराध बढ़ रहाः तेजस्वी

इस घटना पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध बढ़ता जा रहा है। ऐसा कोई दिन नहीं जब 200 राउंड से कम गोली चलती हों। थानों में हिरासत में लोगों की पिटाई होती, मौतें होती हैं। मुख्यमंत्री अचेत हैं, जिनता अधिकारी लिखकर देते हैं, उतना ही देखते हैं। राज्य में लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल डिसऑर्डर हो गया है।

दोनों ने खाने की बर्बादी रोकने बनाया मजबूत सिस्टम

अडाणी-इस्कॉन महाप्रसादः दुनिया का सबसे सटीक फूड डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम, यहां बर्बादी होती है न के बराबर

- खाने की बर्बादी 2 फीसदी से भी कम हो रही
- प्लानिंग और ट्रैकिंग से रोकी जाती है अन्न की बर्बादी

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

अडाणी समूह और इस्कॉन मिलकर प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र के साथ शहरभर में महाप्रसाद का वितरण करवा रहा है। अडाणी समूह ने प्रतिदिन 1 लाख श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। इसके लिए इस्कॉन की रसोई में पूरे दिन सरगर्मी बनी रहती है। लाखों लोगों तक पहुंचने वाले इस प्रसाद वितरण की सबसे नायाब बात है अन्न बर्बाद न होने के लिए किया जाने वाले प्रयास और प्लानिंग। इस्कॉन प्रवक्ता का कहना है कि किसी भी हाल में 2 फीसदी से ज्यादा अन्न को बर्बाद नहीं होने दिया जाता।

महाप्लानिंग से रोक रहे अन्न की बर्बादी

इस्कॉन की रसोई में प्रसाद बनाने की तैयारी देर रात 2 बजे के आसपास ही शुरू हो जाती है। इस्कॉन के सेवक निखिल बताते हैं कि सुबह ही तकरीबन 500 कुंटल सब्जी खरीदी जाती है। इसकी प्लानिंग एक दिन पहले से ही कर ली जाती है कि प्रसाद में क्या परोसा जाएगा। इस हिसाब से प्रसाद निर्माण और वितरण के एक दिन पहले और बाद का पूरा खाका तैयार रखा जाता है।

हर घंटे खपत का आंकड़ा लिया जा रहा

अन्न की बर्बादी को रोकने की प्लानिंग भी शुरू हो जाती है। इसके लिए 4 लोगों की एक टीम है जो लगातार प्रसाद की खपत का रिकॉर्ड रखती है। यह टीम हर घंटे प्रसाद की खपत को मापती है। एक अनुमान के मुताबिक महाकुंभ में एक जगह पर अमूमन 1 घंटे में 800 से 1000 लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं। एक सदस्य का कहना है कि अमूमन जब श्रद्धालु बैठ कर प्रसाद ग्रहण करते हैं तब यह मात्रा 750 ग्राम के आसपास होती है। लेकिन जब लोग खड़े होकर या चलते-चलते प्रसाद ग्रहण करते हैं तो यह मात्रा घटकर 350-400 ग्राम पर आ जाती है।

लगातार होती है ट्रैकिंग

भले ही अडाणी-इस्कॉन के प्रसाद वितरण करने वाली टीम के पास जोमैटो और स्विगी जैसे फूड एप्स जैसे ट्रैकिंग सिस्टम नहीं हैं लेकिन फिर भी प्रसाद वितरण को लगातार ट्रैक किया जाता है। इसे ट्रैक करने के लिए 4-5 लोगों की एक टीम है जो रसोई से खाना बाहर निकलने के बाद उसकी खपत को लगातार ट्रैक करती है। जिन स्थानों पर प्रसाद वितरण चल रहा है वहां पर मौजूद टीम के सदस्य वक्त-वक्त पर प्रसाद की उपलब्धता और खपत की जानकारी देते रहते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि

मुंबई। मंगलवार को मुंबई में शिवाजी जयंती की पूर्व संध्या पर पारंपरिक पोशाक पहने बच्चों के साथ एक महिला छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता से पूछा

आप बिना शादी बेशर्मी से रह रहे तो लिव इन पंजीकरण से निजता पर हमला कैसे हो गया?

एजेंसी ▶▶ नैनीताल

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने प्रदेश में हाल में लागू यूसीसी में लिव-इन संबंध के अनिवार्य पंजीकरण को चुनौती देने वाली एक याचिका पर टिप्पणी की कि 'जब आप बेशर्मी से बिना शादी किए एक साथ रहते हैं तो फिर यह आपकी निजता पर हमला कैसे हुआ? याचिकाकर्ता ने यूसीसी में सहजीवन संबंधों का अनिवार्य रूप से पंजीकरण किए जाने या कैद की सजा और जुर्माना भरने के यूसीसी के प्रावधान के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि वे यूसीसी के इस प्रावधान से व्यथित हैं क्योंकि उनकी गोपनीयता पर हमला किया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अंतरधार्मिक युगल होने के नाते उनके लिए समाज में रहना और अपने रिश्ते को पंजीकृत कराना मुश्किल है।

समाज जान चुका आपके रिश्ते

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने दलील दी कि अनेक सहजीवन संबंध सफल विवाहों में बदले हैं और इस प्रावधान से उनके भविष्य और निजता में बाधा उत्पन्न हो रही है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जी नरेंदर और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने कहा कि आप समाज में रह रहे हो, न कि जंगल की किसी दूर दराज की गुफा में। पड़ोसियों से लेकर समाज तक सबको आपके रिश्ते के बारे में पता है।

प्रधानमंत्री के लेकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' का समापन

मेधावी छात्रों ने दिए सफलता के टिप्स और अनुभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा 2025' का आखिरी एपिसोड मंगलवार को प्रसारित हुआ। इस खास कार्यक्रम में सीबीएसई, आईसीएसई, यूपीएससी, सीएलएटी और आईआईटी-जेईई जैसी बड़ी परीक्षाओं के टॉपर्स ने छात्रों के साथ अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं और परीक्षा की तैयारी से जुड़े जरूरी टिप्स दिए। इसमें आईआईटी-जेईई, यूपीएससी, सीएलएटी और एनडीए के टॉपर्स सहित कई मेधावी छात्रों ने भाग लिया। इनमें आईएससी टॉपर शुचिस्मिता अधिकारी, मणिपुर विश्वविद्यालय से एमबीबीएस स्नातक बी निष्ठा, आईआईटी दिल्ली के टॉपर आशीष वर्मा, सीबीएसई टॉपर राधिका सिंघल, आईआईटी-जेईई एडवांस्ड एआईआर-1 वाविलाला चिदविलास रेड्डी, सीएलएटी एआईआर-1 जय कुमार बोहरा, एनडीए एआईआर-1 अरमानप्रीत सिंह और यूपीएससी एआईआर-1 इशिता किशोर शामिल थे।

परीक्षार्थी खुद के लिए सबसे सही तरीकों का करें इस्तेमाल

फ्लोचार्ट और छोटे पॉइंट्स बनाएं

एमबीबीएस स्नातक बी निष्ठा ने कहा कि सबसे बड़ा तनाव सिलेबस को लेकर होता है। हमें क्या पढ़ना है कब तक पढ़ना है यह तय करना मुश्किल हो सकता है। मैंने नोट्स बनाने की बजाय फ्लोचार्ट और छोटे पॉइंट्स बनाए जो ज्यादा फायदेमंद लगे। हर छात्र का तरीका अलग होता है इसलिए खुद के लिए सबसे सही तरीका ढूंढना चाहिए।

सकारात्मक सोच और सही रणनीति से भगाएं डर

यूपीएससी टॉपर इशिता किशोर ने परीक्षा के डर पर बात करते हुए कहा कि जब भी हम परीक्षा के बारे में सोचते हैं तो घबराहट होती है। लेकिन इस डर को सकारात्मक सोच और सही रणनीति से दूर किया जा सकता है। आईआईटी टॉपर आशीष वर्मा ने कहा कि अगर आप किसी भी क्षेत्र में सफल होना चाहते हैं तो हर दिन मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मेहनत करनी होगी। छात्रों को परीक्षा के दौरान तनाव से बचने और ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी गई। टॉपर्स ने बताया कि रूटीन बनाना, लक्ष्य तय करना और बीच-बीच में खुद को ब्रेक देना सफलता के लिए जरूरी है।

जबलपुर
बुधवार, 19 फरवरी 2025
- फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष -7
- वर्ष : 19, अंक : 286
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 30
न्यून. 15

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

8 गाजा पर ट्रंप के बयान से हलचल

मैट्रो
14 कुंभ मेले के कारण कई ट्रेनें प्रभावित....

विभिन्न श्रेणियों में अब तक 31 हजार 659 से अधिक पंजीयन, 60 देशों के 18 हजार 736 प्रतिभागियों ने दी आने की सहमति

जीआईएस में प्रधानमंत्री मोदी लांच करेंगे प्रदेश की औद्योगिक नीतियां : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में 24 एवं 25 फरवरी को भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के सुव्यवस्थित बेहतर आयोजन के लिए गठित शीर्ष समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को सुबह करीब 10 बजे दो दिवसीय जीआईएस का शुभारंभ कर प्रदेश की सभी नवीनतम औद्योगिक नीतियों की लॉन्चिंग करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जीआईएस परिसर में स्थापित किए जाने वाले एमपी एक्सपीरियंस जोन का अवलोकन भी करेंगे।

जीआईएस की सफलता के लिए हुई शीर्ष समिति की बैठक

जीआईएस तैयारियों की विस्तार से की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने निर्देशित किया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इसीलिए आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए समीतैयारियां व्यापक स्तर पर की जाएं। डॉ यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देशित किए कि निवेशकों को सहज आकर्षित करने के लिए राज्य की समी निवेशक हितैषी औद्योगिक नीतियों, उद्योगों के लिए उपलब्ध व्यापक अधोसंरचनाओं और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए।

भारतीय आतिथ्य परंपरा से हो अतिथियों का स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीआईएस में देश-विदेश से भोपाल आने वाले निवेशक हमारे विशेष अतिथि हैं, इसलिए उनका स्वागत व अभिनंदन विशुद्ध भारतीय आतिथ्य परंपरा से किया जाए। इन दो दिनों को स्मरणीय बनाने के लिए मध्यप्रदेश की संस्कृति, यहां की सत्कार परंपरा, विभिन्न कला उत्पादों सहित यहां के खान-पान, व्यंजन आदि का विशेष रूप से प्रदर्शन किया जाए, जिससे निवेशक दो दिन मध्यप्रदेश में रहने के शानदार अनुभव लेकर जाएं।

औद्योगिक विकास को मिलेगा नया आयाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि इस समिट से प्रदेश में औद्योगिक विकास को नया आयाम मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने निवेशकों को बेहतर सुविधाएं देने और सुगम प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीआईएस से भोपाल जिले के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास सारंग से कहा कि वे जीआईएस के दौरान भोपाल शहर की बड़ी और छोटी झील में जल से जुड़ी खेल क्रीड़ाएं आयोजित करें। इससे देश-विदेश से यहां आने वाले निवेशक और प्रतिभागी भोपाल से आत्मीयता से जुड़ सकेंगे। खेल मंत्री ने भोपाल शहर में हो रही जीआईएस को सफल बनाने के लिए नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से जुड़ी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मुस्लिमों के लिए काम के घंटे कम किए

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों के काम के घंटे कम

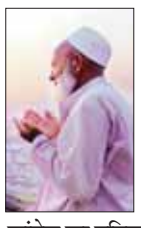

करने का ऐलान किया है। इसके बाद से राजनीति पारा गरम हो गया है। इस फैसले पर भाजपा ने इसे कांग्रेस का तुष्टिकरण करार दिया है। भाजपा ने कहा है कि नवरात्रि के व्रत के दौरान हिंदुओं को ऐसी कोई छूट नहीं दी जाती है।

डिस्काउंट देने के नाम पर 500 करोड़ की ठगी

नई दिल्ली। ईडी ने केरल में 12 जगहों पर सीएसआर फंड घोटाले के मामले में छापेमारी की। घोटाले

के तहत कई लोगों को चूना लगाया है। इस घोटाले के मुख्य आरोपी और गिरोह के सरगना अनंथु कृष्णन के पास 21 बैंक अकाउंट हैं और उसने लोगों को धोखा देकर 548 करोड़ रुपए इकट्ठे कर लिए।

नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ पर आरपीएफ की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

ट्रेन के प्लेटफॉर्म बदलने से मची भगदड़ सीढ़ियों पर यात्रियों में हुई थी धक्का-मुक्की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

घोषणा की गई कि कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 16 से रवाना होगी। इसके बाद भगदड़ की स्थिति बनी। और सीढ़ियों पर आने-जाने वाले यात्रियों के बीच धक्का मुक्की हुई और लोग गिरने लगे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत की हो गई थी। आरपीएफ की एक रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया है कि प्रयागराज जाने वाली कुंभ स्पेशल ट्रेन के प्लेटफॉर्म बदलने के अनाउंसमेंट से हादसा हुआ है। आरपीएफ ने दिल्ली जोन को एक रिपोर्ट सौंपी है। इसमें बताया गया है कि 15 फरवरी, रात करीब 8.45 बजे घोषणा की गई कि प्रयागराज जाने वाली कुंभ स्पेशल प्लेटफॉर्म नंबर 12 से रवाना होगी।

कुछ देर बाद एक और घोषणा की गई कि कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 16 से रवाना होगी। इसके बाद भगदड़ की स्थिति बनी। और सीढ़ियों पर आने जाने वाले यात्रियों के बीच धक्का मुक्की हुई और लोग गिरने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक इस समय मगध एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर, उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर 15 पर खड़ी थी। प्रयागराज एक्सप्रेस में चढ़ने के लिए यात्रियों की भीड़ भी प्लेटफॉर्म 14 पर मौजूद थी। यानी तीन ट्रेनों के आने-जाने वालों की भीड़ प्लेटफॉर्म पर पहले से मौजूद थी। घोषणा सुनकर यात्री प्लेटफॉर्म 12-13 और 14-15 से फुटओवर ब्रिज 2 और 3 के जरिए सीढ़ियां चढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान मगध एक्सप्रेस, उत्तर संपर्क क्रांति और प्रयागराज एक्सप्रेस के यात्री सीढ़ियों से उतर रहे थे। धक्का-मुक्की के बीच कुछ यात्री फिसलकर सीढ़ियों पर गिर गए और भगदड़ मच गई। भगदड़ के बाद राहत सहायता देने में 40 मिनट से अधिक की देरी हुई। दिल्ली फायर का कहना है कि उन्हें दिल्ली पुलिस से भगदड़ के बारे में पहली सूचना रात 9:55 बजे मिली थी। हालांकि, रेलवे ने अपने आधिकारिक कम्यूनिकेशन में बताया है कि भगदड़ रात 9:15 बजे हुई। बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात मची भगदड़ में 18 यात्रियों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि कई लोगों घायल हो गए। मरने वालों में 9 महिलाएं, 4 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं। ये सभी लोगों बिहार, दिल्ली और हरियाणा के रहने वाले थे।

राहत सहायता देने में 40 मिनट से अधिक की देरी हुई

15 फरवरी को हुए हादसे में गई थी 18 लोगों की जान

स्टेशन इंचार्ज को दी थी भगदड़ की सूचना

रिपोर्ट के अनुसार, इयूटी पर तैनात आरपीएफ स्टाफ जब 8:45 बजे भीड़ से भरे एफओबी 2 और 3 को खाली करने की कोशिश कर रहा था, तभी अनाउंसमेंट हुआ कि कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 12 से जाएगी। उसके कुछ देर बाद फिर से स्टेशन पर अनाउंसमेंट हुआ कि कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 16 से जाएगी। जिसके बाद यात्रियों ने भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। आरपीएफ के अनुसार रात 8:48 बजे इयूटी स्टेशन इंचार्ज को भगदड़ की सूचना दी गई।

सीसीटीवी फुटेज आया सामने

आरपीएफ की रिपोर्ट के अनुसार सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि जैसे ही प्लेटफार्म बदलने की घोषणा हुई, यात्री घबराकर भागने लगे। इस दौरान एफओबी-2 और एफओबी-3 पर यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ गई। इसी बीच, दूसरी ट्रेनों के यात्री सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। जब दोनों तरफ से यात्री एक-दूसरे से टकराए, जिससे धक्का-मुक्की हुई, कुछ यात्री फिसलकर गिर पड़े और भगदड़ मच गई।

ये हैं प्लेटफार्म बदलने का नियम

ऐसी ट्रेनें जो पीछे से आ रही होती हैं और संबंधित स्टेशन पर रुककर आगे जाना है। उनका प्लेटफार्म बदला जा सकता है। लेकिन इसके लिए गाइडलाइन है कि वो एक ओर से दूसरी ओर ही बदला जा सकता है। यानी अगर चार पांच प्लेटफार्म साथ-साथ हैं तो ट्रेन को चार के बजाए पांच नंबर पर लाया जा सकता है, क्योंकि यात्रियों को एफओबी जाने की जरूरत नहीं होती है, सिर्फ एक ओर से दूसरी ओर जाना होता है।

ममता ने भगदड़ पर चिंता जताई बोलीं

महाकुंभ 'मृत्युकुंभ' में बदल गया, वीआईपी को दीं सुविधाएं

एजेंसी ⏭ कोलकाता

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने कहा, ' यह महाकुंभ 'मृत्युकुंभ' में बदल गया है। मैं महाकुंभ का और पवित्र गंगा मां का सम्मान करती हूं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए

कोई प्लानिंग नहीं की गई है। भगदड़ में कई लोग मारे गए, लेकिन उनके बारे में कुछ पता नहीं चल रहा है। कई लोग मिले ही नहीं। ममता ने कहा कि महाकुंभ में अमीरों और वीआईपी लोगों के लिए 1 लाख रुपए तक के टेंट मौजूद हैं। गरीबों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मेले में भगदड़ की स्थिति आम है, लेकिन व्यवस्था करना जरूरी है। आपने (यूपी सरकार) क्या योजना बनाई है? ममता के महाकुंभ पर दिए बयान के बाद विपक्ष के नेताओं ने ममता के खिलाफ नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन भी किया। विपक्ष के नेता भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा- मैं हिंदू समुदाय, संत समुदाय से कड़ा विरोध दर्ज कराने की अपील करता हूं।

राजनीतिक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए

महाकुंभ एक पवित्र, धार्मिक अवसर है। यह 144 साल के बाद आया है। हम इस आयोजन को मनाने के लिए खुद को समर्पित करें। यह एक अनूठा आयोजन है, जिसमें अब तक का सबसे बड़ा मानव समूह शामिल हुआ है। भविष्य में भी ऐसा होने की संभावना नहीं है। ऐसे अवसर पर हमें इस तरह की राजनीतिक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। अगर आप हिंदू धर्म या महाकुंभ में विश्वास नहीं करते हैं, तो इसे रहने दें।

संतों ने की निंदा कहा-चुनाव में मृत्युकुंभ साबित होगा, दिए बयान

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा- अखिल भारतीय संत समिति पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी के इस बयान की निंदा करती है कि महाकुंभ 'मृत्युकुंभ' है। जिस तरह से पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, ओडिशा और पूर्वी भारत के हिंदू 'अमृत स्नान' के लिए यहां आ रहे हैं, उससे आपका (ममता) बेचैन होना स्वाभाविक है। मुझे लगता है कि पश्चिम बंगाल का आगामी विधानसभा चुनाव आपके राजनीतिक करियर के लिए 'मृत्युकुंभ' साबित होगा।

सिविल सेवा परीक्षा-2025 से जुड़ा मामला

हाईकोर्ट ने ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा छूट रखी बरकरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने अपने पूर्व आदेश पर अडिग रहते हुए ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा छूट बरकरार रखी है। कोर्ट ने अंतिम चरण में अंतरिम राहत दिए जाने का यूपीएससी का विरोध फिलहाल दरकिनार कर दिया। कोर्ट ने कहा किया कि अंतरिम आदेश में स्पष्ट व्यवस्था दी गई है कि ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा छूट विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन होगी। इसलिए यूपीएससी को अंतरिम आदेश का पालन करते हुए ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों के फार्म पांच वर्ष की आयुसीमा छूट के साथ स्वीकार करने चाहिए। इस मामले की अंतिम सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित की जाती है। मंगलवार को सुनवाई के प्रारंभ होते ही सर्वप्रथम संघ लोक सेवा आयोग की ओर से बहस को गति दी गई। वकील ने दलील दी कि इस तरह अंतिम समय में हाई कोर्ट का पांच वर्ष की आयुसीमा छूट संबंधी अंतरिम आदेश सामने आने से यूपीएससी को सिविल सेवा परीक्षा-2025 के संचालन में परेशानी होगी। ऐसा इसलिए भी क्योंकि राज्य व केंद्र के स्तर पर ईडब्ल्यूएस का स्टेटस अलग-अलग होता है। *(विस्तृत पेज 14 पर देखें)*

कोर्ट ने 24 फरवरी को तय की अंतिम सुनवाई

◆ कपिल सिब्बल ने कहा-पहले ही दी जा चुकी है आयुसीमा में छूट

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई से जुड़े याचिकाकर्ता सतना निवासी आदित्य नारायण पांडेय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल व मनीष सिंह ने दलील दी कि यूपीएससी द्वारा पूर्व में भी समय-समय पर विभिन्न परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को आयुसीमा में छूट की राहत दी जा चुकी है। लिहाजा, इस बार हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश का पालन सुनिश्चित करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अंततः यह अंतरिम राहत याचिका के अंतिम निर्णय के साथ बाध्यकारी होगी। हाई कोर्ट ने इस तर्क से सहमत होकर साफ कर दिया कि पूर्व अंतरिम आदेश में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। लिहाजा, यूपीएससी अभ्यर्थियों को पांच वर्ष की आयुसीमा छूट देकर परीक्षा में सम्मलित होने दे। फार्म भरने की अंतिम तिथि मंगलवार, 18 फरवरी होने के कारण समय खराब न किया जाए। यदि यूपीएससी इतना जोर दे रहा है तो कोर्ट इस मामले की अंतिम सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित करता है। इस प्रक्रिया में अंतिम स्तर की बहस अंतिम निर्णय पर पहुंचा जाएगी।

क्या है मामला

हाई कोर्ट ने अपने पूर्व अंतरिम आदेश में यूपीएससी को निर्देश दिए थे कि याचिकाकर्ता व अन्य समान प्रकृति के अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार करें। कोर्ट ने यह शर्त भी लगा दी थी कि बिना अनुमति पांच वर्ष की आयुसीमा का लाभ पाने वाले इन अभ्यर्थियों के रिजल्ट घोषित न किए जाएं। याचिकाकर्ता सतना निवासी आदित्य नारायण पांडेय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल व मनीष सिंह ने वीसी के जरिए पक्ष रखा था। उन्होंने दलील दी थी कि अन्य सभी आरक्षित वर्ग एससी, एसटी व ओबीसी को आयुसीमा में छूट दी जाती है। ईडब्ल्यूएस भी आरक्षित श्रेणी है, इसलिए उन्हें भी उक्त लाभ दिया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए भी क्योंकि कुछ दिन पूर्व माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2024 में ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को आयुसीमा में पांच वर्ष की छूट का लाभ देने के निर्देश दिए थे।

भाजपा ने किया बचाव कहा- ये संतों का अपमान

बाबा बागेश्वर को सनातन का ज्ञान नहीं, गीता भी नहीं पढ़तेः नायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश में बाबा बागेश्वर के खिलाफ कांग्रेस नेता मुकेश नायक

के विवादास्पद बयानों के बाद राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने बाबा बागेश्वर पर आरोप लगाए कि उन्हें सनातन धर्म का सही ज्ञान नहीं है और वे ठीक से भगवद गीता का पाठ भी नहीं करते। इसके साथ ही उन्होंने बाबा के खिलाफ अपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए यह भी कहा कि बाबा ने कुंभ मेला में हुई दुर्घटनाओं और लोगों की मौत पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा के प्रवक्ता नरेंद्र सलुजा ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस नेता ना केवल संतों और कथावाचकों का अपमान कर रहे हैं, बल्कि वे उन नेताओं की भी आलोचना कर रहे हैं जो बागेश्वर धाम का आशीर्वाद लेने जाते हैं।

केरल में रैगिंग का मामला सामने आया

शर्ट उतारी और घुटनों पर बैठा दिया पीने के लिए थूक कर दिया गया पानी

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

केरल के एक कॉलेज में रैगिंग का ताजा मामला सामने आया है। यहां तिरुवनंतपुरम में एक सरकारी कॉलेज के छात्र ने रैगिंग का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उसके सीनियर्स ने उसकी बेरहमी से पिटाई की। कार्यावत्तोम सरकारी कॉलेज में फर्स्ट ईयर के बायोटेक्नोलॉजी के छात्र ने बताया कि 11 फरवरी को परिसर में सात सीनियर छात्रों के एक ग्रुप ने उसकी पिटाई की, उत्पीड़न

किया और धमकी दी। बता दें कि कोट्टायम के एक सरकारी नर्सिंग कॉलेज में एक जूनियर छात्र का क्रूर तरीके से शारीरिक उत्पीड़न का मामला केरल में व्यापक जन आक्रोश का मुद्दा बना हुआ है।

पुलिस ने दर्ज किया केस

कझाकुट्टम थाने के अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने 11 फरवरी को विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इसमें ढंगा, गलत तरीके से बंधक बनाना आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया, केरल रैगिंग निषेध अधिनियम 1998 के प्रावधानों के अनुसार, पुलिस ने कॉलेज के यूनिट प्रमुख (प्रधानाचार्य) से अनुरोध किया है कि वे शिकायत के अनुसार संस्थान में कोई रैगिंग हुई है या नहीं, इसकी जांच करके हमें रिपोर्ट सौंपें।

रणवीर इलाहाबादिया को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार कहा

देश से बाहर नहीं जा सकते इलाहाबादिया, पासपोर्ट भी जमा करना होगा

लगता है आपके दिमाग में कुछ गंदगी है ऐसे व्यक्ति का केस नहीं सुना जा सकता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में रणवीर इलाहाबादिया ने अश्लील कमेंट किया था, जिसके बाद मामला काफी गरमा गया है। मुद्दा इतना गर्म हो गया कि इसे संसद में भी उठा गया था। भद्दे कमेंट के बाद यूट्यूबर के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में शिकायत दर्ज कराई गई। उन्होंने दावा भी किया था कि उनको जान से मारने की धमकी भी मिली थी। ऐसे में अब रणवीर ने इन सभी केस पर रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की। इस पर कोर्ट में सुनवाई शुरू हो चुकी है और कोर्ट की ओर से सख्त रुख अपनाया गया है।

कई राज्यों में दर्ज मामलों को रद्द कराने के लिए लगाई थी याचिका

कोर्ट ने अश्लीलता का मापदंड भी पूछा

इसके साथ ही जब रणवीर इलाहाबादिया के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने उन्हें मिल रही धमकियों का जिक्र किया और कहा कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। जीभ काटने पर 5 लाख का इनाम रखा गया है। इस पर कोर्ट ने वकील को टोकते हुए कहा कि क्या आप उनके द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा को डिफेंड कर रहे हैं? इस पर वकील ने नकारते हुए कहा कि वो ऐसा नहीं कर रहे हैं। जस्टिस सूर्यकांत की ओर से रणवीर के वकील से अश्लीलता का मापदंड भी पूछा कि क्या है?

धमकियों पर कहा- कानून अपना काम करेगा

कोर्ट की ओर से कहा गया कि ऐसे बयान अश्लील नहीं हैं तो क्या हैं। आप किस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, आपको हर तरह की बातें करने की छूट कैसे मिल गई? जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर आपको लगता है कि आप लोकप्रिय हैं बताइए दुनिया में ऐसा कौन सा व्यक्ति है, जो ऐसे शब्द को पसंद करता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जहां तक है कि रणवीर को धमकियां मिल रही है, कानून इस पर अपना काम करेगा। सरकार उन पर कार्रवाई करेगी। उन्होंने फिर से रणवीर के अश्लील कमेंट को लेकर कहा कि आपने जो शब्द चुने हैं, उससे आपके माता-पिता काफी शर्मिंदा होंगे।

वायु सेना प्रमुख की फटकार पर बोले एचएएल चीफ

2027 तक दे देंगे 30 तेजस लड़ाकू विमान, जल्द से जल्द करेंगे डिलीवरी तीसरे प्लांट में काम शुरू हो गया, मार्च में देंगे पहला जेट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने तेजस फाइटर जेट की डिलीवरी में देरी पर नाराजगी का इजहार किया। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की लेटलतीफी से वायु सेना की क्षमता प्रभावित हो रही है। वायु सेना प्रमुख की इस नाराजगी पर अब एचएएल के चेयरमैन डीके सुनील का जवाब आया है। उन्होंने कहा कि वायु सेना को जल्दी से जल्दी तेजस फाइटर जेट्स की डिलीवरी शुरू की जाएगी। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि एचएएल तेजस विमानों की सप्लाई बढ़ाने के लिए नासिक वाले तीसरे प्लांट में काम शुरू हो चुका है। एचएएल चेयरमैन ने कहा कि इंजन एक बड़ी बाधा थी, लेकिन अब तकनीकी समस्याएं हल हो गई हैं और जीई (अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रॉनिक्स) पहला इंजन तैयार कर रहा है। मार्च में वे हमें दे देंगे। जीई इस साल कुल 12 इंजन दे देगी।

उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर 500 करोड़ रुपए का निवेश किया

तीसरी प्रॉडक्शन लाइन के लिए और 500 करोड़ मंजूर

अमेरिकी कंपनी से इंजन नहीं मिलना से आई समस्या

प्राइवेट सेक्टर को भी किया शामिल

उन्होंने बताया कि तेजस की सप्लाई में तेजी लाने के लिए उत्पादन में प्राइवेट सेक्टर को भी शामिल किया जा रहा है। हमने वेम टेक्नोलॉजीज, एलएंडटी, टाटा जैसी निजी क्षेत्र की कंपनियों को तैयार फ्यूजलॉज बनाने के ऑर्डर दिए हैं। यह काम अभी चल रहा है। उन्होंने कुछ सामान दिया है, लेकिन हमें इसे पूरा करना है। डायनेमिक्स ने अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि इसलिए, हमारे पास निजी क्षेत्र में अतिरिक्त क्षमता भी है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में यह बढ़ेगी। फिर हमारे पास 24 से ज्यादा की क्षमता होगी और जैसे-जैसे निजी क्षेत्र भी आगे बढ़ेगा, मेरी उम्मीद है कि 2027 तक यह संख्या 30 तक पहुंच जाएगी। नासिक प्लांट पहले ही शुरू हो चुका है और पहला विमान उपकरण लगाने के चरण में है। मुझे उम्मीद है कि मार्च में पहला विमान तैयार हो जाएगा।

निजी कंपनियां फ्यूजलाज दे

एचएएल चेयरमैन ने कहा कि हमारा ध्यान उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर है। हमने 500 करोड़ रुपए निवेश किए हैं और तीसरी प्रॉडक्शन लाइन के लिए 500 करोड़ रुपए और मंजूर किए हैं। हमने निजी कंपनियों को भी आदेश दिए हैं कि वे हमें तैयार फ्यूजलाज उपलब्ध कराएं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में उत्पादन बढ़ेगा। मेरी उम्मीद है कि 2027 तक 30 विमान तैयार हो जाएंगे। नासिक का प्लांट शुरू हो चुका है और पहला विमान मार्च में तैयार हो जाना चाहिए।

आत्मनिर्भर भारत अभियान

दरअसल, मोदी सरकार सैन्य साजो-सामान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के मिशन में है। इसी के तहत वायु सेना को स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) से लैस करने का लक्ष्य रखा गया है। तेजस मार्क1 हल्का युद्धक विमान ही है। अभी वायु सेना के पास दो एलसीए तेजस मार्क1 की स्क्वाड्रन हैं, जिन्हें तमिलनाडु के सुलूर एयरबेस पर तैनात किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना को मार्क 1ए के कुल 83 विमानों की मंजूरी दी है। लक्ष्य है कि 220 एलसीए विमानों से वायुसेना के मिग 21, मिग 29 और मिराज विमानों को रिप्लेस किया जाए। सरकार एलसीए के मार्क 2 वर्जन यानी मीडियम वेट फाइटर एयरक्राफ्ट बनाने की भी मंजूरी दे चुकी है।

खबर संक्षेप

शहजादी को दुबई में अभी नहीं होगी फांसी

नई दिल्ली। यूपी के बांदा की रहने वाली शहजादी को फिलहाल फांसी नहीं होगी। यूएई अधिकारियों ने भारतीय दूतावास को सूचित किया है। शहजादी पर एक बच्चे की मौत का आरोप है। उसकी देखभाल में बच्चे की जान गई थी। उसकी पुनर्विचार याचिका पर विचार चल रहा है। विदेश मंत्रालय घटना पर नजर रखे हुए है।

सीआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मारी

उधमपुर। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बताया कि जवान जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर टिकरी इलाके में तैनात 'सड़क खोलने वाले दल' का हिस्सा था।

पूर्व पीएम सुनक ने संसद भवन का दौरा किया

नई दिल्ली। यूनाइटेड किंगडम के पूर्व पीएम ऋषि सुनक ने मंगलवार अपनी पत्नी श्रीमती अक्षता मूर्ति और बेटियों कृष्णा और अनुष्का के साथ संसद भवन का दौरा किया। राज्यसभा से सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति भी उनके साथ थीं। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने सुनक और उनके परिवार का स्वागत किया।

पीएम मोदी ने कतर के अमीर के साथ हैदराबाद हाउस में की बैठक

व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी खाद्य सुरक्षा में रणनीतिक साझेदारी बढ़ाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दोहरे कराधान से बचने व राजकोषीय चोरी की रोकथाम पर एमओयू किया

क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी से मुलाकात की, जहां दोनों नेताओं ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कई वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बातचीत का नेतृत्व किया।

कतर के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमीर तमीम बिन हमद अल थानी ने किया। उनके साथ कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी भी मौजूद रहे। भारत और कतर के बीच आय पर करों के संबंध में दोहरे कराधान से बचने और राजकोषीय चोरी की रोकथाम के लिए संशोधित समझौते पर पीएम मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की मौजूदगी में दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

गार्ड ऑफ ऑनर दिया

कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अमीर अल थानी का राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने स्वागत किया। इसके बाद अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी को सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से मिलवाया गया। कतर के अमीर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ भी बैठक की। राष्ट्रपति भवन में कतर के अमीर के सम्मान में भोज का भी आयोजन किया गया।

बहुआयामी साझेदारी को गति मिलेगी: जयशंकर

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कतर के विदेश मंत्री के साथ एमओयू का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार हाल के वर्षों में, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और लोगों से लोगों के बीच संबंधों सहित दोनों देशों के बीच संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। भारत और कतर के बीच मित्रता, विश्वास और आपसी सम्मान के गहरे ऐतिहासिक संबंध हैं। कतर में रहने वाला भारतीय समुदाय कतर का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है और कतर की प्रगति और विकास में इसके सकारात्मक योगदान के लिए इसकी सराहना की जाती है। कतर के अमीर की यात्रा से दोनों देशों के बीच बढ़ती बहुआयामी साझेदारी को और गति मिलेगी।

व्यापार में सहयोग

इन्वेस्ट कतर और इन्वेस्ट इंडिया के बीच समझौता

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-कतर की भावी साझेदारी का आधार स्थिरता, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता तथा ऊर्जा है। भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी मुख्य अतिथि थे। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी विश्वास, व्यापार और परंपरा की बुनियाद पर टिकी है। उन्होंने कहा कि व्यापार की शर्तें बदल रही हैं, ऊर्जा व्यापार से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्वांटम कंडक्टिंग, सेमीकंडक्टर आदि जैसी उभरती हुई तकनीकें भी इसमें शामिल हैं। भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा खतरों और दुनिया भर में स्थानीयकरण पर ध्यान केंद्रित करने के संदर्भ में संपूर्ण विश्व एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और कतर एक दूसरे के पूरक हैं और समृद्धि तथा बेहतर भविष्य के लिए संयुक्त रूप से कार्य कर सकते हैं। दोनों देश मिलकर व्यापार, निवेश के मामले में बदलाव के लिए तैयार हैं।

युद्धविराम की कोशिशें जारी

रूस बोला- जेलेंस्की के साथ बात करने को पुतिन हैं तैयार

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस की सरकार ने एक बड़ा बयान जारी करते हुए कहा है कि अगर जरूरी है तो राष्ट्रपति पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बात करने के लिए तैयार हैं। रूस की तरफ से यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम की कोशिश हो रही है और इसे लेकर सऊदी अरब में रूसी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों की युक्रेन युद्ध को लेकर बैठक हुई है। मंगलवार को रूस के शीर्ष अधिकारी सऊदी अरब पहुंचे। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने बताया कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज से मुलाकात की। अमेरिका-रूस के अधिकारी यूक्रेन में शांति और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने को लेकर वार्ता के लिए उच्च स्तरीय दल बनाने पर सहमत हो गए हैं।

वार्ता के नतीजे स्वीकार्य नहीं

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनका देश युद्ध समाप्त करने के लिए इस सप्ताह अमेरिका-रूस वार्ता में भाग नहीं लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि यूक्रेन इस वार्ता में भाग नहीं लेगा इसलिए वह वार्ता के नतीजों को भी स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका के मुताबिक वार्ता यह जानने के लिए पहला कदम है कि क्या रूस युद्ध समाप्त करने के लिए 'गंभीर' है, जबकि रूस का कहना है कि इसका लक्ष्य अमेरिका के साथ संबंधों को सामान्य बनाना है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ही रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की बात कही थी। ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका द्वारा कीव को अरबों डॉलर की सैन्य मदद देने के फैसले की भी आलोचना की।

यूरोप को यूक्रेन का समर्थन जारी रखें: स्कोल्ज

जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने कहा कि यूरोप को यूक्रेन का समर्थन जारी रखना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन पर कोई तानाशाही शांति नहीं थोपी जा सकती। यूक्रेन को यह भरोसा होना चाहिए कि यूरोप उसके साथ खड़ा है और उसकी मदद करता रहेगा। स्कोल्ज ने यह बयान एक आपातकालीन बैठक के बाद दिया, जिसे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने बुलाया था। यह बैठक रूस और अमेरिका के बीच होने वाली वार्ता से पहले हुई, जिसमें यूरोपीय देशों ने अपनी रणनीति पर चर्चा की। स्कोल्ज ने कहा कि यूक्रेन किसी भी ऐसी शांति को स्वीकार नहीं कर सकता जो जबरदस्ती थोपी जाए।

अमेरिका में ट्रंप और मस्क का विरोध तेज

सड़कों पर उतरे हजारों लोग, लगाए 'नो किंग ऑन प्रेसिडेंट डे' के नारे

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क का विरोध तेज हो गया है। सोमवार को कड़ाके की ठंड के बीच अमेरिका में जगह लोगों ने ट्रंप और उनकी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किए। लोगों ने नो किंग ऑन प्रेसिडेंट डे के नारे लगाए। इस दौरान ट्रंप के आव्रजन प्रवर्तन वाले विधेयक के विरोध में लोगों ने एरिजोना स्टेट हाउस में घुसने की कोशिश की। एरिजोना, फ्लोरिडा और कैलिफोर्निया के अलावा बोस्टन में भी लोग सड़क पर उतरे। यहां करीब एक हजार लोगों ने स्टेटहाउस से सिटी हॉल तक बर्फ में मार्च किया। उन्होंने एलन मस्क को जाना होगा के नारे लगाए।

मस्क की पहुंच में होगा संवेदनशील डाटा

एलन मस्क के नेतृत्व विभाग वाले सरकारी दक्षता विभाग को अमेरिका के करदाताओं के संवेदनशील डाटा तक पहुंच मिल सकती है। विभाग ने इंटीग्रेटेड डाटा रिट्रीवल सिस्टम तक पहुंच देने की मांग की है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता हैरिसन फील्ड्स ने संकेत दिए कि दक्षता विभाग को आईआरएस डाटा तक पहुंच दी जा सकती है। अगर मंजूरी मिल जाती है तो दक्षता विभाग के कर्मचारियों को उन लाखों फाइल्स तक पहुंच मिल जाएंगी, जिन्हें आमतौर पर गुप्त रखा जाता है। इसमें करदाताओं के बैंक रिकॉर्ड और अन्य संवेदनशील दस्तावेज शामिल हैं। वहीं, ट्रंप प्रशासन ने संघीय नागरिक उड्डयन प्रशासन (एफएए) में छंटनी शुरू कर दी है। यह छंटनी ऐसे वक्त हुई है, जब एफएए पहले से ही स्टाफ की कमी से जूझ रहा है।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमला

राहत सामग्री के ट्रकों पर की गोलाबारी पाक के 4 सैनिकों की मौत, पांच घायल

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी सेना की राहत सामग्री ले जा रहे ट्रकों पर पहले हुए हमले में चार सैनिकों की मौत हो गई। आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया और इस दौरान हुई गोलीबारी में पाकिस्तानी सेना के चार जवान मारे गए। पांच अन्य घायल हैं। यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि

घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया है। जहां एक घायल की हालत नाजुक है। बताया कि आतंकवादियों ने सोमवार देर रात को लोअर कुर्रम के ओचित क्षेत्र में अर्धसैनिक बल कुर्रम मिलिशिया दस्ते पर घात लगाकर हमला किया। फिलहाल किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

हिज्बुल्ला के साथ युद्ध विराम समझौता का किया पालन

इजराइल ने लेबनानी गांवों से वापस बुलाई सेना, 5 स्थानों पर कब्जा रखा

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

इजराइल की सेना दक्षिणी लेबनान के गांवों से हट गई है, लेकिन पांच स्थानों पर अब भी मौजूद है। हिज्बुल्ला के साथ युद्ध विराम समझौते के तहत सेना वापसी की समय सीमा मंगलवार को समाप्त हो गई। इजराइल ने लेबनान से सेना की पूरी वापसी को 18 फरवरी तक के लिए टाल दिया था। इजराइल ने वापसी की समय सीमा से कुछ घंटे पहले घोषणा की थी कि वह सीमा के पास 'पांच रणनीतिक बिंदुओं' पर सैनिकों को रखेगा। मंगलवार को उसके रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने तैनाती की पुष्टि की और हिज्बुल्ला द्वारा किसी भी 'उल्लंघन' का जवाब देने की बात कही। लेबनान के एक सुरक्षा सूत्र ने बताया कि 'इजराइली सेना पांच बिंदुओं को छोड़कर सभी सीमावर्ती गांवों से हट गई है।'

लेबनान ने विस्फोटकों की जांच की

लेबनान की सेना ने पहले इलाके की जांच की और फिर सड़कों पर इजराइली सैनिकों द्वारा लगाए गए अवरोधों को हटाया। लोगों को अपने-अपने घर जाने की इजाजत नहीं दी गई थी क्योंकि लेबनान की सेना इलाके में विस्फोटकों की जांच कर रही थी। इजराइली सेना ने भी ड्रोन के जरिए हालात पर निगरानी रखी। इजराइल और हिजबुल्ला के बीच भले ही युद्धविराम हो गया है, लेकिन अभी भी एक मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में तनाव है। दरअसल इजराइली सेना ने पांच रणनीतिक तौर पर अहम पोस्ट खाली नहीं किए हैं। इजराइल का कहना है कि वे इन पोस्ट से निगरानी जारी रखेंगे।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला मामला

आरोपी क्रिश्चियन मिशेल को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड मामले में छह साल से हिरासत में बंद ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को जमानत दे दी। मिशेल अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में कथित तौर पर बिचौलिया था। सीबीआई और ईडी 3600 करोड़ रुपए के 12 वीवीआई हेलीकॉप्टर्स की खरीद में उसकी भूमिका की जांच कर रही हैं। उसे दुबई से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद दिसंबर 2018 में हिरासत में लिया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जेम्स पिछले छह

साल से हिरासत में है, जबकि मामले की जांच अभी भी जारी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जेम्स को निचली अदालत द्वारा तय शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाएगा। जेम्स ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था।

क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ब्रिटेन का निवासी है। उसे दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था।

बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व पीएम शेख हसीना का यूनुस को पैगाम

इंशाअल्लाह लौटूंगी और आतंकवादियों की सरकार खत्म कर दूंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक आंदोलन के दौरान दर्जनों पुलिस अधिकारियों की हत्या

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को 'आतंकवादी' करार दिया है। साथ ही उन्होंने मुल्क में हुईं पुलिसकर्मियों की हत्या का बदला लेने की भी कसम खाई है। बीते साल जून-अगस्त में हुए प्रदर्शनों के दौरान 800 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी, जिसमें कई पुलिसकर्मी भी मारे गए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हसीना ने हाल ही में जूम लिंक के जरिए 5 विधवाओं और उनके बच्चों से बात की थी। इस वर्चुअल मीटिंग को आवामी लीग के अध्यक्ष नजरुल इस्लाम की तरफ से आयोजित किया गया था।

1. जूम के जरिए 5 विधवाओं और उनके बच्चों से बात की थी
2. भागी इसलिए ताकि एक बार फिर देश की सेवा कर सकूं

यूनुस को सरकार चलाने का अनुभव नहीं

पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा कि यूनुस के पास सरकार चलाने का अनुभव नहीं है। उन्होंने सभी जांच समितियों को भंग कर दिया है और लोगों को मारने के लिए आतंकवादियों को आजाद कर दिया है। वे बांग्लादेश को तबाह कर रहे हैं। हम आतंकवादियों की इस सरकार को बाहर कर देंगे। इंशाअल्लाह।' उन्होंने कहा कि मैं लौटूंगी और हमारे पुलिसकर्मियों की मौत का बदला लूंगी। बता दें, हिंसा के दौरान कई पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाया गया था। सिराजगंज में एक दर्जन से ज्यादा पुलिस अधिकारियों की हत्या कर दी गई थी और उनके शवों को जला दिया गया था।

मेरा वादा है पुलिसकर्मियों की मौत का बदला लूंगी

हसीना ने कहा कि यूनुस ने अपनी अंतरिम सरकार में एक तथाकथित छात्र नेता को शामिल किया है, जो कहते हैं कि पुलिसवालों को मारे बगैर आंदोलन नहीं हो सकता। छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक आंदोलन के दौरान दर्जनों पुलिस अधिकारियों की हत्या हुई लेकिन यूनुस चुप रहे और अराजकता को पनपने दिया। इस अराजकता को हमें खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2024 को वह भीड़ के चंगुल से भागकर आई हैं, ताकि एक बार फिर बांग्लादेश की जनता की सेवा कर सकें। उन्होंने कहा कि मैं आपसे सभी से अनुरोध करती हूं कि शांत रहें और एकजुट रहे। मैं वापस लौटूंगी और हमारे शहीदों का बदला लूंगी। मैं पहले की तरह न्याय करूंगी। मेरा वादा है।

टोरंटो में यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त, सभी सेफ

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में सोमवार को एक बड़ा विमान हादसा हुआ जब मिनियापोलिस से आ रही डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट लैंडिंग के दौरान रनवे पर संतुलन खो बैठी और दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में विमान में सवार सभी 80 यात्री सुरक्षित बच गए हालांकि 18 लोग घायल हो गए। हादसे के दौरान विमान तेज हवा (61 किमी/घंटा) के कारण असंतुलित हो गया और लैंडिंग के तुरंत बाद उसका एक पंख टूट गया। इसके बाद विमान पलट गया जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। चालक दल के सदस्यों ने सतर्कता दिखाते हुए सभी यात्रियों को जल्दी से विमान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जबलपुर में अब हो सकेगी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं

मुख्यमंत्री आज रांझी स्टेडियम का लोकार्पण कर देंगे जबलपुर को सौगात

हरिभूमि, जबलपुर। खेलो इंडिया अभियान के अतंर्गत केंद्र व राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधायें देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी प्रतिबद्धता का परिणाम है कि जबलपुर में आज अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए उपयुक्त और सर्वसुविधायुक्त अत्याधुनिक 26 करोड़ 80 हजार रुपए लागत से बनाए गए रांझी में स्टेडियम की सौगात मिलने जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार 19 फरवरी को जबलपुर के अपने प्रस्तावित प्रवास के दौरान संस्कारधानी वासियों को राँझी खेल परिसर का लोकार्पण करेंगे। इस स्टेडियम के लिए केंट क्षेत्र के विधायक अशोक रोहाणी भी लगातार प्रयासरत रहे और रांझी इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे 12.7 एकड़ क्षेत्र में इस स्टेडियम के निर्माण के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया। उनके प्रयासों से केंद्र व राज्य सरकार ने रांझी में स्टेडियम स्वीकृत किया और फंड उपलब्ध कराया।

आठ लेन सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रेक बना

नवनिर्मित राँझी खेल परिसर में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ट्रेक एंड फील्ड स्पर्धाएं आयोजित की जा सकेंगी। यहाँ 400 मीटर का आठ लेन सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रेक बनाया गया है। इस ट्रैक को वर्ल्ड एथेलेटिक फेडरेशन द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। अकेले सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रेक के निर्माण पर ही 6 करोड़ 95 लाख रुपये खर्च किये गये हैं। सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रैक को चेन लिंक फेंसिंग से कव्हर किया गया है और पाथ वे भी बनाया गया है।

तीरंदाजी और फुटबॉल के लिए आर्चरी एरिना का निर्माण

राँझी खेल परिसर में 6 हजार 250 वर्ग मीटर क्षेत्र में आर्चरी एरिना भी बनाया गया है। इसमें 50 और 70 मीटर की तीरंदाजी की स्पर्धाएं हो सकेंगी। फुटबॉल की प्रतियोगिता भी इस खेल परिसर में आयोजित की जा सकेंगी।

खिलाड़ियों की सुविधाओं का भी विशेष ध्यान

राँझी खेल परिसर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों की सुविधाओं का भी विशेष ध्यान दिया गया है। खेल परिसर में खेलों इंडिया योजना के अंतर्गत 19 करोड़ 85 लाख रुपये की लागत से तकनीकी भवन, हॉस्टल भवन और मय स्पेक्टेटर्स गैलरी के पवेलियन का निर्माण किया गया हैं। आर्चरी एरिना भी इसमें शामिल है।

3 मंजिला तकनीकी भवन में अनेक सुविधाएं

खेल परिसर में 1 हजार 835 वर्गमीटर क्षेत्र में बनाये गये तीन मंजिला तकनीकी भवन में लड़के-लड़कियों के लिए प्लेयर कक्ष, फिजियो कक्ष, कोच कक्ष, मीटिंग हॉल, क्लास रूम, जिम, लाइब्रेरी और आफिस कक्ष का निर्माण किया गया है। ये सभी कक्ष वातानुकूलित होंगे। खेल परिसर में 2 हजार 384 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने 74 बिस्तरों के हॉस्टल भवन में चौबीस शयन कक्ष बनाये गये हैं। इनमें बारह कक्ष महिला एवं बारह कक्ष पुरुष खिलाड़ियों के लिए हैं ।अटैच टॉयलेट युक्त इन सभी कक्षों में एसी लगाए गए हैं। हॉस्टल भवन में डाइनिंग हॉल, किचन और कॉमन रूम भी हैं। तकनीकी और हॉस्टल भवन के इसके अतिरिक्त 560 क्षमता की स्पेक्टर्स गैलरी का पवेलियन के साथ निर्माण किया गया है। इसके भूतल पर ऑफिस, प्लेयर लॉबी, मीडिया लाउंज एवं महिला-पुरुषों के लिए प्रसाधन बनाए गए हैं। खेल परिसर में 380 मीटर की सीमेंट कांक्रीट रोड, पार्किंग, संपवैल सहित पम्प हाऊस और गॉर्डरूम का निर्माण किया गया है। सीसीटीव्ही केमरा व स्ट्रीट लाइट भी यहाँ लगाये गये हैं।

2 करोड़ का जिम हॉल भी

राँझी खेल परिसर में लगभग 1 करोड़ रुपये के फर्नीचर की व्यवस्था भी की गई है। इसमें ऑफिस कक्षों के लिए टेबल, कुर्सियां, सोफा, हॉस्टल भवन के लिये बिस्तर, अलमारी, स्टडी टेबल, डाइनिंग टेबल आदि शामिल हैं। खेल परिसर में एक जिम हॉल भी बनाया गया है। जिम हॉल में ही 2.5 करोड़ रुपये के वेट ट्रेनिंग के उपकरण लगाये गये हैं।

सिंथेटिक ट्रैक पर दौड़ेंगे धावक

खेल परिसर के 400 मीटर के 8 लेन वाले सिंथेटिक ट्रैक के प्रत्येक लेन की चौड़ाई 1.22 मीटर है। इस ट्रैक पर 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर स्प्रिंट, 110 एवं 400 मीटर बाधा दौड़, 4 गुना 100 एवं 4 गुना 400 मीटर रिले रेस, मध्यम दूरी और लंबी दूरी की स्टीपल चेज, 20 किलोमीटर और 50 किलोमीटर की रेस वॉक हो सकेंगीं। हाई जंप, लांग जंप, ट्रिपल जंप एवं पोल वॉल्ट तथा भाला, डिस्कस और हैमर एवं शॉट पुट की स्पर्धाएं, हेप्टाथलॉन एवं डेकाथलॉन जैसी स्पर्धाएं तथा फुटबॉल की प्रतियोगिताएं हो सकेंगी।

जिले में दस्तक अभियान का द्वितीय चरण प्रारंभ

घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य का होगा सर्वे

जबलपुर। जिले में पांच वर्ष की उम्र तक के बच्चों में बाल्यकालीन बीमारियों की पहचान और उनके निदान के उद्देश्य को लेकर करीब एक माह तक चलाए जाने वाले दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का आज शुभारंभ हुआ। अभियान के तहत स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्त्ताओं द्वारा घर-घर दस्तक देकर अभिभावकों से बच्चों को होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी ली जाएगी तथा गंभीर रोगों, शारीरिक व्याधियों से ग्रसित पाये गये बच्चों के उपचार के त्वरित प्रबंध किये जायेंगे।

जिले में दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का विधिवत शुभारंभ आज मंगलवार को रानी दुर्गावती चिकित्सालय एल्गिन में आयोजित जिलास्तरीय कार्यक्रम में क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवा डॉ संजय मिश्रा ने बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ संजय मिश्रा ने बताया कि दस्तक अभियान का द्वितीय चरण 18 फरवरी से 18 मार्च तक आयोजित किया का रहा है। इस अवधि में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा 9 माह से 5 वर्ष की आयु के बच्चों का विटामिन-ए अनुपूरण, 6 माह से 5 वर्ष तक की आयु के चिन्हांकित एनीमिक बच्चों की डिजिटल हीमोग्लोबिनो मीटर द्वारा फालोअप जांच एवं प्रबंधन किया जाएगा। द्वितीय चरण में दस्तक अभियान के प्रथम चरण में चिन्हित किए गए एनीमिक बच्चों की भी डिजिटल हीमोग्लोबिनो मीटर के माध्यम से एनीमिया की जांच की जाएगी और फॉलोअप लिया जायेगा।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता ने बताया कि जिले के समस्त उप स्वास्थ्य केन्द्रों एवं शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलायी जायेगी। जिले के शहरी एवं ग्रामीण अंचल में घर-घर जाकर दस्तक अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में रानी दुर्गावती चिकित्सालय की अधीक्षक डॉ नीता पाराशर, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ ममता गुप्ता, आरएमओ डॉ तुषार गुप्ता, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील, डीपीएम विजय पाण्डेय, संभागीय समन्वयक निहार दीवान, यूएनडीपी पीओ अतुल करकरे, संभागीय सलाहकार योगेश सराठे, यूनिसेफ संभागीय समन्वयक सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, पोषण सलाहकार अंजली दीवान एवं रविशंकर कोष्टा उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में आये 133 आवेदन

जबलपुर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड, एसडीएम जबलपुर श्री अभिषेक सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र अहके, श्रीमती शिवाली सिंह व गोरखपुर एसडीएम श्री पंकज मिश्रा को शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों ने अपने विभिन्न समस्याओं को लेकर 133 आवेदन दिये। जिसमें 93 नये आवेदन हैं तथा 40 ऐसे आवेदन है जो पूर्व में भी आ चुके थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर अवैध कब्जा हटाने, आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति भुगतान, बंटवारा, सीमांकन, लड़ाई-झगड़ा, ड्रोन सर्वे में छूटे गये नाम जोड़ने में, संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह राशि भुगतान करने, पीएम किसान योजना में नाम जोड़ने, अभिलेख दुरूस्त करने, किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, शिक्षा, समग्र आईडी, चिकित्सा सहायता, पेंशन, संबल राशि दिलाने, आवास योजना का लाभ दिलाने, बीपीएल कार्ड बनवाने आदि से संबंधित आवेदन थे। अपर कलेक्टर श्री गोंड ने पुराने 25 आवेदनों की अलग से सुनवाई की जिसमें मुख्य रूप से रास्ता खुलवाने, नक्शा बटांकन, नामांतरण, किसान फसल ऋण माफी योजना, ग्रेजुएटी राशि दिलाने, अतिक्रमण व नालियों की सफाई, पेंशन भुगतान, नक्शा सुधार, अवैध कब्जा हटाने, पीएम किसान की राशि दिलाने, बिजली कनेक्शन दिलाने आदि आवेदन शामिल थे।

मप्र हाई कोर्ट बार से मिले संस्कार न्यायपालिका में बनेंगे दिशा-दर्शक

अभिनंदन समारोह में बोले नव नियुक्त न्यायमूर्ति आशीष श्रोती

जबलपुर। हाई कोर्ट के नव नियुक्त न्यायमूर्ति आशीष श्रोती ने कहा कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट बार से मिले संस्कार न्यायपालिका में दिशा-दर्शक बनेंगे। वे अपने सम्मान में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के सिल्वर जुबली आदर्श सभागार में आयोजित अभिनंदन समारोह में कृतज्ञता ज्ञापित कर रहे थे। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत, प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा, एमपी स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी, डिप्टी सालिसिटर जनरल पुष्पेंद्र यादव, हाई कोर्ट बार अध्यक्ष धन्य कुमार जैन, सचिव परितोष त्रिवेदी, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, जिला बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा व एडिशनल एडवोकेट जनरल हरप्रीत सिंह रूपराह मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन हाई कोर्ट बार के सचिव परितोष त्रिवेदी ने किया। जबकि आभार प्रदर्शन संयुक्त सचिव योगेश सोनी ने किया। अधिवक्ता हितों का रखेंगे पूरा ध्यान : मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने हाई कोर्ट बार के एक सदस्य के न्यायमूर्ति की आसंदी तक पहुंचने पर बार को बधाई दी। साथ ही भरोसा दिलाया कि अधिवक्ताओं की सुविधाओं व हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण करके आया हूं। कमियां शीघ्र दूर करूंगा। नवीन हाई कोर्ट कैंपस में बार सभागार सहित बैठक व्यवस्था आदि को लेकर सभी अपेक्षित अनुमतियां प्राप्त कर ली गई हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियमितिकरण की मांग पर सुनवाई 20 को

लंबे समय से कार्यरत अतिथि विद्वानों से जुड़ा मामला

जबलपुर।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने लंबे समय से कार्यरत अतिथि विद्वानों के असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियमितिकरण की मांग पर सुनवाई 20 फरवरी को नियत कर दी है। अतिथि विद्वानों की ओर से अधिवक्ता रवींद्र कुमार गुप्ता पक्ष रखेंगे। उन्होंने अवगत कराया कि याचिकाकर्ता अतिथि विद्वानों के पास असिस्टेंट प्रोफेसर पद के अनुरूप आवश्यक योग्यताएं, व्यापक अनुभव व शिक्षण कौशल है। वे पीएचडी डिग्रीधारक भी हैं। 29 वर्ष से गैस्ट फैकल्टी बतौर निरंतर सेवा देते चले आ रहे हैं। लिहाजा, वे मप्र के शासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियमितिकरण के हकदार हैं। उनकी मांग को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

लंबे समय तक रिक्तियां घोषित नहीं हुई :

अधिवक्ता गुप्ता ने अवगत कराया कि 1992 से 2017 तक एमपी-पीएससी द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर

सामान्य वर्ग के लिए कोई रिक्ति घोषित नहीं की गई थी। 2017 में हाई कोर्ट के हस्तक्षेप से पीएससी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति मिली थी। 2017 के बाद 2023 तक एमपी-पीएससी द्वारा कोई रिक्ति घोषित नहीं की गई। बहरहाल, गैस्ट फैकल्टी लंबे अध्यापन अनुभव के आधार पर नियमितिकरण का सम्मान चाहते हैं। उन्हें समान वेतन की दरकार है। वे चाहते हैं कि असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अलग से आवेदन न करना पड़े। वे अपनी वर्तमान सेवा 65 वर्ष की आयु तक जारी रख सकें। इसी मंशा से हाई कोर्ट आए हैं।

हाईटेक गौशाला का आज भूमि पूजन करेंगे मुख्यमंत्री

जबलपुर। आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। उमरिया ग्राम में 53 एकड़ से अधिक भूमि पर एक अत्याधुनिक गौशाला का निर्माण किया जा रहा है, जिसका भूमि पूजन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 फरवरी को करेंगे।महापौर जगत बहादुस सिंह अन्नू ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की लागत 10 करोड़ रुपए है। गौशाला में कुल 10 हजार गौवंश को रखने की व्यवस्था की जाएगी। वर्तमान में यहां पर तीन हजार गौवंश मौजूद हैं। गत दिवस महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगम आयुक्त प्रीति यादव सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के अनुसार, इस गौशाला के निर्माण से शहर की सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं को सुरक्षित आश्रय मिलेगा और इससे राहगीरों को भी राहत मिलेगी।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने प्रयागराज महाकुंभ को देखते हुए अधिकारियों को दिये निर्देश

जबलपुर।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने मंगलवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेश में रेलवे-सड़क मार्गों से जुड़ी सभी एजेंसियों को समन्वय बनाकर यातायात व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री जे.एन. कंसोटिया, सचिव गृह श्री गौरव राजपूत और परिवहन सचिव श्री मनीष सिंह मौजूद थे। मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रेलवे, कमिश्नर, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों से जिलों में की गयी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

सेंट्रल कंट्रोल-रूम की हो व्यवस्था

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि आगामी दिनों में महाशिवरात्रि को देखते हुए प्रयागराज से जुड़े मार्गों पर भीड़ का दबाव बना रहेगा। उन्होंने कहा कि व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के बीच समन्वय के लिये सेंट्रल कंट्रोल-रूम की व्यवस्था हो, जहाँ महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। उन्होंने कहा कि भीड़ और यातायात प्रबंधन के लिये पुलिस और रेलवे फोर्स के साथ वॉलेंटियर्स का सहयोग लिया जाये। उन्होंने भीड़ के दबाव को कम करने के लिये जिलों में की गयी होल्डिंग सेंटर की व्यवस्था की जानकारी ली।

बेरीकेड्स की व्यवस्था

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि रेलवे स्टेशनों के पास बेरीकेड्स लगाकर व्यवस्था की जाये। उन्होंने रेलवे अधिकारियों से कहा कि रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन की क्षमता के अनुसार यात्रियों का प्रवेश सुनिश्चित हो। रेलवे स्टेशनों में यात्रियों की सुविधा के लिये ऐनाउंसमेंट की स्पष्ट सुविधा हो। स्टेशन प्लेटफार्म पर यात्रियों के खान-पान के साथ सुलभ सुविधा की व्यवस्था हो। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशनों में यात्रा टिकिट या प्लेटफार्म टिकिट के बाद ही यात्रियों को प्रवेश दिये जाने की व्यवस्था की गयी है।

प्रदेश में रेलवे-सड़क मार्गों से जुड़ी सभी एजेंसी समन्वय बनाकर बेहतर व्यवस्था रखें

सड़क मार्ग पर रखें सतत निगरानी

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि सड़क मार्ग पर यातायात के दबाव पर सतत निगरानी रखी जाये। होल्डिंग सेंटर पर यात्रियों की सुविधा के लिये स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर खान-पान की व्यवस्था के साथ अन्य आवश्यक व्यवस्था हो। उन्होंने प्रदेश की सड़कों के ब्लैक-स्पॉट पर आवश्यक निर्देश और रोशनी की व्यवस्था पर भी जोर दिया। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि वाहनों को सावधानी के साथ चलने और वैकल्पिक ड्रायवर की व्यवस्था रखने के लिये भी कहा जाये।

पुलिस व्यवस्था की जानकारी

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने बताया कि पुलिस अधीक्षकों को लगातार निर्देश दिये जा रहे हैं। बैठक में आपात की स्थिति में स्वास्थ्य, अग्नि-शमन से जुड़ी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गयी।

समिति ने कहा सिहोरा आएं मुख्यमंत्री मोहन यादव

सिहोरा को जिला बनाने वाले भाजपा के वादे को कब पूरा करेंगे मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज सिहोरा।

प्रहलाद पटेल, स्मृति ईरानी, शिवराज सिंह चौहान और इन दिग्गज नेताओं के वादे से विधायक बने संतोष बरकड़े के विधानसभा चुनाव के पूर्व किए वादे को मुख्यमंत्री मोहन यादव कब पूरा करेंगे इसका इंतजार प्रत्येक सिहोरा वासी कर रहा है। विदित हो कि विधानसभा चुनाव के पूर्व इन सारे नेताओं ने सिहोरा को जिला बनाने का सार्वजनिक मंचों से वादा किया था। सिहोरा वासियों ने कहा कि मुख्यमंत्री कब सिहोरा को जिला बनाने वाले भाजपा के वादे को कब पूरा करेंगे।लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने आज मुख्यमंत्री के जबलपुर आगमन पर उनसे मिलने का समय मांगा है।

कब कब भाजपा नेताओं ने किए वादे

1 - भाजपा की विकास यात्रा के दौरान तत्कालीन केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के द्वारा दिनांक 08.09.2023 को सार्वजनिक सभा में सिहोरा को 21 वर्ष पूर्व ही जिला बन जाना था ऐसा विचार व्यक्त करते हुए सिहोरा जिले की मांग का समर्थन किया गया था। साथ ही वादा किया कि भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे पर गंभीर है और शीघ्र ही इस दिशा में कोई कदम उठाएगी ।

2- दिनांक 08 .11.2023 को विधानसभा चुनाव के सिहोरा के भाजपा प्रत्याशी संतोष बरकड़े द्वारा बाबा लाल मंदिर प्रांगण में हुई आमसभा में सिहोरा वासियों से समर्थन मांगते हुए वचन दिया गया कि सरकार बनते ही भारतीय जनता पार्टी सिहोरा को जिला बनाए जाने की दिशा में कार्य करेगी ।

3 - दिनांक 15 .11 .2023 विधानसभा चुनाव के ठीक पहले तत्कालीन केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी द्वारा पुराना बस स्टैंड सिहोरा में आयोजित आमसभा में सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की ओर से सिहोरा वासियों से वादा किया गया कि आप भाजपा प्रत्याशी संतोष बरकड़े को जिताएं। जीतते ही सिहोरा को जिला बनाए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री तक बात रखने का भी ठोस वचन दिया था लेकिन आज धरातल पर कुछ नहीं दिख रहा।

4- दिनांक 16.11.2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक जबलपुर के डॉक्टर जितेंद्र जामदार की मध्यस्थता में लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के सदस्यों से मोबाइल पर वार्ता की गई ।इस वार्ता में शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा के प्रति विश्वास व्यक्त करने की अपील करते हुए विश्वास दिलाया था कि सत्ता में आते ही सिहोरा को जिला बनाया जाएगा । मुख्यमंत्री से आज जबलपुर में मांगा समय-आंदोलन समिति के मानस तिवारी,अनिल जैन,विकास दुबे,कृष्ण कुमार कुररिया,सुशील जैन,नवीन शुक्ला,संतोष पांडे,रामजी शुक्ला,राजभान मिश्रा,अमित बक्शी,आशीष तिवारी, नीतेश खरया आदि ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से आज जबलपुर आगमन पर मिलने का समय मांगा है। साथ ही मिलकर उन्हें सिहोरा आने का आमंत्रण भी देंगे।

आवास योजना शिविर : आवेदन के लिए परेशान हो रहे नगरवासी

मझौली। नगर परिषद में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आवास योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन में पट्टा एवं रजिस्ट्री के लिए पूरे दिन नगर वासी नगर परिषद मझौली के चक्कर काटते रहे। शिविर का आयोजन करने नगर परिषद मझौली के द्वारा पूर्ण रूप से तैयारीयां नहीं की गई थी जिस कारण नगरवासी भटकते नजर आए। लोगों ने बताया कि कर्मचारियों कह रहे हमें नहीं पता बाहर जाकर ऑनलाइन आवेदन करें क्योंकि पोर्टल बंद है।

नगर परिषद मझौली आबादी भूमि में बसी हुई है। 75 प्रतिशत से अधिक लोगों के पास नगर परिषद में की मकान टैक्स रसीद के अलावा कुछ भी नहीं है। जबकि उनके पूर्वज डेढ़ सौ से 200 वर्षों से अधिक हो गाए उनको यहां पर रहते हुए। अब शासन के द्वारा आवास योजना का फायदा लेने के लिए पट्टा एवं रजिस्ट्री मांगी जा रही वह कहां से लाएं।

नगर परिषद मझौली के नगरवासीयों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि या तो उनको पट्टा वितरित किया जाए, या तो उनको पहले जैसे आवास योजना का फायदा दिया जाए।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन आज से

कटनी। बसाहटों का भौतिक सत्यापन कर उन्हें बारहमासी संपर्कता सुनिश्चित कराने हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पंचायत के सभाकक्ष में 19 फरवरी से 21 फरवरी तक दोनों पालियों में आयोजित किए जाने के निर्देश जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। जारी कैलेंडर के अनुसार 19 फरवरी को जनपद पंचायत कटनी एवं विजयराघवगढ़, 20 फरवरी को बड़वारा एवं ढीमरखेड़ा तथा 21 फरवरी को बहोरीबंद एवं रीठी के ग्राम रोजगार सहायकों और उपयंत्रियों को दोनों पालियों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ई-रिक्शा की बैटरी और स्टेपनी ले गए चोर

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत गत दोपहर पाटन बायपास में रोड किनारे खड़े ई-रिक्शा से अज्ञात चोर 4 बैटरी, कंट्रोलर, हेडलाईट, टर एवं स्टपनी चोरी कर ले गये। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमखेड़ा कुदवारी निवासी 36 वर्षीय धर्मेन्द्र गोस्वामी ने माढ़ोताल थाने में एक लिखित शिकायत की, कि वह ई रिक्शा क्रमांक एमपी 20 जेड एल 7587 वाहन अमन नगर निवासी वाहन मालिक अंकित चड़ार का किराए से ई रिक्शा चलाता है। गत 8 फरवरी को वह दोपहर कटंगी वायपास से पाटन वायपास आते समय ई रिक्शा में कुछ खराबी आ जाने से बंद हो गया था जो स्टार्ट नहीं हो रहा था तो उसने ई रिक्शा रोड के साईड मे खड़ी करके मिस्त्री को लेने के लिये पाटन वायपास तरफ आया था। दोपहर लगभग 2 बजे मिस्त्री को लेकर वापस आया तो देखा कि उसके ई रिक्शा में लगी हुयी 4 बैटरी, कंट्रोलर, हेडलाईट, टर एवं स्टपनी अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। पुलिस ने लिखित शिकायत पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

बहन की शादी में आई महिला के होटल के कमरे से जेवर चोरी

जबलपुर। ओमती थाना अतंर्गत दत्त रेसीडेंसी होटल में बहन की शादी में आई एक महिला के बैग में रखे सोने चांदी के जेवर होटल के कमरे से चोरी हो गए। सीसीटीव्ही फुटेज चैक करने पर कमरे की तरफ बहन का ड्रायवर सोनू और अली आते दिखे, लिहाजा चोरी का उन पर चोरी का संदेह गहरा रहा है। पुलिस ने 11 दिन बाद चोरी का मामला दर्ज किया है। ओमती पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार खुशीपुरा नवाबाद झांसी उत्तरप्रदेश निवासी 45 वर्षीय श्रीमति योगिता गहलोत गत 7 फरवरी को अपनी बहन की शादी में जबलपुर आई थी।

पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त का वितरण 24 फरवरी को

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार, 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त का वितरण करेंगे। इससे कटनी जिले के कृषक भी लाभान्वित होंगे। इस बार किस्त वितरण दिवस को किसान सम्मान समारोह के रूप में भी मनाया जाएगा। योजना के तहत हितग्राहियों को वर्ष में कुल 6 हजार रुपए की राशि तीन समान किस्तों में प्रदान की जाती है। आयुक्त भू अभिलेख के निर्देशानुसार जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने, बड़ी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम के प्रसारण तथा समस्त ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम के लाइव टेलीकास्ट के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

योजना के तहत प्रत्येक पात्र किसान को 2,000 की राशि मिलेगी। यह राशि बीज, खाद और अन्य कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी। योजना का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।

इस योजना ने किसानों को कई तरह से लाभान्वित किया है। इसके तहत आर्थिक सहायता छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना। सीधा लाभ हस्तांतरण होनें के कारण पैसे सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर किए जाते हैं, जिससे बिचौलियों का खतरा खत्म हो जाता है। यह राशि बीज, खाद और उपकरण खरीदने में मदद करती है जिससे कृषि उत्पादन में सुधार होता है। यह योजना किसानों को वित्तीय संकट से बचाने में सहायक है।

योजना के तहत आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए। केवल छोटे और सीमांत किसान ही पात्र हैं।सरकारी कर्मचारी, उच्च आय वाले व्यक्ति और पेंशन भोगी इस योजना के लिए पात्र नहीं हैं इसके अलावा वकील, डॉक्टर, इंजीनियर या अन्य पेशेवर भी इस योजना का लाभ नहीं उठा सकते। योजना का लाभ पाने के लिए आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण, भूमि रिकॉर्ड, मोबाइल नंबर, ई-केवाईसी प्रमाणपत्र, जरूरी है। ई-केवाईसी प्रक्रिया से केवल पात्र किसान को ही इस योजना का लाभ मिलता है यह प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से पूरी की जा सकती है।

एसपी एवं डीआईजी की उपस्थिति में हुई संयुक्त बैठक

स्टेशनों में यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने चौकसी बढ़ाने निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन एवं डीआईजी रेल रजनीश कुमार त्रिपाठी ने स्टेशन अधीक्षक कार्यालय कटनी में पुलिस एवं रेल अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में जीआरपी पुलिस अधीक्षक जबलपुर व वरिष्ठ सेनानी मुनब्बर खान, सहायक सेनानी डीपी कुशवाहा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष कुमार डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा, स्टेशन अधीक्षक संजय दुबे, थाना प्रभारी कोतवाली आशीष शर्मा, कमर्शियल इंस्पेक्टर संजय सिंह, जीआरपी थाना प्रभारी एवं आरपीएफ थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बैठक में महाकुंभ प्रयागराज में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने एवं स्टेशनों में यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे स्टेशन में चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए, कटनी और मुड़वारा रेलवे स्टेशन में महाकुंभ में स्नान के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ जमा हो रही है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और उनकी सुविधा का जायजा लेने सभी अधिकारीगण कटनी मुख्य रेलवे स्टेशन एवं मुड़वारा रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां पर उन्होंने यात्रियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए गए इंतजामों के बारे में जानकारी ली।

पुलिस अधीक्षक कटनी ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा की वे रेलवे स्टेशन में बनी पीली लाइन को क्रॉस न करें, रेल सेफ्टी से संबंधित नियमों का अनुपालन करें, जब तक कि ट्रेन रुक ना जाए, ट्रेन के दरवाजे ना खुल जाए भगदड़ न करें। साथ ही पुलिस अधीक्षक कटनी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीनियर ऑफिसर्स लगातार मौके पर विजिट करते रहे, रेल्वे कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार अनाउंसमेंट करते रहे, ट्रेन की जो सूचना है कि कौन सी ट्रेन, किस प्लेटफार्म पर आना है वह निश्चित है उसमें अंतिम क्षणों में कोई बदलाव न हो ताकि यात्रीगण परेशान न हों। हॉस्पिटल की टीम और फायर ब्रिगेड स्टेशन में उपलब्ध रखने हेतु निर्देशित किया गया।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग का गठन करने मुस्लिम विकास परिषद ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को दिया ज्ञापन

जबलपुर। विगत कई वर्षों से राज्य सरकार द्वारा मप्र अल्पसंख्यक आयोग का गठन नहीं किये जाने पर क्षुब्ध होकर मप्र मुस्लिम विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एड. मो. माहिर खान के आह्वान पर मप्र के संपूर्ण जिलों के मुख्यालय में ज्ञापन दिए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में सोमवार को परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी के नेतृत्व में डिप्टी कलेक्टर नदीमा शीरी को मप्र के राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम आयोग गठन किये जाने की मांग वाला एक ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि कई वर्षों से मप्र में अल्पसंख्यक आयोग का गठन नहीं किया गया है, जिस कारण अल्पसंख्यक वर्ग को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है औऱ उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है।

ज्ञापन देते समय मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, हाजी मुईन खान, शेख निजामी, अकबर उस्मानी, ताहिर खोकर, फैजान क़ुरैशी, अलीम मंसूरी, साजिद काजी, इरफान क़ुरैशी, बब्लू क़ुरैशी, अहमद रज़ा, एड.निसार अंसारी, गुलाम किबरिया, अशफाक आरिफ, डॉ. निसार अंसारी, मामूर गुड्डू, अब्दुल बाकी खान, हाशिम राजा, अशरफ शिराजी, मो. जावेद, मुख्तार अंसारी, मुज्जफर कुरैशी, इस्तियाक अंसारी आदि उपस्थिति की उल्लेखनीय रही।

कलेक्टर ने बरही में 76 आवेदकों की सुनी समस्यायें

पंचायत से लेकर जिला स्तरीय जन सुनवाई में आवेदकों ने बताईं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने बरही तहसील प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में यहां दूरदराज से पहुंचे लोगों के 76 आवेदनों पर सुनवाई की और निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत और एसडीएम महेश मंडलोई सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

कलेक्टर ने यहां पहुंचे हर आवेदक की समस्या को अपने समक्ष बैठाकरर बड़े धैर्य से सुना और उनको समस्याओं के निराकरण के प्रति आश्वस्त किया। कलेक्टर ने आवेदकों की भूमि से संबंधित मामलों में तहसीलदार को स्थल निरीक्षण करने के निर्देश भी दिये।

बरही में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे अस्थिबाधित दिव्यांग ग्राम करौंदीकला निवासी शिवप्रसाद पांडेय और नगर पंचायत बरही के वार्ड नंबर दो हड़तला टोला निवासी अशोक कुमार पटेल ने भी कलेक्टर श्री यादव से आने- जाने में सुविधा की दृष्टि से मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल दिलवाने का आग्रह किया।इस पर कलेक्टर श्री यादव ने उपसंचालक सामाजिक न्याय नयन सिंह को निर्देशित किया कि दोनों दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल दिलवायें।

जनसुनवाई में ग्राम खिरहनी निवासी कुंजबिहारी रजक ने बताया कि पिछले 10 माह से उनका बिजली मीटर खराब है। उन्होने सहायक अभियंता कैमोर को इस बावत आवेदन भी प्रस्तुत किया था। बावजूद इसके बिजली विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई और लगातार इनके द्वारा बढ़ा-चढ़ा कर एवरेज बिल दिया जा रहा है। इस आवेदन पर कलेक्टर ने अधीक्षण यंत्री एमपीईबी श्रीराम पाण्डेय को समुचित कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि वे स्वयं इस मामले की टीएल में समीक्षा करेंगें।

अधिकारियों को प्रकरणों के निराकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान जिले के दूर- दराज से पहुंचे लोगों के आवेदनों पर धैर्यपूर्वक सुनवाई करते हुए अपर कलेक्टर श्रीमती साधना परस्ते सहित उपस्थित अधिकारियों की जाकर समस्याओं एवं शिकायतों का समय- सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। किया गया। कार्यालय कलेक्टर में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान 114 आवेदनों पर सुनवाई की गई।

छात्रा अनुष्का सिंह को प्रथम स्थान

प्रतियोगिता में कालेज की छात्राओं ने अपने हाथों में सजाई शानदार मेहंदी

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नाकोत्तर महाविद्यालय द्वारा आयोजित किसी भी प्रतियोगिता में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देकर नाम रोशन करने वाली यहां अध्ययनरत छात्राओं ने मेहंदी प्रतियोगिता में भी अपने हाथों में एक से बढ़कर एक मेहंदी डिजाइन बनाकर दिखा दिया की इसमें भी उनसे आगे कोई नहीं है। इस प्रतियोगिता में कालेज की छात्रा अनुष्का सिंह बीए द्वितीय वर्ष ने शानदार मेहंदी लगाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अनेक उत्साही छात्राओं ने लिया हिस्सा

महाविद्यालय में स्नेह सम्मेलन 2024-25 के अंतर्गत मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ.मनोज श्रीवास्तव एवं प्रभारी डॉ.नीता तिवारी के संरक्षण में किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।निर्णायक मंडल मेंअर्थशास्त्र विभाग से डॉ. गीता पांडे, बॉटनी विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ अंजलि मांडवी तथा भूगोल विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ अर्चना नामदेव रही।इस प्रतियोगिता की संयोजक भौतिक शास्त्र विभाग से डॉ. पूजा चौकसे एवं बॉटनी विभाग से डॉ.अंजु कठेल ने अहम योगदान दिया। साथ ही महाविद्यालय के समस्त सदस्यों का योगदान रहा। मेहंदी प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्राओं में द्वितीय स्थान पर कीर्ति कुर्मी द्वितीय वर्ष एवं तृतीय स्थान पर जानकी विश्वकर्मा द्वितीय वर्ष रही।

जियोमिन इंडस्ट्रीज ने किया स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

सिहोरा। जियोमिन इंडस्ट्रीज प्रा.लिमिटेड गोसलपुर ने कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन फैक्ट्री में किया गया जिसका उद्देश्य कार्यबल के बीच स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मध्य प्रदेश सरकार द्वारा टी बी के उपचार एवं रोकथाम हेतु 100 दिवसीय परीक्षण और सामान्य चिकित्सा का कार्यक्रम किया गया जिसमे कि इन बीमारियों की शिविर में हुई जांच और जियोमिन स्वास्थ्य क्लिनिक के सहयोग से कर्मचारियों को एक्सरे चेस्ट और बाल्गम का जाँच की गई ।

इसमें परामर्श सहित कई स्वास्थ्य जांच की गयी। जियोमिन के प्रबंधन दिनेश सिंह ने कहा कि हम अपने कर्मचारियों की भलाई को प्राथमिकता देते हैं। विकासखंड सिहोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रमुख चिकित्सक डॉ. मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अर्शिया खान के द्वारा और अपने प्लांट के डॉक्टर मणिकांत ने कहा कि इस नेक प्रयास में जियोमिन के साथ साझेदारी करना खुशी की बात थी। शिविर में डॉ.संजय मिश्रा मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी,डॉ. संतोष ठाकुर जिला क्षय अधिकारी, मनोज गुप्ता वरिष्ठ उपचार परिवेक्षक एन.टी.ई. पी,देवन्द्र राजपूत स्पुटम कलेक्सन एजेंट,प्रयास मिश्रा,खातिब अंसारी,श्रीमती मुक्ति लता टोपो रेडियोग्राफर का सराहनीय योगदान रहा। जियोमिन के गोसलपुर हेड एचआर अमित ठाकुर के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

श्री राम नरेश उरमलिया- आनंद कुंज गढ़ा निवासी श्री राम नरेश उरमलिया (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नितिन कोरी- छुई मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री कैलाश कोरी के पुत्र श्री नितिन कोरी (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी देवी रावत- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री जीएस रावत की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी रावत (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजकुमार- रिछाई मड़ई निवासी श्री राजकुमार (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती हीरा बाई यादव- बागड़ी मोहल्ला सदर निवासी श्री रामचंद्र यादव की धर्मपत्नी श्रीमती हीरा बाई यादव (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रेवा पटेल- लक्ष्मी गार्डन के पास अधारताल निवासी श्री रेवा पटेल (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम

में संपन्न हुआ।

श्री अन्नी लाल चौधरी- आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री अन्नी लाल चौधरी (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री शिव नारायण प्रजापति- संजय नगर अधारताल निवासी श्री शिव नारायण प्रजापति (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. दीक्षा पासी- संजय नगर सदर निवासी श्री किशन लाल पासी की पुत्री कु. दीक्षा पासी (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती मेनकी पिल्ले- मोतीराम कम्पाउंड सदर निवासी श्री दशरथ पिल्ले की धर्मपत्नी श्रीमती मेनकी पिल्ले (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कल्लू बेन- गली नं. 19, सदर निवासी श्री कुंदन बेन के पुत्र श्री कल्लू बेन (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कीर्ति ठाकुर- जूड़ी तलैया गलगला निवासी श्री सचिन ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती कीर्ति ठाकुर (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज ५०/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

खबर संक्षेप

जनवरी में निर्यात 2.38% घटकर 36.43 अरब डॉलर

नई दिल्ली। देश के निर्यात में लगातार तीसरे महीने गिरावट आई और यह जनवरी महीने में 2.38 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब डॉलर रहा। मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं की वजह से निर्यात घटा है।
वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सालाना आधार पर आयात 10.28 प्रतिशत बढ़कर 59.42 अरब डॉलर रहा। इससे व्यापार घाटा बढ़कर 22.99 अरब डॉलर हो गया।

पटेल इंजीनियरिंग को मिली सिंचाई परियोजना

नई दिल्ली। पटेल इंजीनियरिंग ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने संयुक्त उद्यम (जेवी) भागीदार के साथ मिलकर महाराष्ट्र में 1,090 करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजना हासिल की है। महाराष्ट्र कृष्णा घाटी विकास निगम, पुणे ने पटेल इंजीनियरिंग को उसके संयुक्त उद्यम भागीदार के साथ नीरा देवघर राइट बैंक मुख्य नहर (87 किलोमीटर से 135 किलोमीटर तक) और इसकी वितरिकाओं के लिए पाइपलाइन वितरण नेटवर्क के निर्माण से जुड़े अनुबंध के लिए सबसे कम बोली लगाने वाला (एल-1) घोषित किया है।

कर्नाटक बैंक ने संदिग्ध यूपीआई लेनदेन लौटाया

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के कर्नाटक बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए 18.87 करोड़ रुपये के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के संदिग्ध सीमापार लेनदेन को वापस कर दिया है। यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि इन लेनदेन को संसाधित नहीं किया जा सका। यह बात बैंक द्वारा भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ किए खामियों को दुरुस्त करने के अभ्यास के दौरान सामने आई।

सोने का आयात जनवरी में बढ़कर 2.68 अरब डॉलर

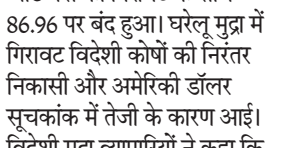

नई दिल्ली। देश में सोने का आयात जनवरी में 40.79 प्रतिशत बढ़कर 2.68 अरब डॉलर रहा है। मुख्य रूप से घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात बढ़ा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले जनवरी, 2024 में सोने का आयात 1.9 अरब डॉलर था। संचयी रूप से चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान सोने का आयात 32 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब डॉलर रहा जो बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में 37.85 अरब डॉलर था।

रुपया आठ पैसे टूटकर 86.96 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ 86.96 पर बंद हुआ। घरेलू मुद्रा में गिरावट विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर सूचकांक में तेजी के कारण आई। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि डॉलर/रुपये जोड़ी के लिए नकारात्मक धारणा है क्योंकि विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं और भारतीय रिजर्व बैंक का समर्थन धीरे-धीरे कम हो रहा है।

देश में पहली 11 एयरबैग्स वाली कार लांच, शुरुआती कीमत 49 लाख से शुरू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीवाईडी सीलियन 7 एसयूवी भारत में चीनी वाहन निर्माता की लेटेस्ट इलेक्ट्रिक पेशकश है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को दो वेरिएंट्स-प्रीमियम और परफॉर्मेंस-में पेश किया जा रहा है, जिनकी कीमत क्रमशः 48.90 लाख रुपए और 54.90 लाख रुपए है। ये सभी कीमतें एक्स-शोरूम हैं। देशभर में ईवी की डिलीवरी 7 मार्च 2025 से शुरू होगी। लांच इवेंट में, कार निर्माता ने खुलासा किया कि उसे अब तक सीलियन 7 के लिए 1,000 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं। ऑफिशियल बुकिंग जनवरी में 2025 भारत मोबिलिटी शो में इस कार के डेब्यू के साथ शुरू हुई, जिसकी बुकिंग राशि 70,000 रुपए थी। कंपनी ने एक खास अर्ली बर्ड ऑफर की भी घोषणा की थी।

- बीवाईडी सीलियन 7 एसयूवी भारत में लांच की गई
- कार की कीमत 48 .90 से 54 .90 लाख के बीच
- अब तक मिल चुकी 1000 से अधिक बुकिंग

इंटीरियर

नई बीवाईडी इलेक्ट्रिक एसयूवी में 15.6 इंच रोटेटेबल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ स्पोर्टी ऑल-ब्लैक केबिन थीम है। नप्पा लेदर अपहोल्स्ट्री, 4-वे लंबर सपोर्ट के साथ 8-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, 6-वे पावर एडजस्टेबल पैसेंजर सीट, वेंटिलेटेड सीट्स, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एक पैनोरमिक ग्लास रूफ और 12-स्पीकर ऑडियो सिस्टम इसके प्रीमियम एक्सपीरिएंस और अपील को और अधिक बढ़ाते हैं।

सेफ्टी फीचर्स

बीवाईडी सिलयन भारत की पहली कार है जिसमें 11 एयरबैग दिए गए हैं। ईवी लेवल 2 एडास सुइट के साथ आता है, जिसमें स्वचालित आपातकालीन ब्रेकिंग, लेन कीप असिस्ट, एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल और बहुत कुछ जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। सुरक्षा किट में 360 डिग्री कैमरा, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, हिल होल्ड कंट्रोल, फ्रंट पैसेंजर और रियर सीटों में आइसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंट और अन्य उन्नत सुविधाएं शामिल हैं।

बैटरी, रेंज

बीवाईडी के नए ई-प्लेटफ़ॉर्म 3.0 पर आधारित, सीलियन 7 82.5केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आता है। सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर और आरडब्ल्यूडी सेटअप वाला प्रीमियम वेरिएंट अधिकतम 308बीएचपी की पावर और 380एनएम का टॉर्क देता है। यह 567 किमी की दावा की गई रेंज का वादा करता है। परफॉर्मेंस ट्रिम में प्रत्येक एक्सल पर एक मोटर और एडब्ल्यूडी (ऑल-व्हील ड्राइव) सिस्टम है। यह वेरिएंट 523बीएचपी की अधिकतम पावर और 690 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। सीलियन 7 परफॉर्मेंस वैरिएंट एक बार चार्ज करने पर 542 किमी की दावा की गई रेंज देता है। यह महज 4.5 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है।

भारत मजबूत व्यापार समझौते पर बातचीत करेगा

भारत, अमेरिका से आठ माह में व्यापार को 500 अरब डॉलर करने को प्रतिबद्ध: गोयल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करने तथा अगले छह से आठ माह में एक 'मजबूत' व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय वाणिज्य को दोगुने से अधिक करते हुए 500 अरब डॉलर करने तथा 2025 तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किस्त पर बातचीत करने की घोषणा की।

गोयल ने कहा कि एक बार उनके अमेरिकी समकक्ष के कार्यभार संभालने के बाद दोनों देश समझौते की रूपरेखा पर चर्चा करेंगे। गोयल ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की भारत-कतर व्यापार मंच बैठक के मौके पर संवाददाताओं से कहा, "...अगले छह से आठ महीनों में एक मजबूत व्यापार समझौता स्थापित करके हम व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

खास बातें

- पीएम मोदी की हालिया अमेरिकी यात्रा का मिलेगा फायदा
- 2030 तक द्विपक्षीय वाणिज्य को दोगुना करने की घोषणा
- दोनों देशों के कारोबारी इस समझौते को लेकर उत्साहित

अमेरिका में अभी समकक्ष से पुष्टि नहीं

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के कारोबारी इस समझौते को लेकर उत्साहित हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या समझौते में वस्तुओं, सेवाओं और निवेश से संबंधित अध्याय होंगे, तो उन्होंने कहा, "अमेरिका में मेरे समकक्ष ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है... (पुष्टि) के बाद, हम बातचीत करेंगे और उसके बाद ही हम आगे का रास्ता तय कर सकते हैं।"

एफटीए में मानदंडों को आसान बनाते हैं

आम तौर पर मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में दो व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को या तो समाप्त कर देते हैं या काफी कम कर देते हैं। इसके अलावा, वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मानदंडों को आसान बनाते हैं।

2023 में भारत का माल निर्यात 83.77 अरब डॉलर था

उस वर्ष, अमेरिका को भारत का माल निर्यात 83.77 अरब डॉलर था, जबकि आयात 40.12 अरब डॉलर था, जिससे भारत के पक्ष में 43.65 अरब डॉलर का व्यापार घाटा रह गया।साल 2023 में अमेरिका को देश का सेवा निर्यात 36.33 अरब डॉलर था, जबकि आयात कुल 29.86 अरब डॉलर था। व्यापार घाटा (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) भारत के पक्ष में 6.47 अरब डॉलर था।

अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

वित्त वर्ष 2021-24 के दौरान, अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। अमेरिका उन कुछ देशों में से एक है जिनके साथ भारत का व्यापार अधिशेष है। वित्त वर्ष 2023-24 में अमेरिका 119.71 अरब डॉलर के माल के द्विपक्षीय व्यापार (77.51 अरब डॉलर का निर्यात, 42.19 अरब डॉलर का आयात और 35.31 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष) के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था।

देश की 28 लाख में से 18 लाख कंपनियां ही सक्रिय

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में पंजीकृत 28 लाख से अधिक कंपनियों में से केवल 65 प्रतिशत यानी 18 लाख से कुछ अधिक कंपनियां सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कंपनियों में से केवल 5,216 विदेशी कंपनियां हैं और जनवरी अंत तक उनमें से 63 प्रतिशत यानी 3,281 इकाइयां सक्रिय थीं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के ताजा आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि पिछले महीने कुल 816.14 करोड़ रुपये की चुकता पूंजी के साथ 16,781 कंपनियां पंजीकृत हुईं। मंत्रालय ने अपने मासिक सूचना बुलेटिन में कहा, 31 जनवरी, 2025 तक देश में कुल 28,05,354 कंपनियां पंजीकृत थीं। इनमें से 65 प्रतिशत (18,17,222) कंपनियां सक्रिय हैं। दिसंबर, 2024 की तुलना में पंजीकृत कंपनियों के मुकाबले सक्रिय कंपनियों के कुल अनुपात में 0.14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।''रिपोर्ट के अनुसार, 9,49,934 कंपनियां बंद हो चुकी हैं। क्षेत्रों के संदर्भ में, सबसे ज्यादा 27 प्रतिशत कंपनियां व्यावसायिक सेवाओं में थी। इसके बाद विनिर्माण (20 प्रतिशत), व्यापार और समुदाय, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाओं (13 प्रतिशत) का स्थान था। सबसे अधिक परिचालन वाली कंपनियां महाराष्ट्र में थीं।

- केवल 65 प्रतिशत कंपनियां ही सक्रिय रूप से काम कर रही

महाराष्ट्र, उप्र व दिल्ली में कंपनियों की संख्या बढ़ी

रिपोर्ट कहती है, "दिसंबर, 2024 की तुलना में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में परिचालन वाली कंपनियों की संख्या में वृद्धि देखी गई है।" मंत्रालय ने कहा, "केंद्र शासित प्रदेशों में, जम्मू- कश्मीर में दिसंबर, 2024 की तुलना में 112 कंपनियों की वृद्धि हुई है।"

एफआईआई की बिकवाली से शेयर बाजार फिर फिसला

एजेंसी ▶▶| मुंबई

विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने और कंपनियों की आय में नरमी से स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। बीएसई सेंसेक्स 29 अंक के नुकसान में रहा, जबकि निफ्टी में 14.20 की गिरावट आई। स्टॉक्स बॉक्स के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक अमेया रणदिवे ने मंगलवार को कहा, ''सेंसेक्स और निफ्टी-50 हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। इसका कारण कंपनियों की आय में नरमी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली है, जिससे बाजार धारणा प्रभावित हुई।'' सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनीलिवर, सन फार्मा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, जोमैटो, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक शामिल हैं।

छोटे शेयरों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप 1.71 प्रतिशत नुकसान में रहा जबकि मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप 0.19 प्रतिशत नीचे आया। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,918 शेयरों में गिरावट रही जबकि 1,032 शेयर लाभ में रहे।

- सेंसेक्स 29 अंक नुकसान में
- निफ्टी में 14 अंक की गिरावट

घरेलू बाजार में मुनाफावसूली

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "एफआईआई की बिकवाली और रुपये पर दबाव के बीच घरेलू बाजार में मुनाफावसूली के साथ हाल की बिकवाली के बाद निचले स्तर पर आये शेयरों में लिवाली, दोनों देखने को मिली। अधिक मूल्यांकन के कारण छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में गिरावट जारी रही।"

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने देश में मुद्रास्फीति कम होने के बीच मंगलवार को अक्टूबर, 2020 के बाद पहली बार अपनी प्रमुख ब्याज दर में कमी की। रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष की अपनी पहली बोर्ड बैठक में नकद दर को एक चौथाई प्रतिशत अंक घटाकर 4.35 प्रतिशत से 4.1 प्रतिशत कर दिया। दिसंबर तिमाही में मुद्रास्फीति सिर्फ 0.2 प्रतिशत और कैलेंडर वर्ष 2024 के लिए 2.4 प्रतिशत बढ़ने के बाद कटौती का व्यापक अनुमान लगाया गया था। दो साल पहले वार्षिक मुद्रास्फीति 7.8 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर थी। बैंक मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत से तीन प्रतिशत के बीच के लक्ष्य दायरे में रखने के लिए ब्याज दरों में हेरफेर करता है। दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में बेरोजगारी दर चार प्रतिशत के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर रही, जो नवंबर में 3.9 प्रतिशत थी।

सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में किया संशोधन

नए कोष का निर्धारित समयसीमा में उपयोग करे एमएफ : सेबी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में संशोधन किया है। इसके तहत परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को नए कोष की पेशकश (एनएफओ) के माध्यम से निवेशकों से प्राप्त राशि का एक निर्धारित समयसीमा में इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। इसके अतिरिक्त, नियामक ने निवेशकों को और अधिक पारदर्शिता प्रदान करने के लिए म्यूचुअल फंड योजनाओं के लिए दबाव परीक्षण का खुलासा अनिवार्य कर दिया है। ये संशोधन एक अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इन उपायों का उद्देश्य निवेशकों के बीच अधिक जवाबदेही और भरोसा सुनिश्चित करते हुए म्यूचुअल फंड परिचालन को मजबूत बनाना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने राशि के उपयोग की समयसीमा के बारे में 14 फरवरी को एक अधिसूचना में कहा, ''एनएफओ में प्राप्त राशि का उपयोग निर्धारित समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है।'' यह संशोधन दिसंबर में सेबी निदेशक मंडल द्वारा एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें कोष प्रबंधकों को एनएफओ के जरिये एकत्र राशि को योजना के तहत निर्धारित परिसंपत्ति आवंटन के अनुसार, उपयोग करने को कहा गया है।

निवेशकों के पास निकलने का विकल्प

नियामक ने कहा था कि यदि निर्धारित समयसीमा के भीतर राशि का उपयोग नहीं किया जाता है, तो निवेशकों के पास बिना कोई निकासी शुल्क दिये योजना से बाहर निकलने का विकल्प होगा। यह रूपरेखा परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को एनएफओ के दौरान अतिरिक्त राशि एकत्र करने से हतोत्साहित करती है।

एबीबी इंडिया का शुद्ध लाभ 54 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। प्रमुख विद्युतीकरण और स्वचालन कंपनी एबीबी इंडिया का दिसंबर तिमाही का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 54 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 532 करोड़ रुपये हो गया। राजस्व बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी के एक बयान में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 345 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। एक साल पहले इसी अवधि के 2,757 करोड़ रुपये की तुलना में समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का राजस्व बढ़कर 3,365 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही में कुल ऑर्डर एक साल पहले 3,147 करोड़ रुपये से घटकर 2,695 करोड़ रुपये का रह गया। कंपनी ने जनवरी से दिसंबर के वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। कंपनी ने कैलेंडर वर्ष (जनवरी से दिसंबर 2024) में 1,875 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष के 1,248 करोड़ रुपये से अधिक है।

एनटीपीसी ने दिया 2,424 करोड़ का अंतरिम लाभांश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी ने मंगलवार को कहा कि उसने मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए अपने शेयरधारकों को 2,424 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अंतरिम लाभांश दिया है। एनटीपीसी ने बयान में कहा कि यह नवंबर, 2024 में दिए गए 2,424 करोड़ रुपये के पहले अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। इस बार 18 फरवरी को दिया गया 2,424 करोड़ रुपये का लाभांश कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 25 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने अबतक कुल 8,000 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है, जिसमें सितंबर, 2024 में दिया गया वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 3,152 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश शामिल है। यह लगातार 32वां वर्ष है, जब एनटीपीसी ने लाभांश का भुगतान किया है।

भर्ती में व्यवसाय संचालन विश्लेषक व ग्राहक सहायता विशेषज्ञ शामिल

टेस्ला ने भारत में शुरू की भर्ती, ईवी बाजार में प्रवेश के संकेत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता टेस्ला ने भारत में विभिन्न पदों के लिए भर्तियां शुरू की हैं। इनमें व्यवसाय संचालन विश्लेषक और ग्राहक सहायता विशेषज्ञ शामिल हैं, जो कंपनी के देश में प्रवेश के लिए एक अग्रदूत हो सकता है। कंपनी की वेबसाइट पर भर्ती वाली नौकरी की अधिसूचना के अनुसार, ये पद 'मुंबई उपनगरीय' क्षेत्र के लिए हैं। इन भूमिकाओं में सेवा सलाहकार, 'पार्ट्स' सलाहकार, सेवा तकनीशियन, सेवा प्रबंधक, बिक्री एवं ग्राहक सहायता, स्टोर प्रबंधक, बिक्री एवं ग्राहक सहायता शामिल है।

- अधिसूचना के अनुसार, ये पद 'मुंबई उपनगरीय' क्षेत्र के लिए

ये पद भी शामिल

इसके अलावा व्यवसाय संचालन विश्लेषक, ग्राहक सहायता पर्यवेक्षक, ग्राहक सहायता विशेषज्ञ, वितरण संचालन विशेषज्ञ, ऑर्डर संचालन विशेषज्ञ, आंतरिक बिक्री सलाहकार और उपभोक्ता सहभागिता प्रबंधक शामिल हैं।

भारत ने हाल ही में आयात शुल्क में दी रियायत

उनकी भारत यात्रा की योजना ऐसे समय में बनी है जब कुछ सप्ताह पहले ही सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति की घोषणा की है जिसके तहत 50 करोड़ डॉलर के न्यूनतम निवेश के साथ देश में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने वाली कंपनियों को आयात शुल्क में रियायत दी जाएगी। इस कदम का उद्देश्य टेस्ला जैसी प्रमुख वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करना है।

अभी कोई समयसीमा तय नहीं

कंपनी को ई-मेल कर पूछा गया कि ये भर्तियां कंपनी की भारतीय बाजार में प्रवेश की योजना का हिस्सा हैं तथा भारत में बिक्री शुरू करने की संभावित समयसीमा क्या है। हालांकि, फिलहाल इस प्रश्न का उत्तर नहीं मिला।

भारत में प्रवेश का बेसब्री से इंतजार

टेस्ला द्वारा भारत में नियुक्तियां कंपनी के संस्थापक और अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हाल ही में हुई बैठक के बाद हुई हैं। भारतीय बाजार में टेस्ला के संभावित प्रवेश का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

पिछले साल प्रस्तावित भारत यात्री की थी रद्द

पिछले अप्रैल में, एलन मस्क ने 'बहुत भारी टेस्ला दायित्वों' का हवाला देते हुए आखिरी समय में भारत की अपनी प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी थी। हालांकि, प्रस्तावित यात्रा से उम्मीदें बढ़ गई थीं कि मस्क जल्द से जल्द भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री के लिए आगे की योजना की घोषणा करेंगे।

आईपीओ लाने की तैयारी में जुटी एनएसई का मूल्यांकन 200% बढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही एनएसई का मूल्यांकन 2024 में 201 प्रतिशत बढ़कर 4.7 लाख करोड़ रुपये हो गया है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। भारत के सबसे बड़े शेयर बाजार एनएसई ने बाजार नियामक सेबी से आईपीओ की मंजूरी पाने के लिए आवेदन किया है। बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की 500 सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों की सूची के अनुसार, एनएसई देश की 10वीं सबसे मूल्यवान निजी कंपनी है। सितंबर, 2024 की रिपोर्ट के अनुसार इसका मूल्यांकन 3.12 लाख करोड़ रुपये आंका गया था।

- रिपोर्ट के अनुसार मूल्यांकन बढ़कर 4 .7 लाख करोड़ रुपए

टाटा संस का मूल्यांकन 37 फीसदी बढ़ा

रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा संस का मूल्यांकन 37 प्रतिशत बढ़कर 32.27 लाख करोड़ रुपये हो गया। हुरुन के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा कि इस साल शीर्ष 500 कंपनियों में पहुंची अंतिम कंपनी का मूल्य 9,580 करोड़ रुपये था। पहली बार सूची में शामिल सभी कंपनियों का मूल्य एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक था।

चिंतन

यूक्रेन के बिना यूएस-रूस वार्ता सिरे नहीं चढ़ेगी

कूटनीति
डॉ. एन.के. सोमानी

अमेरिका का ट्रंप प्रशासन शायद जल्दी में है। रूस व यूक्रेन जंग समाप्त कराने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने की जल्दी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने सीधे रूस के साथ वार्ता-ए-आगाज की है। रूस व यूक्रेन के बीच शांति कायम करने के लिए यह वार्ता सऊदी अरब में हो रही है। चौंकाने वाली बात है कि युद्ध के अहम भागीदार यूक्रेन को इस वार्ता में शामिल ही नहीं किया गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस वार्ता को लेकर नाराजगी जताई है और दोनों को साफ संदेश दिया है कि यूक्रेन वार्ता के किसी निर्णय को नहीं मानेगा। बड़ा सवाल है कि युद्ध यूक्रेन व रूस के बीच है, इसलिए वार्ता का पहला हक इन दोनों मुल्क को है। आखिर अमेरिका किस हैसियत से यह वार्ता कर रहा है? यूक्रेन ने न ही उसे अपना वार्ताकार नियुक्त किया है व न ही उसे मध्यस्थता के लिए कहा है। तो अमेरिका कहां खड़ा है? यदि अमेरिका रूस का मन टटोलने के लिए बात कर रहा है, तो उसने यूक्रेन को विश्वास में क्यों नहीं लिया? यूक्रेन अगर इस वार्ता के नतीजे को नहीं मानेगा तो आखिर इस वार्ता का औचित्य क्या रह जाएगा? हड़बड़ी में की गई अमेरिकी पहल से यह संदेश निकल रहा है कि यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाने में व साथ निभाने में अमेरिकी हाथ रहा है। अब अमेरिका यूक्रेन को अपने हाल पर छोड़ने की जल्दी में है। यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर रूस को सबक सिखाने की अमेरिकी मंशा पर पानी फिरता दिख रहा है। ट्रंप से पहले की डेमोक्रेट सरकार की नीति रूस को अलग-थलग करने की थी, इसलिए खुले तौर पर यूक्रेन का साथ यूएस दे रहा था। अब ट्रंप प्रशासन दुनिया के पटल पर रूस को अलग-थलग करने की अमेरिकी नीति को बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसी क्रम में वह वार्ता कर रहा है, किंतु यूक्रेन को विश्वास में लेकर भी यह पहल अमेरिका कर सकता था। माह के शुरू में ट्रंप ने यूक्रेन और रूस के प्रति अमेरिकी नीति को बदल दिया था। अच्छा होता अमेरिका वार्ता टेबल पर रूस व यूक्रेन के साथ होता, जो भी बात होती, उसमें पारदर्शिता होती। यूक्रेन की संप्रभुता की अनदेखी करके कोई भी शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती है। अतीत में कई उदाहरण हैं, जिसमें एक पक्षकार के बिना अंतरराष्ट्रीय मुद्दे सुलझाने की पहल औंधे मुंह गिरी है। अफ्रीकी महाद्वीप के बंटवारे के लिए वर्ष 1884-1885 की सर्दियों में जर्मनी ने यूरोप के शक्तिशाली देशों के साथ वार्ता की थी, पर इसमें अफ्रीका का कोई देश शामिल नहीं था। नतीजा 20वीं सदी का पहला नरसंहार व अत्याचार के रूप में निकला था। समोआ को लेकर जर्मनी, ब्रिटेन व अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय सम्मेलन में समोआ शामिल ही नहीं था। समोआ आज भी बंटा हुआ है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश और फ्रांसीसी प्रतिनिधि के बीच ऑटोमन साम्राज्य के बंटवारे को लेकर साइक्स-पिकॉट समझौता हुआ, इसमें ऑटोमन शामिल नहीं था। ब्रिटेन व जर्मनी के बीच चेकोस्लोवाकिया को लेकर म्यूनिख समझौता को विश्वासघात के रूप में देखा जाता है। वर्ष 1938 में फ्रांस समेत 32 देशों ने जर्मनी में यहूदी शरणार्थियों की स्थिति पर एवियन सम्मेलन किया, जिसमें जर्मनी शामिल नहीं था। पोलैंड को लेकर जर्मनी व सोवियत संघ के बीच समझौता में पोलैंड शामिल नहीं था। वर्ष 1945 में अमेरिका, ब्रिटेन व सोवियत रूस के बीच यूरोप के भाग्य के फैसले को लेकर याल्ट सम्मेलन हुआ, जिसमें प्रभावित कोई मुल्क नहीं था। इसलिए अमेरिका को अतीत से सबक लेते हुए शांति वार्ता में रूस व यूक्रेन दोनों को शामिल करना चाहिए।

गाजा पर ट्रंप के बयान से हलचल

> अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्हाइट हाउस में एक प्रेस-कांफ्रेंस में गाजा के भविष्य को लेकर एक योजना प्रस्तुत की। ट्रंप ने कहा कि फिलीस्तीनी जनता को दूसरे देशों में स्थानांतरित कर गाजा को लग्जरी रिजॉर्ट में तब्दील किया जाएगा, जहां दुनिया का कोई भी व्यक्ति आ सकेगा। ट्रंप ने कहा कि वो युद्ध में तबाह हुए गाजा का पुनर्निर्माण करेंगे। पुनर्निर्माण का कार्य पूरा होने तक गाजा के लोगों को दूसरे अरब देश में बसाया जाएगा। अरब देश इसलिए भी हतप्रभ हैं, क्योंकि उन्होंने परियोजना को वास्तविकता का जामा पहनाने के लिए सेना भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया।

पिछले दिनों जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पर नियंत्रण कर उसे लग्जरी पर्यटन केंद्र (मध्यपूर्व का रिवेरा) के रूप में तब्दील करने का ऐलान किया तो पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया में कूटनीतिक हलचल पैदा कर दी। मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर फिलिस्तीन अथॉरिटी और अरब लीग ने संयुक्त रूप से ट्रंप की इस योजना की आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका गाजा पर कब्जा करता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरिता को खतरा हो सकता है और संघर्ष और बढ़ सकता है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी ट्रंप के बयान की आलोचना की। उनका कहना है कि गाजा पर समाधान की खोज में किसी भी प्रकार के जातीय सफाए से बचना आवश्यक है। अब मिस्र भी कूद गया है।

गुटेरेस के बयान से साफ है कि ट्रंप की इस योजना से क्षेत्रीय शांति पर असर पड़ सकता है। दरअसल, कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्हाइट हाउस में एक प्रेस-कांफ्रेंस में गाजा के भविष्य को लेकर एक योजना प्रस्तुत की। ट्रंप ने अपनी योजना को दुनिया के सामने रखते हुए कहा कि फिलीस्तीनी जनता को दूसरे देशों में स्थानांतरित कर गाजा को लग्जरी रिजॉर्ट में तब्दील किया जाएगा, जहां दुनिया का कोई भी व्यकित आ सकेगा। ट्रंप ने योजना का खुलासा करते हुए यह भी कहा कि वो युद्ध में तबाह हुए गाजा का पुनर्निर्माण करेंगे। पुनर्निर्माण का कार्य पूरा होने तक गाजा के लोगों को दूसरे अरब देश में बसाया जाएगा। ट्रंप की परियोजना से अरब देश इसलिए भी हतप्रभ हैं, क्योंकि उन्होंने परियोजना को वास्तविकता का जामा पहनाने के लिए सेना भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। ट्रंप मूल रूप से एक अरबपति बिल्डर हैं। वो कारोबार की दुनिया से राजनीति में आए हैं। इसलिए जब गाजा के पुनर्निर्माण की बात आई तो उन्होंने यह कह दिया कि अगर गाजा को फिर से बसाना है तो उसके नागरिकों को मलबे में शरण नहीं देनी चाहिए। लेकिन 15 महीनों के युद्ध में जिस तरह से गाजा तबाह हुआ है उसे देखते हुए गाजा के पुनर्निर्माण में दशकों का समय लगेगा। यूएन के आंकड़ों के अनुसार इस समय गाजा में जितना कचरा जमा है उसे हटाने में कम से कम 21 साल का समय लग सकता है। उसका कहना है कि गाजा में 2008 से अब तक हुए संघर्ष में जितना मलबा पैदा हुआ है, उससे 17 गुना अधिक कचरा पिछले 15 महीने के युद्ध में हो गया है।

ऐसे में पहले तो बिना फटे हथियारों और मलबे के पहाड़ों को हटाना होगा। पानी-बिजली की सप्लाई बहाल करनी होगी। इसके बाद स्कूलों, अस्पतालों व दूसरे इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने होंगे। इस काम में कई साल लग सकते हैं। इसलिए ट्रंप चाहते हैं कि जब तक गाजा के पुनर्निर्माण का काम पूरा हो, तब तक फिलिस्तीनियों को कहीं दूसरी जगह जाना चाहिए। सवाल यह है कि जिस जमीन को लेकर बीते सवा साल में 50 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों ने अपनी जान गंवा दी, उसे छोड़ने के लिए वे कैसे राजी हो सकते हैं।

पूरे मामले का सूक्ष्म अवलोकन करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की पूरी परियोजना ही न केवल सवालों और संदेह के घेरे में है, बल्कि पूरी तरह से हवा-हवाई, अनैतिक और कानूनी पेचिदगियों से भी भरी हुई

है। पहला और सबसे अहम सवाल तो यह है कि इजरायल-हमास शांति समझौते के बीच उद्घोषित इस योजना को लागू करने का अर्थ क्या मीडिल ईस्ट को लेकर अमेरिकी नीति में आए बदलाव का संकेत है। अब तक अमेरिका 'टू-स्टेट सॉल्यूशन'को मान्यता देता था। वह इजरायल के साथ-साथ एक स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीन राष्ट्र का समर्थक रहा है। गाजा में फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने से क्या फिलिस्तीनी राज्य का दर्जा खत्म नहीं हो जाएगा। क्या ट्रंप की परियोजना अमेरिका पोषित 'द्वी राष्ट्रवाद' के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं है। दूसरा जिस तरह से फिलिस्तीनियों के विस्थापन की बात कही जा रही है, क्या उससे हमास-इजरायल शांति समझौता लागू होने से पहले ही खत्म नहीं हो जाएगा। नेतन्याहू के साथ बैठक से पहले ट्रंप कह चुके हैं कि उनके पास कोई गारंटी नहीं है कि गाजा में मौजूदा युद्धविराम समझौता कायम रहेगा। ऐसे में गाजा में बंधकों की रिहाई की उम्मीद क्या फिर खत्म हो जाएगी। तीसरा, योजना को उद्घाटित करने से पहले क्या ट्रंप ने गाजा की राजनीतिक, ऐतिहासिक और सुरक्षा संबंधी जटिलताओं पर भी कोई होमवर्क किया है। परियोजना पर अमेरिकी समर्थक अरब राष्ट्र भी विश्वास के लिए तैयार नहीं है। उनके संदेह के भी जायज कारण है। जिस तरह से ट्रंप ग्रीनलैंड को खरीदने, कनाडा को अमेरिका में मिलाने, मैक्सिकों की खाड़ी का नाम बदलने और पनामा नहर पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं उससे भी ट्रंप की 'सदइच्छा' पर संदेह होता है। संदेह की दूसरी बड़ी वजह बेंजामिन नेतन्याहू का 'ग्रेटर इजरायल' का सपना भी है। कहीं ऐसा तो नहीं कि गाजा के पुनर्निर्माण का काम पूरा होने के बाद ट्रंप सजा-संवरा गाजा इजरायल को सौंप दे। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अमेरिका किस कानूनी आधार पर गाजा में इस तरह का कदम उठा सकता है। अंतरराष्ट्रीय कानून में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जिसके आधार पर बड़ी आबादी को जबरन विस्थापित किया सकता हो। गाजा फिलिस्तीनियों का घर है। 1948 के युद्ध के दौरान भी वे विस्थापन की पीड़ा भुगत चुके हैं, इसलिए जाहिर है कि ट्रंप की योजना कानूनी और नैतिक दोनों ही दृष्टि से उचित नहीं हैं। अरब नेताओं ने दशकों तक फिलिस्तीनी राष्ट्रीय मुद्दे को अपनी राजनीति के केंद्रीय तत्व के रूप में रखा है। ट्रंप की योजना अरब राजनीति की इस केन्द्रीय तत्व को भी कमजोर करती है। फिलिस्तीनियों को जबरन दूसरी जगह भेजने की योजना न केवल टू-स्टेट सॉल्यूशन को खत्म करेगी बल्कि इसे अरब देशों द्वारा जातीय सफाए के रूप में भी देखा जाएगा।

जैसा कि यूएन महासचिव कर रहे हैं। योजना के पटाक्षेप के बाद जिस मुखरता से अरब देशों ने इसका विरोध किया है, उससे जाहिर है वे ट्रंप के प्रस्ताव को स्वीकार करने के मूड में कतई नहीं है। ट्रंप की योजना पश्चिम एशिया में अमेरिका की सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने और मिडिल ईस्ट के देशों पर कड़ी नजर रखने (खासकर ईरान) का प्रयास भी हो सकती है। इसके अलावा लाल सागर पर भी अमेरिका अपना प्रभाव कायम करने की मंशा रखता है जिससे उसे अंतरराष्ट्रीय जल मार्ग पर बढ़त हासिल हो सके। हूती जैसे संगठनों पर लगाम लगाने के लिए भी यह योजना कारगर साबित हो सकती है। गाजा पर कब्जा कर वह हूती के गढ़ यमन पर भी अपनी पकड़ मजबूत कर सकते हैं। संदेह के तमाम कारणों के बीच अरब राष्ट्रों को जो सवाल सबसे ज्यादा परेशान कर रहा है वह यह कि क्या यह ट्रंप का महज एक विवादित बयान है या इसके पीछे कोई गंभीर रणनीति छिपी हुई है। कहीं ऐसा तो नहीं कि ट्रंप अपनी इस योजना के जरिए पश्चिमी हितों को पूरा करने के लिए अरब शासन के विघटन का कोई नुस्खा दे रहे हैं।

(लेखक एमजेजीसी सूरतगढ़ (राजस्थान) में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

काशी तमिल संगमम

सुभाष चन्द्र

विश्वनाथ के साथ भारती का घर भी बन गया तीर्थ

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 फरवरी, 2025 को काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण का औपचारिक उद्घाटन किया। पतित पावनी गंगा के तट पर नमो घाट पर दो संस्कृतियों के मिलन को सहज ही समझा जा सकता है। तमिलनाडु से संगमम में शामिल होने के लिए जो भी जत्था आता है, वो पहले गंगा में स्नान करता है। मंदिरों में पूजन-परिक्रमा आदि करता है। बाबा विश्वनाथ का आशीष लेता है। साथ ही हनुमान घाट स्थित स्वतंत्रता सेनानी और प्रख्यात कवि सुब्रह्मणयम भारती के घर जरूर जाता है। दरअसल, सनातन धर्म में मोक्ष की कामना लिए हर व्यक्ति अपने जीवनकाल में एक बार काशी आना चाहता है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी। यहां आदिदेव महादेव विराजते हैं। पुराणों और वैदिक ग्रंथों में इस नगरी की काफी महत्ता बताई गई है। विदेशी भी यहां घूमने आते रहे हैं। उत्तरवाहिनी गंगा के किनारे बसा यह नगर हमेशा से लोगों को आकर्षित करता रहा है। हाल के दिनों में यहां एक नया तीर्थ बन गया है। वह तीर्थ है - स्वतंत्रता सेनानी और प्रख्यात कवि सुब्रह्मणयम भारती का घर। यूं तो तमिलनाडु से आने वाले अधिकतर लोग हनुमान घाट और केदार घाट पर गंगा में स्नान करते हैं। यहां से वह कई मठों में पूजा अर्चना करते हैं। उसके बाद बाबा विश्वनाथ का दर्शन करते रहे हैं। लेकिन, काशी तमिल संगमम के आयोजन से हनुमान घाट पर शंकर मठ के सामने स्थित सुब्रह्मणयम भारती का घर स्वयमेव तीर्थ बन गया है। हर खास और आम उनकी देहरी को नमन करना चाहता है, जहां सुब्रह्मणयम भारती ने अपना लगभग पूरा जीवन बिता दिया। असल में, केदार घाट और हनुमान घाट को काशी में मिनी तमिलनाडु कहते हैं। यहां सैकड़ों तमिल परिवार सदियों से निवास करते हैं। यहां इनकी पूरी संस्कृति दिखती है। पं. वेंकट रमण घनपाठी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु का गहरा रिश्ता है। ये समागम महज एक पखवाड़े का नहीं सदियों पुराना है। तमिल भाषा के महाकवि सुब्रमण्यम भारती ऐसे साहित्यकार थे, जो सक्रिय रूप से 'स्वतंत्रता आंदोलन' में शामिल रहे, जबकि उनकी रचनाओं से प्रेरित होकर दक्षिण भारत में आम लोग आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े। ये ऐसे महान कवियों में से एक थे, जिनकी पकड़ हिंदी, बंगाली, संस्कृत, अंग्रेज़ी आदि कई भाषाओं पर थी, पर तमिल उनके लिए सबसे प्रिय और मीठी भाषा थी। उनका 'गद्य' और 'पद्य' दोनों विधाओं पर समान अधिकार था। इन्हें महाकवि भरतियार के नाम से भी जाना जाता है। इनकी देश प्रेम की कविताएं इतनी श्रेष्ठ हैं कि इन्हें भारती उपनाम से ही पुकारा जाने लगा। सुब्रह्मणयम भारती का मानना था कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा रहे। स्वतंत्र रूप से सोचना-विचारना केवल मातृभाषा के माध्यम से ही संभव हो सकता है और उसी राष्ट्र की शिक्षा प्रणाली सफल हो सकती है, जो मातृभाषा के माध्यम से दी जाएगी। विलायती भाषा द्वारा पढ़ाई से राष्ट्रभाषा मन्द पड़ने लगेगी और कालान्तर में मिट ही जाएगी। आज की शिक्षा मस्तिष्क के विकास की है, जबकि मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिए आत्मा का विकास महत्वपूर्ण है। हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है, जिसके द्वारा हम अपने अतीत के साथ न्याय करते हुए भविष्य की मांग के अनुरूप बन सकें। सुप्रसिद्ध कवि सुब्रह्मण्य भारती की प्रारंभिक कविताओं में तमिल राष्ट्रवाद का उल्लेख मिलता है, किन्तु स्वामी विवेकानंद के प्रभाव में आने के बाद उनकी जीवन के उत्तरार्ध में लिखी कवितायें भारतीय हिन्दू राष्ट्रवाद का गुणगान करती हैं। उन्होंने अपनी आत्मकथा में स्वीकार किया कि यह परिवर्तन उनकी गुरु भगिनी निवेदिता और स्वामीजी के कारण उत्पन्न हुआ। भारती का प्रिय गान बंकिम चन्द्र का 'वन्दे मातरम्' था। 1905 में काशी में हुए 'कांग्रेस अधिवेशन' में सुप्रसिद्ध गायिका सरला देवी ने यह गीत गाया। भारती भी उस अधिवेशन में थे। मद्रास लौटकर भारती ने उस गीत का उसी लय में तमिल में पद्यानुवाद किया, जो आगे चलकर तमिलनाडु के घर-घर में गूंज उठा।

'अन्न चत्रम आथिरम वैत्तल आलयम पतिनारियम नाट्टल
अन्न याविलुम पुण्यम कोड़ो आंकोर एवैकु एलुत्तरिवित्तल'

यह उद्गार हैं, सुब्रह्मण्य भारती के, जो हर तमिल पाठक के हृदय में वास करते हैं। शिक्षा दान को सर्वोपरि मानने वाले भारती केवल एक लेखक या कवि ही नहीं, एक स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक भी थे। उनके विचारों और लेखन में अपने समय से बहुत आगे की सोच थी। वे कथनी और करनी के बीच अंतर नहीं रखते थे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है

संकलित
दर्शन

योग प्रकृति की स्वतः स्फूर्त प्रक्रिया है। योग के ही चलते मां के गर्भ में आना और जीवन धारण करना संभव होता है। उसके बाद जन्म लेते ही सांसारिक-योग आरंभ होता है। घर-परिवार और समाज के साथ योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है तथा जीवन के समापन पर फिर प्रकृति के साथ तादात्म्य बनाकर विलीन होना भी योग है। ऋषियों ने प्रकृति की गूंज सुनकर उसमें त्रिस्तरीय योग का जो स्वरूप देखा उसमें 'ऊं' शब्द दिखाई पड़ा। इस 'ऊं' में 'अ', 'उ' और 'म' का योग है। गर्भ में अस्तित्व में आना 'अ', जन्म के बाद उत्थान 'उ' तथा मृत्यु 'म' का संयुक्त होना भी योग है। ऋषियों ने अंतिम अक्षर 'म' को हलंत कर आधा इसलिए कर दिया, क्योंकि मनुष्य की मृत्यु पूरी नहीं होती। पंच भौतिक शरीर प्राकृतिक पदार्थों के साथ योग कर पुनः अनंत में विलीन हो जाता है, जबकि आत्मा जीवंत रहता है और पुनः नए शरीर के साथ योगभाव में आता है। प्राकृतिक योग को भी देखा जाए तो क्षिति तत्व धरती के साथ योगनिष्ठ होकर धरती में मिल जाता है, अग्नि आकाश की ओर अपने देही सूर्य के साथ योग करने को ऊपर की ओर उठती है तो जल, जल के साथ, वायु, वायु के साथ तथा गगन तत्व शून्य के साथ योग-भाव में हो जाता है। इस तरह देखा जाए तो कदम-कदम पर योग का प्रकट भाव दिखाई पड़ता है। मानव शरीर के अंदर और बाहर जो योग हो रहा है, उसे नियमित जीवन में अपनाकर कोई भी व्यक्ति उर्ध्वमुखी जीवन प्राप्त कर सकता है।

काम शुरू करने से ज्यादा है काम करते रहना

संकलित
प्रेरणा

एक प्राचीन कथा के मुताबिक, ब्रह्मा और विष्णु ने शिवलिंग के मस्तक और पैरों की खोज शुरू की। ब्रह्मा को शिव का मस्तक ढूंढने का और विष्णु को शिव के पैर ढूंढने का कार्य सौंपा गया। सभी देवता इसके आरंभ और अंत के विषय में जानने के लिए उत्सुक थे। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा आरंभ की और वे आगे बढ़ते गए। कई लोक पीछे छूट गए और कई युग बीत गए। फिर भी ब्रह्मा शिव के मस्तक का पता नहीं लगा पाए। सृष्टि का एक अंत है। सृजन एक बिंदु पर समाप्त होता है। ब्रह्मा ने अपनी यात्रा उसके बाद भी जारी रखी। उन्होंने एक केतकी का पुष्प देखा जो आकाश से नीचे आ रहा था। ब्रह्मा ने केतकी पुष्प से पूछा, 'तुम कहां से आ रहे हो? क्या तुमने शिव का मस्तक देखा है? यहां से शिव का मस्तक कितनी दूर है?'केतकी पुष्प ने कहा, 'मैं शिव के मस्तक से आ रहा हूं।' तो ब्रह्मा ने निष्कर्ष निकाला कि शिव का एक मस्तक था और वे पुष्प लेकर नीचे आए। विष्णु का कार्य शिव के पैरों की खोज करना था। ऐसा कहा जाता है कि विष्णु बहुत विनम्र हैं। पालनकर्ता को हमेशा बहुत विनम्र होना चाहिए। रचयिता जैसा भी हो, यदि पालनकर्ता विनम्र हो, तभी पालन कार्य संभव है। व्यवसाय आरंभ करना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन आपको व्यवसाय चलाने के लिए बहुत सतर्क, बहुत विनम्र रहना पड़ेगा, अन्यथा व्यापार डूब जाएगा। विष्णु की विनम्रता ने ही उन्हें शिव के चरणों को ढूंढने का कार्य करने योग्य बनाया। युगों तक यात्रा करने के बाद, विष्णु शिव के चरणों को ढूंढने में सक्षम नहीं हुए।

सटाका

आज की पाती

महंगाई को मिलकर नकेल दें सरकारें

देश के लोग इस वक्त महंगाई से त्रस्त हैं। सरकार को महंगाई रोकने के अपने वादों को पूरा करना चाहिए। अकसर यह देखा जाता है कि चुनाव के दौरान भारी भरकम वादे किए जाते हैं, लेकिन उन वादों को निभाया नहीं जाता है। केंद्र की वर्तमान सरकार ने भी चुनाव के दौरान महंगाई पर नकेल कसने का वादा किया था, लेकिन वह इस वादे को पूरा नहीं कर पाई है। प्रायः हर प्रदेश में खाद्य पदार्थों के दाम ऊपर ही जा रहे हैं। आटा, चावल, सब्जियां, तेल, दालों आदि के भाव अपनी ऊंचाई पर हैं। फलों के दाम भी बढ़ते ही जा रहे हैं। महंगाई को बढ़ने से रोकने के लिए केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों को भी कदम उठाने चाहिए। यह एक सामूहिक दायित्व है।

– पवन खेड़ा, महासमुंद

करंट अफेयर

दक्षिणी लेबनान के ग्रामीण घर लौटने की तैयारी में

इजराइली सेनाएं मंगलवार को दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती गांवों से वापस लौट गईं। यह वापसी अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम समझौते में तय समय सीमा के अंतर्गत हुई, जिसके साथ ही इजरायल-हिजबुल्लाह के बीच नवीनतम युद्ध समाप्त हो गया। लेबनानी सैनिक उन इलाकों में पहुंच गए हैं जहां से इजरायली सैनिक वापस चले गए थे और उन्होंने इजराइली सेना द्वारा लगाए गए अवरोधों को हटाना शुरू कर दिया है। साथ ही वे बिना विस्फोटकों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने गांवों की ओर जाने वाली मुख्य सड़क को बंद कर दिया ताकि किसी को भी अंदर जाने से रोका जा सके। ऐसा सेना द्वारा वहां मौजूद विस्फोटकों की तलाश कर उन्हें नष्ट करने के मद्देनजर किया गया है। गांव के अधिकांश लोग अपने घरों की जांच करने के लिए सड़क के किनारे अनुमति का इंतजार कर रहे थे, लेकिन कुछ लोग सड़क के अवरोधकों को हटाकर अंदर चले गए। हालांकि, इजरायली सैनिक लेबनान के अंदर पांच रणनीतिक निगरानी बिंदुओं पर बने हुए हैं। यह लेबनानी अधिकारियों और उग्रवादी गुट हिजबुल्लाह समूह के लिए एक गंभीर मुद्दा है, जिन्होंने कहा है कि इजरायल को मंगलवार तक पूरी तरह से वापस लौटना होगा।

ऑफ बीट

पृथ्वी से बाहर खनन की होड़ ने पकड़ा जोर

जैसे-जैसे अंतरिक्ष अन्वेषण और उपनिवेशीकरण का विस्तार होगा, पृथ्वी से बाहर के संसाधन तेजी से बढ़ता एक बाजार बनाएंगे। अंतरिक्ष में गहराई से खोज करने और अन्य ग्रहों पर उपनिवेश स्थापित करने का अभियान पिछले दशक में तेज हो गया है। विषम वातावरण में भी मूल्यवान संसाधन और खनिज प्राप्त करना लंबे समय से मनुष्यों के लिए आकर्षक रहा है। बहुमूल्य संसाधनों की तलाश में खतरों का सामना करने का हमारा इतिहास रहा है। 1800 के दशक में सोने की दौड़ से लेकर अंतरिक्ष संसाधनों में हालिया उछाल तक, मनुष्य दुर्लभ और लाभदायक सामग्रियों को खोजने और इकट्ठा करने के लिए जोखिम उठाने को तैयार रहा है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, हम सोने की अगली दौड़ के मुहाने पर हैं - लेकिन पृथ्वी पर नहीं। हाल की वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग सफलताओं और व्यावसायिक हितों के आधार पर, अगले दशक में पृथ्वी से बाहर खनन शुरू होने की उम्मीद है। संभावित खनन स्थलों में चंद्रमा, मंगल, क्षुद्रग्रह और यहां तक कि धूमकेतु भी शामिल हैं। अनुमान है कि 2050 तक चंद्रमा पर खनन, विशेष रूप से चंद्रमा पर मौजूद जल का बाजार अरबों डॉलर तक का हो सकता है।

ट्रेंड

विवादित बातों का निषेध

छत्रपति संभाजी महाराज इनको लेकर विकिपीडिया पर लिखी गई विवादित बातों का हम निषेध करते हैं, राज्य सरकार ने आईजी साइबर को विकिपीडिया से बात कर विवादित बातों को हटाकर सही जानकारी प्रेषित करने का आदेश दिया है।

-देवेन्द्र फड़नवीस, सीएम, महाराष्ट्र

मतदाताओं की चिंता

भारत के मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाकर, मोदी सरकार ने हमारी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता पर करोड़ों मतदाताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है। नई सीईसी का चयन करने के लिए आधी रात को निर्णय लेना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के लिए अपमानजनक और असभ्य दोनों है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

शहीदों का महत्व

ये बेहद निंदनीय और अशोभनीय है कि देश के लिए शहीद होने से अधिक महत्व किसी और को दिया जा रहा है। जिन्होंने न आजादी दिलाने में कोई भूमिका निभाई, न ही आजादी बचाने में वो शहीदों का महत्व क्या जाने।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

मल्टीटास्किंग मजेदार

मैं हमेशा अच्छी चीजें करने वाले अच्छे लोगों के साथ मिलती हूं... जब आप हंसते हैं, काम करते हैं और बुनाई करते हैं तो मल्टीटास्किंग मजेदार होती है!

-काजोल, अभिनेत्री

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

भोपाल में जीआईएस में होगी प्रवासी समिट, 15 से ज़्यादा देशों से 500 प्रतिनिधि होंगे शामिल

यूके, दुबई, हांगकांग, सिंगापुर और जापान से बड़े प्रतिनिधि मंडल आएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में पहली बार आयोजित होने जा रहे "इन्वेस्ट मप्र-ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025" में पहली बार प्रवासी मप्र समिट का भव्य आयोजन 25 फरवरी 2025 को किया जाएगा। इस वैश्विक मंच पर मप्र के प्रवासी उद्योगपतियों और निवेशकों की विशेष भागीदारी होगी। इस सम्मेलन में दुनिया भर के प्रवासियों 'फ्रेंडस ऑफ एमपी' समूह के सदस्य शामिल होंगे।

प्रवासी भारतीयों को अपनी जड़ों से जोड़ने का मौका

इसमें 15 से अधिक देशों से मप्र के 500 से अधिक प्रवासी भारतीय प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिनमें यूके, दुबई, हांगकांग, सिंगापुर और जापान जैसे देशों से महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। प्रवासी मप्र समिट-2025 न केवल प्रदेश में निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रवासी भारतीयों को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक सुनहरा अवसर भी प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह आयोजन मप्र को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाने में सहायक होगा।

प्रवासी भारतीय से प्रदेश में निवेश का आह्वान

इस ऐतिहासिक आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रमुख संबोधन होगा, जिसमें वे प्रवासी भारतीयों को प्रदेश के विकास में योगदान देने और निवेश के नए अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान करेंगे। वे प्रदेश की औद्योगिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे और प्रवासी भारतीयों को अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए आमंत्रित करेंगे। कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों को मप्र में निवेश और व्यावसायिक अवसरों से अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. जगत शाह संस्थापक मेंटर ऑन रोड की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से उद्यमिता को बढावा देने पर चर्चा की जाएगी। प्रमुख सचिव प्रवासी भारतीय संदीप यादव प्रवासी भारतीय सम्मेलन की भूमिका और महत्व को रेखांकित करेंगे।

विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय चैप्टर के प्रमुख अपने विचार साझा करेंगे

कार्यक्रम में फ्रेंड्स ऑफ़ एमपी के विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय चैप्टर के प्रमुख अपने विचार साझा करेंगे। इनमें सुश्री लीना वैद्य, चेयर पर्सन फ्रेंड्स ऑफ़ एमपी, अबूधाबी चैप्टर, प्रमित मकोड़े चेयरमैन फ्रैंड्स ऑफ़ एमपी बॉस्टन चैप्टर, रोहित दीक्षित चेयरमैन फ्रेंड्स ऑफ एमपी यूके चैप्टर, सुश्री प्रेरणा भारद्वाज मेयर, जेराल्ड क्रॉस लंदन यूके और लार्ड रेमी रेंजर, हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स (यूके) जैसे प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय इस आयोजन में अपना विचार रखेंगे। कार्यक्रम में एक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति भी होगी, जिसमें मप्र की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक परम्पराओं को दर्शाया जाएगा।

खबर संक्षेप

पूर्व आईएफएस बेलवाल के खिलाफ ईओडब्ल्यू में प्राथमिकी दर्ज

भोपाल। पूर्व आईएफएस और आजीविका मिशन के सीईओ रहे ललित मोहन वेलवाल के खिलाफ वैधानिक नियुक्तियां सहित अन्य मामले में ईओडब्ल्यू ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। भोपाल की सीजेएम कोर्ट ने भी इस सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिए थे। पूरा मामला यह है कि कुमार मिश्रा, निवासी-भोपाल द्वारा ईओडब्ल्यू में अवैधानिक नियुक्तियों के संबंध मेंशिकायत कि गई थी। शिकायतकर्ता राजेश कुमार मिश्रा द्वारा आरोपों के समर्थन में प्रस्तुत नेहा मारव्या तत्कालीन अपर सीईओ मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद की विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने आरोपों को सही पाया। इसी पर प्रारंभिक जांच पंजीबद्ध की गई। श्री बेलवाल द्वारा सचिव मप्र शासन पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के निर्देशों को दर-किनार कर एवं संबंधित नस्तियों में छेड़छाड़, विभागीय मंत्री की आपत्तियों को भी नजरअंदाज करते हुए यह नियुक्तियां की गई। वहीं आरोप है कि उन्होंने बिना अर्हता सुषमा रानी शुक्ला एवं उनके परिवार के सदस्यों देवेंद्र मिश्रा, अंजु शुक्ला, मुकेश गौतम, ओमकार शुक्ला एवं आकांक्षा पाण्डे की नियुक्तयां मिशन के विभिन्न पदों पर की गई।

आईएमपीसीसी व खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की बैठक का आयोजन

भोपाल। अंतर माध्यम प्रचार समन्वय समित की फरवरी माह की बैठक सोमवार को खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग में आयोजित की गई। आईएमपीसीसी के अध्यक्ष और पीआईबी के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ के लिए पीआईबी ने भोपाल और रायपुर के पत्रकारों के लिए एक प्रेस टूर का आयोजन 14 से 16 फरवरी तक किया गया।

मुख्यमंत्री ने मुरैना में भारत रत्न स्व. वाजपेयी की प्रतिमा का किया अनावरण

अटल जी की सरलता, विनम्रता और उनके जीवन मूल्य हमें आज भी जीना सिखाते हैं

- मुरैना शहर की सीमावर्ती 13 ग्राम पंचायतों के विकास के लिए मिलेंगे 20 करोड़ रुपए
- मुरैना सिटी में 10 करोड़ रुपए से होंगे विद्युत संबंधी कार्य, मुरैना में बनेगा बोट क्लब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा के अनावरण के साथ ही मुरैना में नया इतिहास लिखा गया है। स्व. वाजपेयी राजनीति के मर्मज्ञ थे। वे सदैव सच्चाई के लिए जिए। वे पूरे भारत को अपना परिवार मानने वाले विराट हृदय व्यक्तित्व थे। स्व. वाजपेयी लोकतांत्रिक परम्पराओं का पालन करने वाले कालजयी महापुरूष थे। उनकी सहजता, सरलता, विन्रमता और उनके जीवन मूल्य हमें आज भी जीना सिखाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुरैना में अटल जी की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह को नहीं देखा, पर अटल जी को करीब से देखा है। उन्हें शत-शत नमन है। देश को लोकतंत्र का एक नायक अटल जी के रूप में मिला। कोई नेता पक्ष में हो या विपक्ष में, एक जैसी भाषा बोले, ये हमने अटल जी के व्यक्तित्व में ही देखा है। उन्होंने कहा कि अटल जी ने पोखरण में परमाणु परीक्षण कर दुनिया में देश का गौरव बढ़ाया था। उन्होंने 50 साल तक विपक्ष में बैठकर लोकतंत्र और संसदीय परम्पराओं को सशक्त करने का अभूतपूर्व कार्य किया।

वाजपेयी के योगदान को हम कभी नहीं भूलेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी ने अपनी कविता में कहा था कि क्या हार में, क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं, संघर्ष पथ पर जो भी मिला, ये भी सही और वो भी सही। स्व. वाजपेयी के योगदान को हमारा देश कभी नहीं भूल पाएगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) और केन-बेतवा (केबी) नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना उन्हीं की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उनकी सोच को हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रियान्वित किया है। इसके लिए हम प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में हमने 70 हजार करोड़ रुपए की नदी जोड़ो परियोजना से मप्र में जल संग्रहण का एक नया अभियान शुरू किया है।

विकास कार्यों के लिए 20 करोड़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जन-प्रतिनिधियों की मांग पर मुरैना नगर निगम की सीमा क्षेत्र से लगी 13 ग्राम पंचायतों के सभी गांवों में जरूरी विकास कार्यों के लिए 20 करोड़ रुपए और मुरैना शहर में इलेक्ट्रिसिटी पोल शिफ्टिंग कार्य के लिए 10 करोड़ रूपए विकास राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुरैना शहर में बोट क्लब के साथ जहां जरूरी हैं, वहां सड़कें भी बनाई जाएंगी।

सीएम के मुरैना आगमन से लगेंगे चार चांदः तोमर

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मुरैना आगमन यहां के विकास में चार चांद लगाएगा। स्व. वाजपेयी की प्रतिमा जनसेवा में लगे स्थानीय युवाओं को प्रेरणा देगी। वे हमेशा कहा करते थे कि सत्ता पाना नहीं, वरन शक्तिशाली, समृद्ध, समर्थ और विकसित भारत का निर्माण ही हमारी मंजिल होना चाहिए। ऐसा भारत जिसमें समरसता हो।

सीएम ने बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर के साथ धाम में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुंदेलखंड को फीनिक्स के पक्षी की तरह राख से निकलकर जीवित होने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यहां के वीर योद्धाओं को उनकी वीरता और अद्वितीय पराक्रम के लिये सदैव याद किया जाएगा। बुंदेलखंड के गौरवशाली व्यक्तित्व जैसे आल्हा उदल, महाराजा छत्रसाल जैसे लोगों से बुंदेलखंड गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंसन सेंटर में बागेश्वर धाम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संभावित आगमन के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा में यह बाते कहीं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम पूर्ण गरिमामय होना चाहिए इसमें किसी भी प्रकार की कोई कोर कसर नहीं रखी जायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां पर पहली नदी जोड़ो परियोजना, पहला अंतरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एवं पहला फाइव स्टार होटल इसी बुंदेलखंड की धरती पर स्थापित हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वयं कैंसर हॉस्पिटल के भूमि पूजन हेतु पधार रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक पल होगा।

श्री कराह धाम आश्रम की हजारों गौ-माताओं से समूचे ब्रह्मांड की होती है अनुभूति

- मुख्यमंत्री ने मुरैना के श्री कराह धाम आश्रम पहुँचकर गुरू गादी को किया नमन

सीएम डॉ. यादव ने सोमवार को मुरैना के श्री कराह धाम आश्रम पहुंचकर अनन्त श्री गुरुदेव पटिया वाले बाबा के दर्शन के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने श्री कारह धाम आश्रम की गौशाला में गौ-माता का पूजन भी किया। सीएम ने कहा कि गौ-माता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना गया है। आश्रम की गौ-शाला में 7500 से अधिक गौ-माताएं हैं। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, खजुराहो सांसद वी.डी. शर्मा, मुरैना-श्योपुर के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, सबलगढ़ विधायक सरला रावत, पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्थानीय निकाय अपने अधिकारों और शक्तियों से करें जन-कल्याण के कार्य

- विकास के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें स्थानीय निकाय
- मुख्यमंत्री, ऑल इंडिया कौंसिल ऑफ़ मेयर्स की बैठक में वर्चुअली हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र में स्थानीय निकायों को अधिकार संपन्न बनाया गया है। नगरीय निकाय और अन्य स्थानीय निकाय अपने अधिकारों और शक्तियों का उपयोग करते हुए जन-कल्याण के कार्य बेहतर रूप से कर रहे है। हाल ही मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियान की सफलता इस बात का बेहतर उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय निकाय राज्य सरकार की भावना को और अधिक मजबूती प्रदान करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को ग्वालियर से इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स मप्र इकाई की बैठक को वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। ग्वालियर मे उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगर निगमों ने विकास कार्यों के क्षेत्र में देश में अपनी विशिष्ट पहचान कायम की है। प्रदेश के शहरी क्षेत्र में तेज गति से समग्र विकास के कार्य किए जा रहे हैं। इंदौर नगर निगम ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है।

नगरीय निकाय विकास प्राधिकरणों की तर्ज पर आवासीय योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर 7 वर्षों से स्वच्छता के क्षेत्र में देश में लगातार अव्वल है। इस बार भी इंदौर स्वच्छता के क्षेत्र में अव्वल रहने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। इंदौर ने प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। नगरीय निकाय आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने यह सब मिलकर प्रयास करें, आय के स्रोत बढ़ाएं। नगरीय निकाय आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगे तो विकास को और नई गति दी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय विकास प्राधिकरणों की तर्ज पर आवासीय योजनाएं भी बनाकर क्रियान्वित कर सकती हैं।

स्थानीय निकाय आत्मनिर्भर बनने के प्रयास

नगरीय आवास एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि संविधान के 73 एवं 74वें संशोधन के बाद सबसे ज्यादा अधिकार मप्र के स्थानीय निकायों को दिए गए हैं। हमारा प्रयास है कि स्थानीय शासन व्यवस्था और अधिक विकेंद्रीकृत हो। उनको ज्यादा से ज्यादा अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय आत्मनिर्भर बनने के प्रयास करें। करारोपण की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं, आय के नए साधन भी खोजें। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। इंदौर तेज गति से विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर एवं सांसद वीडी.शर्मा भी वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम में नगरीय आवास एवं विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, ऑल इंडिया कौंसिल ऑफ़ मेयर्स की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती माधुरी पटेल, इंदौर सांसद शंकर लालवानी और राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पिछले चार सालों से चल रहा था फरार, सुपेला पुलिस ने पकड़ा

निवेश के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

सुपेला पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर यह धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया था। पीड़ित ने इसकी रिपोर्ट सुपेला थाने में दर्ज कराई थी।

उस रिपोर्ट के आधार पर दुर्ग पुलिस ने आरोपी को जयपुर मानसरोवर कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज की है। भिलाई नगर के सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि आठ जून 2020 को पीड़ित प्रणय कुमार गांगुली ने सुपेला थाने में शिकायत दर्ज की थी। उसने वह शेयर को लेकर पत्राचार करता था। इस बीच वह कानपुर से आकर भिलाई में रहने लगा। जिसके बाद इस समय अवधि में पत्र नहीं मिल सका। जिसका फायदा उठाकर आरोपी बिमल शाह ने कूटरचित दस्तावेज तैयार किए। उसके बाद उसने 70 लाख रुपये के शेयर, जिसकी वर्तमान कीमत 2 करोड़ 75 लाख रुपए को खरीदना बताकर उसे ट्रांसफर के लिए प्रकरण पेश किया। आरोपी पीड़ित का परिचित था। जिसका उसने फायदा उठाया था। शेयर को ट्रांसफर कर ठगी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

बलरामपुर के शंकरगढ़ विकासखंड में संचालित पहाड़ी कोरवा हॉस्टल का मामला

आपत्तिजनक हालत में पकड़ाए अधीक्षक और शिक्षिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से होश उड़ा देने वाला एक मामला सामने आया है। यहां शंकरगढ़ विकासखंड में संचालित पहाड़ी कोरवा हास्टल में एक महिला टीचर और अधीक्षक आपत्तिजनक हालत में मिले हैं। हॉस्टल अधीक्षक रंजीत कुमार को रात के समय महिला टीचर के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया है।

महिला टीचर के हॉस्टल में आने की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को हुई तो ग्रामीणों ने हॉस्टल को घेर लिया और प्रशासन को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों की सूचना पर शंकरगढ़ एसडीएम आनंद राम नेताम और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने हॉस्टल की तलाशी ली तो अधीक्षक एक महिला टीचर के साथ आपत्तिजनक हालत में एक कमरे में था।

ग्रामीणों को जानकारी हुई तो उन्होंने होस्टल को घेर लिया और पुलिस को सूचना दी

ग्रामीणों का आरोप है कि हॉस्टल अधीक्षक लंबे समय से महिला टीचर को आश्रम में बुलाता था और पूरी रात उसके साथ बिताता था। इससे पहले भी इस तरह की घटनाओं की चर्चा होती रही थी, लेकिन ग्रामीणों को जब ठोस सबूत मिला, तो उन्होंने रंगे हाथों उसे घेर लिया। जब प्रशासन ने अधीक्षक रंजीत कुमार से पूछताछ की, तो उसने बताया कि उसने महिला शिक्षिका से कोर्ट मैरिज कर ली है। हालांकि जांच में पता चला कि रंजीत पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। वहीं, महिला शिक्षिका अविवाहित थी। दोनों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है। प्रभारी अधीक्षक को हटाकर बतौर शिक्षक कार्य करने जाने के लिए भेज दिया गया है।

आचरण सही नहीं होने पर शिक्षिका को किया निलंबित

जब टीम मौके पर पहुंची तो दोनों आपत्तिजनक हालत में थे। जिसके बाद दोनों कंबल ओढ़कर बाहर आए। बचाव में दोनों ने कई तर्क दिए लेकिन कोई ठोस सबूत नहीं मिला। शिक्षिका के आचरण को गलत मानते हुए उसे निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच करने पहुंचे एसडीएम ने बताया कि महिला टीचर के आचरण सही नहीं था जिस कारण से उसे निलंबित किया गया है। दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मरवाही थाना क्षेत्र के बघररा गांव के मटियाटोला का मामला, रोज-रोज होता था दोनों में विवाद

पति करता था चरित्र शंका, पत्नी ने कर दी हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ गौरेला पेंड्रा मरवाही

मरवाही थाना क्षेत्र में टंगिया से हमला कर पत्नी ने पति की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि चरित्र शंका को लेकर पति आए दिन पत्नी से विवाद करता था।

इसी से परेशान होकर महिला ने यह कदम उठाया है। हत्या करने के बाद महिला ने खुद ही अपने बेटे को पूरी जानकारी दी। इसके बाद थाने पहुंचकर खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, मरवाही थाना क्षेत्र के बघररा गांव के मटियाटोला में रहने वाले घोरे लाल पूरी और उसकी पत्नी वेदकुंवर पूरी का आए दिन विवाद होता रहता था। पति घोरे लाल हमेशा पत्नी वेदकुंवर पर उसके चरित्र को लेकर शंका करता था। घटना के दिन घर के पास रहने वाले घनी राम के घर छठी का कार्यक्रम हो रहा था। दोनों पति-पत्नी शामिल हुए और वापस अपने घर आ गए। इसके बाद पति घोरे लाल और पत्नी वेदकुंवर का फिर एक बार जमकर विवाद हुआ। धनीराम के घर आए मेहमानों के साथ पत्नी वेदकुंवर के संबंध होने को लेकर घोरे लाल शक करने लगा। कुछ देर हुए विवाद के बाद पति घोरे लाल घर में सो गया। इसी दौरान नाराज पत्नी ने घर में रखे टांगिया से पति घोरेलाल के गले में दो बार वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई।

आरोपी महिला खुद पहुंची मरवाही थाने

पति को मारकर पत्नी घर के सामने जाकर रो रही थी। उसका बेटा राजकुमार जब घर पहुंचा तो मां ने घटना की जानकारी दी। बेटे ने घर के अंदर जाकर देखा तो पिता घोरे लाल मृत अवस्था मे पड़ा हुआ था। इसके बाद बेटे ने पूरी घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी और मां को लेकर मरवाही थाने पहुंचा। थाने में आरोपी पत्नी ने पति घोरेलाल की हत्या किए जाने का जुर्म कबूल कर लिया गया। फिलहाल मरवाही पुलिस आरोपी महिला को गिरफ्तार कर पूरे मामले की तफ्तीश में जुट गई है। पुलिस अधिकारी की मानें तो चरित्र शंका से परेशान होकर पत्नी ने घर में सो रहे पति की हत्या की। आए दिन पति के द्वारा चरित्र शंका से पत्नी परेशान थी। पति किसी से बात नहीं करने देता था, जिससे परेशान होकर यह कदम उठाया और खुद ही थाने आकर इसकी सूचना दी। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश : अतिथि शिक्षक भर्ती नियम की धारा-10.4 के क्रियान्वयन पर भी रोक

हाई कोर्ट ने अतिथि विद्वानों के लिए पीएचडी की अनिवार्यता पर लगाई रोक

-अपने आदेश में यह भी कहा- पुरानी भर्तियों पर नए नियम लागू नहीं हो सकते

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश के जरिए अतिथि शिक्षकों के लिए पीएचडी की अनिवार्यता पर रोक लगा दी है। यही नहीं अतिथि शिक्षक भर्ती नियम की धारा-10.4 के क्रियान्वयन पर भी रोक लगा दी है। कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि पुरानी भर्तियों पर नए नियम लागू नहीं हो सकते। हाई कोर्ट के इस अंतरिम आदेश से मध्यप्रदेश के महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में कार्यरत सैकड़ों अतिथि विद्वानों को बड़ी राहत मिली है।

दरअसल, राज्य शासन ने असिस्टेंट प्राफेसरों के लिए जारी नियम अतिथि विद्वानों पर भी लागू कर दिए थे। इस रवैये को याचिका के जरिए हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। याचिकाकर्ता अतिथि विद्वान प्रियंका उपाध्याय व पुष्पा चतुर्वेदी सहित 13 की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा

23 अक्टूबर, 2023 को अतिथि विद्वानों की नियुक्ति के संबंध में नए दिशा-निर्देश की कंडिका के अंतर्गत जारी कर दिए थे। इसी को आधार बनाते हुए यचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एक ओर तो जो अतिथि विद्वान पूर्व से कार्यरत हैं, उन्हें यथावत रखा जाएगा, किंतु फालन आउट अतिथि विद्वानों को बगैर पीएचडी के निरंतर नहीं किया जाएगा। इसीलिए वर्ष 2023 के दिशा-निर्देश की कंडिका 10.4 अवैध और भेदभावपूर्ण है, क्योंकि आवेदकों की नियुक्ति यूजीसी द्वारा सहायक अध्यापकों के पद पर नियुक्ति हेतु पीएचडी की अनिवार्यता के पहले की है, इसलिए बगैर पीएचडी वाले अतिथि विद्वानों को रेगुलर न रखना न केवल उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति भेदभावपूर्ण है, बल्कि सर्वथा अनुचित भी है।

अधिवक्ता उपाध्याय ने दलील दी कि राज्य शासन ने कंडिका 10.4 के अंतर्गत यह निर्देश दिए थे कि कोई भी अतिथि विद्वान जो कि पीएचडी डिग्रीधारक नहीं है, उसे नियुक्ति नहीं दी जाएगी, और जो पहले से कार्यरत है, उन्हें सिर्फ वेतन या भत्ता का पात्रता रहेगी, अन्य लाभ जैसे कि सीनियरटी, अनुभव प्रमाण पत्र, आयु सीमा में छूट नहीं दी जाएगी। राज्य शासन ने फालन आउट अतिथि विद्वानों को भी लाभ देने से मना कर दिया था। जिसका सीधा आशय यह है कि जो बीते 10 वर्षों से अतिथि विद्वान के रूप में कार्य कर रहा है, यदि उसके पास पीएचडी की उपाधि नहीं है तो आगे वह कार्य नहीं कर सकता है। इसके बाद दूसरे अतिथि विद्वान जो कि पीएचडी डिग्री वाले हैं, उन्हें नियुक्ति दी जाएगी। याचिकाकर्ता की और से दलील दी गई कि राज्य शासन का यह आदेश असंवैधानिक है, क्योंकि कोई भी नियम इस तरह एकदम से लागू नहीं किया जा सकता। जब आवेदकों की नियुक्ति हुई थी, उस समय पीएचडी की अनिवार्यता नहीं थी। नए नियमों में य पीएचडी की अनिवार्यता को लाया गया है, तो जो अतिथि विद्वान पहले से कार्य कर रहा है, उस पर ये लागू नहीं होता है। इसके बावजूद राज्य शासन अधिसूचना के जरिए परेशान कर रही है।

एक ओर जो अतिथि विद्वान अनवरत सेवा में है, और पीएचडी होल्डर नहीं है, उनको तो यथावत रखा जा रहा है, और दूसरा ओर वे जो कि सेवा से बाहर हो गए हैं, नए सत्र में उन्हें अवसर न देते हुए सेवा वंचित किया जा रहा है। यह अनुभव की अवहेलना है। बहरहाल, हाई कोर्ट तर्क से सहमत होते हुए संशोधित नियम 10.4 के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी।

केन्द्रीय आयुध डिपो ने राजस्थान होम गार्ड को 1050 एसएलआर राइफलें प्रदान की

जबलपुर। राइफल 7.62 मिमी सेल्फ लोडेड राइफल (एसएलआर) ने 3 दशकों से अधिक समय तक भारतीय सेना के लिए मुख्य हथियार का पदभार संभाला था। इंसास 5.56 मिमी राइफल के आगमन ने इस प्रसिद्ध हथियार को सक्रिय सेवा के उपयोग से वापस ले लिया। जबलपुर में केंद्रीय आयुध डिपो (सीओडी) ने विभिन्न पुलिस सेवाओं के शस्त्रागार को मजबूत करने के लिए बचाए जाने योग्य सेल्फ लोडिंग राइफल्स (एसएलआर) की पहचान और नवीनीकरण के लिए कठोर प्रयास किया है। अब तक पांच राज्य पुलिस को एसएलआर जारी करने के बाद, इस डिपो ने राजस्थान होम गार्ड को 1050 राइफल एसएलआर जारी करके परंपरा को जारी रखा है।

यह रणनीतिक कदम न केवल लागत प्रभावी समाधान प्रदान करता है बल्कि उत्तरी राज्य में सुरक्षा तंत्र को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। सैन्य सूची के प्रबंधन और रखरखाव में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाने जाने वाले सीओडी सावधानीपूर्वक निरीक्षण और नवीनीकरण प्रक्रियाओं को अपनाकर, डिपो का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ये राइफलें पहाड़ी राज्य के कानून प्रवर्तकों द्वारा परिचालन उपयोग के लिए आवश्यक मानकों को पूरा करती हैं। यह संयुक्त प्रयास रक्षा प्रतिष्ठान और नागरिक अधिकारियों के बीच तालमेल का उदाहरण है, जो दर्शाता है कि रणनीतिक सहयोग से कैसे ठोस लाभ मिल सकते हैं। ऐसे समय में जब संसाधन अनुकूलन और रणनीतिक योजना सर्वोपरि है, केंद्रीय आयुध डिपो जबलपुर, राजस्थान होम गार्ड के अग्रिम पंक्ति के रक्षकों को मजबूत करने के लिए बचाए जा सकने वाले सैन्य परिसंपत्तियों का पुनः उपयोग करके एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव आज

जबलपुर।

छत्रपति शिवाजी जी महाराज की 396 वी जन्मोत्सव के अवसर पर 19 फरवरी को क्षत्रिय मराठा समाज जबलपुर के तत्वावधान में छत्रपति शिवाजी जी महाराज प्रतिमा स्थल मदनमहल थाने के बाजू में प्रातः 9बजे से अभिषेक, पूजन आरती, माल्यार्पण, के पश्चात महाआरती कर मिष्ठान्न वितरण किया जायेगा। इसी प्रकार छत्रपति शिवाजी महाराज उद्यान विजय नगर आर बी माल के पीछे जबलपुर दोपहर 4 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम दीपोत्सव पुष्पाजंलि के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। उपस्थिति का आग्रह श्रीमती प्रतिभा भापकर पार्षद, प्रवीण सालुंके, तरूण सोनोने, शिवाजी ढवले, शोभा ताई पवार, अनिल शिंदे, अभय सवडतकर, संतोष सोनोने, प्रतिभा जाधव, पिंकी, माया ताई सहित क्षत्रिय मराठा समाज जबलपुर ने किया है।

मुख्यमंत्री का नगर आगमन आज

जबलपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आज 19 फरवरी बुधवार को दोपहर लगभग 2 बजे नगर आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री डुमना से सीधे उमरिया पहुंचेंगे, जहां गौशाला निर्माण का भूमिपूजन करेंगे, इसके बाद वहां से रवाना होकर रांझी पहुंचेंगे। रांझी में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का लोकार्पण करेंगे। दोपहर 3.30 बजे गोरबाजार स्थित शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में पहुंचेंगे, यहां पार्टी द्वारा आयोजित केंद्रीय बजट पर आयोजित संगोष्ठी में शामिल होंगे। स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री शाम को भोपाल रवाना होंगे।

प्रशिक्षण होता है सेवाकाल की पूंजी

जनेरटिंग कंपनी में प्रशिक्षु कार्यालय सहायकों को दिया गया प्रशिक्षण

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के नवनियुक्त कार्यालय सहायकों के सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गत दिवस हुआ। इस अवसर मुख्य अतिथि पावर जनरेटिंग कंपनी के मुख्य अभियंता मानव संसाधन व प्रशासन दीपक कश्यप, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एसके जैन, अधीक्षण अभियंता प्रशिक्षण डा. अशोक कुमार तिवारी, कार्मिक अधिकारी वर्तिका गुरबानी सहित प्रशिक्षु कार्यालय सहायक उपस्थित थे।मुख्य अभियंता मानव संसाधन व प्रशासन दीपक कश्यप ने प्रशिक्षु कार्यालय सहायकों को संबोधित

करते हुए कहा कि दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके लिए सेवाकाल की पूंजी है। सैद्धांतिक व व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यालय सहायकों के लिए कार्यालयीन कार्य करते समय सदैव सहायक सिद्ध होगा। दीपक कश्यप ने नवनियुक्त कार्यालय सहायकों को शुभकामना देते हुए अपेक्षा की कि वे पावर जनरेटिंग कंपनी में कार्य करने के दौरान योग्यता व निष्ठा भाव का प्रदर्शन करेंगे। अतिरिक्त मुख्य अभियंता एसके जैन ने कहा कि दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम गागर में सागर की तरह है।

नवनियुक्त कार्यालय सहायकों को दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऑफिस प्रबंधन, ऑफिस संचार, पत्र व नोट शीट लेखन, ड्राफ्टिंग, अकाउंट्स, स्थापना, स्टोर्स, ईआरपी व व्यक्तित्व विकास संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वासुदेव गुरव, नेहा कंधारी, डा. अशोक कुमार तिवारी, खुशबू शर्मा, वर्तिका गुरबानी, अंकित बाजपेई, गोविन्द सिंह गौर, पीएक्स क्रिसलीन, अधिवक्ता निधि पांडे, लोकेश उपाध्याय, मनीषा झारिया, संतोष सदानी आदि अनुभवी व वरिष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

नगर की कथक नृत्यांगनाएं खजुराहो में प्रस्तुति देंगी

जबलपुर। जबलपुर शहर की सुप्रसिद्ध नृत्यांगन श्रीमति नीलांगील कलंत्रे को खजुराहो में होने वालें वर्ल्ड रिकॉर्ड में प्रस्तुति देने के लिए संस्कृति मंत्रालय से निमंत्रण प्राप्त हुआ है। जिसमें उनकी संस्था की शिष्याएं भी कथक की प्रस्तुति में उनके साथ शामिल होगी, जिनके नाम डॉ नेहा जैन, राघवी नायडू, रिद्धिमा पाली, उदय पाल, इंद्रिका तिवारी, अनुराधा शर्मा, चंद्रमणि नायडू, सरगम गुप्ता, श्रीमति नीलांगी कलंत्रे को इस महोत्सव में आमंत्रित किया।

जमीन अधिकरण के चक्कर में लटका लम्हेटापुल का काम

जबलपुर। लम्हेटाघाट सरस्वतीघाट पुल को लेकर मुख्यमंत्री पीडब्ल्यूडी मंत्री के नाम संभागीय कमिश्नर अभय वर्मा एवं कमिश्नर जबलपुर संभाग अभय वर्मा को 416 वा ज्ञापन सौंपा। नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा समिति भेड़ाघाट ने 416वां ज्ञापन सौंपा, जिसमें कहा गया है कि लम्हेटा घाट में जमीन अधिकरण न होने के कारण काम बंद हो गया। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉक्टर शिव शंकर पटेल पंडित मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान मनोज गुलाबबानी मोहित तिवारी आदि उपस्थित थे।

हत्या के प्रयास पर सात वर्ष का कारावास

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश विपिन सिंह भदौरिया की अदालत ने हत्या के प्रयास के आरोपित मंडी मदार टेकरी निवासी बग्घा उर्फ हुसैन अंसारी का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ सात वर्ष के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक प्रमोद कुमार पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 18 अक्टूबर, 2023 को रात्रि साढ़े 12 से डेढ़ बजे के बीच आरोपित सार्वजनिक स्थल पर तलवार घुमा रहा था। वह गाली-गलौच कर रहा था। उसे रईस खान पर हमला बोल दिया। इस वजह से रईस को गंभीर चोटें आईं। उसे सही समय पर इलाज के लिए ले जाया गया। ऐसा न किया जाता तो उसकी जान जा सकती थी। चूंकि आरोप गंभीर है, अतः सजा सुनाई जाए।

इन्द्रपुरी गोस्वामी सम्मानित

जबलपुर। राष्ट्रीय सेवा व सांस्कृतिक संगठन हम फ़ाउण्डेशन भारत की मध्यप्रदेश कौंसिल सभा जबलपुर के गीताधाम ग्वारीघाट में गत दिवस आयोजित की गई जिसमें हम फ़ाउण्डेशन की विभिन्न गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के फलस्वरूप इन्द्रपुरी गोस्वामी ज़िला अध्यक्ष जबलपुर महानगर को श्रेष्ठतम कार्यकर्ता के रूप में सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में राष्ट्रीय संरक्षक डॉ विद्याधर मतेले राष्ट्रीय अध्यक्ष एड. निशिकांत चौधरी , कार्यकारी अध्यक्ष डॉ शालीन ढीगरा, श्री मति रंजना साहू श्रीमती लीलावती पाल, रॉबर्ट मार्टिन ,नेहा दीघे ,संतोष दुबे ,आशुतोष तिवारी ,राजेन्द्र उपाध्याय राजेंद्र गढ़ेवाल , बी एस ठाकुर कविता ठगेले, अनीता कनोजिया , स्नेहलता सोनी सुमन गौतम आदि उपस्थित थे।

भारतीय किसान संघ का अखिल भारतीय अधिवेशन 21 से गुजरात में

जबलपुर। भारतीय किसान संघ का 14वां अखिल भारतीय अधिवेशन गुजरात प्रदेश के पालनपुर में 21, 22 व 23 फरवरी को आयोजित हो रहा है। जिसमें देश भर के 600 से अधिक जिलों के भारतीय किसान संघ के जिला स्तर से लेकर प्रांत व प्रदेश स्तर के कार्यकर्ता शामिल होगें। उक्त आशय की जानकारी देते हुये भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने बताया कि गुजरात के पालनपुर में देश भर से लगभग चार हजार किसान प्रतिनिधि आ रहे है। जिनकी उपस्थिति में कृषि, किसान, संगठन के रचनात्मक, संगठनात्मक, आंदोलनात्मक विषयों पर चर्चा होगी।

मानव सेवा संकल्प के साथ 6 दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप 20 से

जबलपुर। मप्र शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री और पूर्व विधायक विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखन घनघोरिया के जन्मोत्सव पर मानव सेवा संकल्प के तहत 6 दिवसीय स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन 20 फरवरी गुरुवार से 25 फरवरी तक पूर्व क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में किया गया है। इन शिविरों में नाक, कान, गला, दंत रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग, मेडीसिन विभाग के चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे और ईसीजी व रक्त संबंधित जांचे भी करेंगे। जन्मोत्सव के दिन 1 मार्च को नेत्र रोगियों का निःशुल्क ऑपरेशन और चश्मे व दवाईयों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कदीर सोनी एवं रमाकांत रावत ने यहां पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री, विधायक लखन घनघोरिया के जन्मोत्सव पर इस वर्ष भी स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। पिछले 14 वर्षों से इस तरह के शिविर लगाकर जनमानस की सेवा की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में अभी तक डेढ़ लाख लोग लाभान्वित हो चुके हैं। 20 फरवरी को सुब्बाशाह मैदान, 21 फरवरी को गाजीबाग बारातघर गोहलपुर, 22 फरवरी को मानतलैया स्कूल खेरमाई, 23 फरवरी को बीमा अस्पताल कांचघर, 24 फरवरी को सिंधी धर्मशाला गोपाल होटल और 28 फरवरी को पुत्री शाला बेलबाग, में मेगा स्वास्थ्य शिविर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किए जायेंगे। वहीं शिविरों के समापन के पश्चात 1 मार्च जन्मोत्सव के दिन शिविर में परीक्षण किये गये हितग्राहियों को चश्मे वितरित किये जायेंगे। इस अवसर पर सतीश उपाध्याय, यतीश अग्रवाल, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, कल्लन गुप्ता, याकूब अंसारी, जतिन राज, संजय साहू, जय घनघोरिया, यश घनघोरिया आदि मौजूद रहे।

स्वस्थ समाज के लिए स्वच्छता आवश्यकः डॉ पचौरी

जबलपुर। स्वस्थ समाज के लिए स्वच्छता आवश्यक है अतः आज हम सभी माँ नर्मदा के तट पर यह संकल्प लें कि न सिर्फ अपने आस-पास का वातावरण स्वच्छ रखेंगे बल्कि परिवार, समाज और महासभा के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उक्ताशय के संरक्षक डॉ. गिरीश पचौरी ने सर्वगौड़ ब्राह्मण महासभा के वार्षिक स्नेह मिलन सह वनभोज में व्यक्त किए। पारिवारिक समन्वय, परस्पर सहयोग की पावन भावना से ओतप्रोत परिवार मिलन समारोह में महासभा के समस्त सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। माँ नर्मदा के आंचल में बसे नारायणपुर तिलवारा स्थित शुक्ला फॉर्म हाउस में आयोजित उक्त कार्यक्रम आनंद के कई अमिट स्मृति चित्र अंकित कर गया। आयोजन के पूर्व सभी परिवारजनों ने माँ नर्मदा के दर्शन-आचमन कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। इसके बाद सबसे पहले सांस्कृति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बेबी तृषिका शर्मा, शांभवी शर्मा, कुमुद शर्मा ने आपने भावपूर्व नृत्यों से सभी का मन मोह लिया। तृप्ति शर्मा और गौरी शर्मा का एकल नृत्य कार्यक्रम की शोभा बढ़ा गया। एडवोकेट नरेंद्र शर्मा ने राजस्थानी परिवेश में नृत्य प्रस्तुति और कांता सीठा की हसगुल्ले ने सबको गुदगुदाया। ऋतुराज बसंत की पावन बेला में बासंती परिवेश में सजी-धजी मातृ-शक्ति आयोजन की शोभा बढ़ा रहीं थीं।

महासंत को विनयांजलि से किया नमन

आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन

जबलपुर।

राष्ट्रहित चिंतक परम उपकारी आचार्य विद्यासागर मुनि महाराज के प्रथम समाधि स्मृति दिवस पर जाप मंडल द्वारा 18 फरवरी मंगलवार को मुनि संभव सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में डी एन जैन कॉलेज ग्राउंड में एक विनयांजलि कार्यक्रम महासंत को नमन आयोजित किया गया है इस कार्यक्रम में प्रातः बेला में 36 महामंडलीय आचार्य छत्तीसी विधान आयोजित किया गया, जिसमें नगर के 36 श्रेष्ठ परिवारों द्वारा हर्षो उल्लास के साथ हजारों

श्रावकों ने विधान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर निःशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर व औषधि वितरण किया गया जिसमें लगभग साढे 500 मरीजों ने नाडी परीक्षण कराया सायं 7 बजे से विद्या पूर्ण ग्रुप द्वारा देश के विख्यात 45 नाट्य कलाकारों द्वारा आर्यिका श्री पूर्णमति माताजी की प्रेरणा से मंचित नाट्य आचार्य विद्यासागर महाराज के संपूर्ण जीवन का चित्रण नाटय मंचन में प्रस्तुत किया गया। आदिनाथ महिला परिषद, आदिनाथ बहू मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व दीप समर्पण 36 महाआरती से आचार्य श्री जी की आरती व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर के सभी जनप्रतिनिधि, गणमान्य जन व आमंत्रित गणमान्य अथिति उपस्थित रहें। जाप मंडल जबलपुर द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिक जनों का आभार व्यक्त किया।

डेयरी स्टेट में शीघ्र डेयरियों की शिफ्टिंग जरुरी

नर्मदा जल में प्रदूषण बढ़ने की रिपोर्ट चिंताजनक

जबलपुर।

हाल ही में प्रदूषण नियंत्रण मंडल की रिपोर्ट से जबलपुर तथा मध्यप्रदेश की जीवन दायिनी नर्मदा नदी के जल में प्रदूषण बढ़ने को साफ संकेत मिले है। इसके पूर्व में 9 फरवरी को नगर निगम के जनप्रतिनिधियों ने भी गौर नदी के गोबर मिले पेयजल की सप्लाई से दूषित पानी पीकर लोग बीमार हो रहे हैं, यह शिकायत की थी। गौर, परियट तथा नर्मदा के किनारे स्थापति डेयरियों ने ऐसी गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। अतः डेयरी स्टेट खम्हरिया में डेयरियों की शिफ्टिंग करने की बहुत ही जरुरत है। इससे जबलपुर शहर में स्थापित डेयरियों से भी नागरिकों को राहत मिलेगी तथा प्रदूषण एवं पर्यावरण की गंभीर समस्या से मुक्ति मिलेगी। इस संबंध में एक ज्ञापन नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच की ओर से नगर निगम महापौर, नेता प्रतिपक्ष तथा गौसवंर्धन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद से चर्चा कर सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया है कि डेयरी स्टेट प्रोजेक्ट ग्राम खम्हरिया का उद्घाटन होने को अब तीन वर्ष पूरे हो चुके है, फिर भी वहां पर डेयरियों की शिफ्टिंग नहीं की गई है। शासन ने डेयरी स्टेट परियोजना में 35 पंजीकृत भूखंडधारियों को केवल नोटिस जारी किया है। परियट क्षेत्र के डेयरी वालों को तो नोटिस तक नहीं भेजा गया।

जनसंगठनों ने घोषणा की थी कि नर्मदा का प्रदूषण रोकने डेयरी स्टेट खम्हरिया में डेयरियों की शिफ्टिंग की कारवाई नहीं की गई तो सड़क आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ.पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, टीके रायघटक, डीके सिंह, सुभाष चंद्रा, सुशीला कनौजिया, संतोष श्रीवास्तव, हरजीवन विश्वकर्मा, एड. जीएस सोनकर, केसी सोनी, अशोक नामदेव, माया कुशवाहा, उमा दाहिया, डीआर लखेरा, राममिलन शर्मा आदि उपस्थित थे।

केंद्रीय बजट पर मुख्यमंत्री और केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री करेंगे परिचर्चा आज

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्रीय बजट पर परिचर्चा विषय पर बजट संगोष्ठी का आयोजन कल बुधवार 19 फरवरी को दोपहर 3:30 बजे मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, मुख्य वक्ता केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, कार्यक्रम अध्यक्ष लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की उपस्थिति में शहीद स्मारक प्रेक्षागृह गोलबाजार में किया गया है। बजट पर चर्चा विषय में आयोजित संगोष्ठी में विशिष्ठ अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मिकी, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, सभी जनप्रतिनिधियों के साथ प्रबुद्धजन शामिल होंगे।

नाम सुधार सूचना

मैं कशिश बुधरानी उम्र लगभग 32 वर्ष पिता स्व. श्री मनोहर लाल मेलवानी निवासी म.नं.513, शांति नगर, गली नं. 14, राजीव गांधी वार्ड, जिला जबलपुर (म.प्र.) शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि :- यह कि मैं उक्त पते की स्थायी निवासी हूँ। मेरा आधार नं. 8374 02715071 एवं पासपोर्ट नं. U1552906 है। यह कि विवाह के पूर्व मेरा नाम नेहा मेलवानी पिता स्व. श्री मनोहर लाल मेलवानी निवासी - म.नं. 92, संत कवरराम वार्ड, खेबर लाईन, पुरानी कटनी म.प्र. है। मेरा विवाह श्री विनय कुमार बुधरानी पिता श्री राजकुमार बुधरानी निवासी म.नं.513, शांति नगर, गली नं. 14, राजीव गांधी वार्ड, जिला-जबलपुर (म.प्र.) के साथ दिनांक 17.01.2020 को संपन्न हुआ है। विवाह पश्चात मेरा नाम मेरे आधार कार्ड में कशिश बुधरानी दर्ज है। जो कि सत्य एवं सही है। यह कि मुझे वर्तमान में श्रीमती कशिश बुधरानी पति श्री विनय कुमार बुधरानी के नाम से जाना एवं पहचाना जावे। जिस वास्ते यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

दिनांक-17/02/2025 शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1653/अ-6/2024-25
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पान बाई गोटिया/ किशोरी लाल गोटिया नि.-2519 शारदा कालोनी निर्मल चंद जैन वार्ड ने नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं.- निर्मित रकबा/ रकबा 1125 व.फु./ अवि. हिस्सा- व.फु./ हे. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक- मृत्यु दिनांक-06/10/1995 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं. - निर्मित रकबा/ रकबा-1125 व.फु./ अवि. हिस्सा- व.फु.हे. / ग्राम -भडपुरा प.ह.नं.-22 खसरा नं.-52/63/ख रकबा-1125 व.फु./ हे. रतोबाई जोजे किशोरी लाल गोटिया सा. कंचनपुर के नाम दर्ज है।

अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 24/02/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 27/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-27/01/2025
पेशी दिनांक-24/02/2025 तहसीलदार
मुद्रा रांझी, जबलपुर

CHANGE OF NAME

I, ARMY No. 15438837K, RANK- NK, NAME BONDAR INDRAJEET NANABHAU S/O LATE BONDAR NANABHAU OF UNIT MH, JABALPUR(M.P.),R/O 238, MU PO DEVDHANORA TA KALAMB, DEODHANORA, OSMANABAD, MAHARASHTRA 413507. I state that in my **Wife, Aadhar card** my **Wife Name (BONDAR SONALI INDRAJEET)** which is true and correct but in my Army service Record my Wife Name is recorded **(BONDAR SONALI INDRAJIT)** Which is incorrect. I state that the true and correct Name of my Wife is **(BONDAR SONALI INDRAJEET)** and same Name shall be corrected in my Army service Record.

CORRECT NAME
(BONDAR SONALI INDRAJEET)
INCORRECT NAME
(BONDAR SONALI INDRAJIT)

CHANGE OF NAME

I, ARMY No. 15438837K, RANK- NK, NAME BONDAR INDRAJEET NANABHAU S/O LATE BONDAR NANABHAU OF UNIT MH, JABALPUR(M.P.), R/O 238, MU PO DEVDHANORA TA KALAMB, DEODHANORA, OSMANABAD, MAHARASHTRA 413507. I state that in my **Mother, Aadhar card** my **Mother Name (CHHAYA NANABHAU BONDAR)** which is true and correct but in my Army service Record my **Mother Name** is recorded **(CHAYA)** Which is incorrect. I state that the true and correct **Name** of my **Mother**, is **(CHHAYA NANABHAU BONDAR)** and same Name shall be corrected in my Army service Record.

CORRECT NAME
(CHHAYA NANABHAU BONDAR)
INCORRECT NAME-(CHHAYA)

प्रगति के पथ पर दौड़ता मप्र

मप्र तेजी से आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश के केंद्र में बदल रहा है, जो वैश्विक व्यापार जरूरतों को पूरा करता है

मध्यप्रदेश भारत की प्रौद्योगिकी क्रांति में एक महत्वपूर्ण राज्य के रूप में उभर रहा है। प्रदेश में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, एक संपन्न प्रतिभा पूल और दूरदर्शी नीतियों का एक आदर्श मिश्रण है। राज्य तेजी से आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश के केंद्र में बदल रहा है, जो वैश्विक व्यापार आवश्यकताओं को पूरा करता है। आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023के साथ मध्यप्रदेश मजबूत प्रोत्साहन, सुव्यवस्थित अनुमोदन और नवाचार के लिए एक इकोसिस्टम प्रदान करके वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रहा है।

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे टियर-2 शहरों का तकनीकी केंद्र के रूप में उदय राज्य की सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। आईटी पार्कों, एसईजेड और एक बढ़ते स्टार्टअप इंफ्रास्ट्रक्चर की अपनी मजबूत नींव के चलते राज्य वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी), सेमीकंडक्टर, एवीजीसी-एक्सआर और ड्रोन जैसे उभरते क्षेत्रों में भी निवेश कर रहा है। बदलते वैश्विक डिजिटल परिदृश्य में मध्यप्रदेश नए दृष्टिकोण से तकनीकी-संचालित उद्योगों और निवेशों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

इन विरोधताओं ने दुनिया को आकर्षित किया

- 5 आईटी एसईजेड और 15 से अधिक आईटी पार्क प्रदेश में एक मजबूत प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचा तैयार करते हैं।
- राज्य में 50 से अधिकबड़ी आईटी कंपनियां संचालित हैं, जो एक मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान करती है।
- प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 15 लाख से अधिकप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हैं।
- राज्य से लगभग 1200 से अधिकतकनीकी स्टार्टअप और 2 यूनिकॉर्न उभरे हैं।
- राज्य भर में 300 से अधिककॉलेज तकनीकी शिक्षा प्रदान करते हैं।
- स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा धारकों सहित सालाना 50 हजार से अधिक तकनीकी स्नातक।
- डेटा केंद्रों और आईटी क्षेत्र के लिए 24/7 विश्वसनीय बिजली आपूर्ति और कच्चे माल की उपलब्धता।
- कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता का 27% नवीकरणीय स्रोतों से आता है।उद्योगों के लिए खुली पहुंच की अनुमति है।

राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी मध्यप्रदेश

- मध्यप्रदेश का जीएसडीपी भारत की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 5% का योगदान करता है।
- उभरते आईटी/ ईएसडीएम निर्यात का लक्ष्य भारत के 220 लाख करोड़ रुपए के मजबूत निर्यात बेंचमार्क को ध्यान में रखते हुए आगे वृद्धि करना है।
- मध्यप्रदेश में आईटी/आईटीईएस और ईएसडीएम क्षेत्र 5 लाख करोड़ रुपए का योगदान करते हैं, जो भारत के 465 लाख करोड़ रुपए की तुलना में स्थिर वृद्धि दर्शाता है।

इसलिए मप्र हैं पसंदीदा राज्य

- व्यापार-समर्थक नीतियां:वैश्विक तकनीकी मांगों का समर्थन करने के लिए अनुकूलित प्रोत्साहन।
- भारत में टियर-2 शहरों का गतिशील तकनीकी केंद्रो के रूप में उदय, कार्य और नवाचार के भविष्य को नया स्वरूप देना - इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर।
- लागत प्रभावी संचालन, कार्य जीवन संतुलन, उच्च जीवन स्तर।
- स्टार्टअप विकास:नवाचार के लिए पर्याप्त अवसरों के साथ एक बेहतर इकोसिस्टम।

24 एवं 25 फरवरी को होगा समिट

24 एवं 25 फरवरी2025 को भोपाल में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान एमपी मोबिलिटी एक्सपो का आयोजन होगा। यह प्रमुख कार्यक्रम राज्य की ऑटोमोटिव क्षेत्र में हुई प्रगति को प्रदर्शित करेगा। नवाचार और स्थिरता पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथएक्सपो का उद्देश्य मध्यप्रदेश को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और भविष्य के परिवहन समाधानों के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करना है। मध्यप्रदेश ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। राज्य 30 से अधिक मूल उपकरण निर्माताओं और अगली पीढ़ी की मोबिलिटी पर मजबूत जोर देने के साथ-साथटिकाऊ और नवाचार वाले भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश वाणिज्यिक वाहनों और कृषि उपकरणों के निर्माण के क्षेत्र में एक शीर्ष राज्य है। प्रदेश की औद्योगिक सहायक नीतियों और अपने मजबूत औद्योगिक बुनियादी ढांचेने ऑटोमोटिव उद्योग के कई दिग्गजों को आकर्षित किया है।

कोयले से लेकर हीरे तक मध्यप्रदेश भारत के भूमिगत खजानों को अनलॉक करने में अग्रणी

मध्यप्रदेश का खनन एवं खनिज क्षेत्रः संभावनाओं और अवसरों की बड़ी खदान

औद्योगिक तालमेल

प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा ने खनिज आधारित उद्योगों के विकास को प्रेरित किया है। सीमेंट निर्माण संयंत्र, थर्मल पावर स्टेशन और फेरोलॉय इकाइयां राज्य के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्तमध्यप्रदेश का बुनियादी ढांचा एक विस्तृत सड़क नेटवर्क, कंटेनर डिपो और हवाई अड्डों के साथ खनन क्षेत्र के लिए सुचारू लॉजिस्टिक समर्थन सुनिश्चित करता है। सरकारी प्रोत्साहन इस क्षमता को बढ़ाते हैं। संयंत्र और मशीनरी निवेश के लिए 40% तक पूंजी सब्सिडी की पेशकश करने वाली नीतियांमेगा परियोजनाओं के लिए राजकोषीय लाभों के साथमध्यप्रदेश को निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनाती हैं।

एक उज्जवल भविष्य

मध्यप्रदेश की रणनीतिक स्थिति, कुशल कार्यबल और खनिज बहुतायत निवेशकों के लिए अवसर का एक अनूठा त्रिकोण बनाते हैं। मजबूत नीति समर्थन और बुनियादी ढांचे के साथराज्य भारत के खनन और खनिज क्षेत्र में अग्रणी बने रहने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश मेंप्राकृतिक संसाधन न केवल संसाधनों बल्कि विकास, नवाचार और स्थिरता की क्षमता रखते हैं। यह जीवंत खनन परिदृश्य वैश्विक निवेशकों को इसकी परिवर्तनकारी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आकर्षित करता है। 25 फरवरी 2025 को मध्यप्रदेश सरकार का प्रमुख निवेश संवर्धन कार्यक्रम इन्वेस्ट मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 खनन क्षेत्र पर एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। खनन शिखर सम्मेलन खनन और इससे संबंधित उद्योगों, तेल और गैस क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम है। राज्य के प्रचुर खनिज संसाधनों के उपयोग पर ध्यान देने के साथ-साथ शिखर सम्मेलन नियामक ढांचे और तकनीकी प्रगति पर चर्चा की सुविधा प्रदान करेगा। यह मंच सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के दिग्गजों और निवेशकों को इस क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए एक साथ लाएगा, जो मध्यप्रदेश को खनन और ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

खनिज संपदा से परिपूर्ण मध्यप्रदेश

- भारत का एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य
- तांबा अयस्क और मैगनीज अयस्क का अग्रणी उत्पादक
- देश के शीर्ष खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल:
- रॉक फॉस्फेट (दूसरा)
- चूना पत्थर (तीसरा)
- कोयला (चौथा)

खनिज ब्लॉक नीलामी में उपलब्धियाँ

- पहला पुरस्कार: जनवरी 2024 में राज्य खनन मंत्रियों के सम्मेलन में सर्वाधिक ब्लॉक नीलामी के लिए सम्मानित।
- पहला पुरस्कार: जुलाई 2022 में भारत सरकार से प्रमुख और गौण खनिजों के लिए।
- दूसरा पुरस्कार: जुलाई 2022 में भारत सरकार से चौथे अयस्क, चूना पत्थर और बॉक्साइट के लिए।
- 78 ब्लॉक: अब तक सफलतापूर्वक नीलाम, यह सभी राज्यों के बीच मध्यप्रदेश का एक रिकॉर्ड है।

D-16116/24

भारत का हृदय मध्यप्रदेशखनिज संपदा और खनन क्षमता का एक पावर हाउस है। अद्वितीय खनिज भंडार और रणनीतिक नीति समर्थन के साथ राज्य खनन और खनिज आधारित उद्योगों के लिए एक प्रकाश स्तंभ बन गया है। कोयले से लेकर हीरे तक मध्यप्रदेश भारत के भूमिगत खजानों को अनलॉक करने में अग्रणी है। राज्य में महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं। यह भारत का एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य है, पन्ना रत्न-श्रेणी के हीरे के खनन के वैश्विक केंद्र के रूप में चमक रहा है। भारत के कोलबेड मीथेन (सीबीएम) भंडार के 36% के साथमध्यप्रदेश राष्ट्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सतना, रीवा और सीधी जैसे जिलों में फैले चूना पत्थर के भंडारतेजी से बढ़ते सीमेंट उद्योग की पूर्ति करते हैं, जबकि बालाघाट भारत के 73% भंडार के साथ तांबे के उत्पादन में अग्रणी है। मैंगनीज अयस्क, बॉक्साइट और रॉक फॉस्फेट जैसे प्रमुख संसाधन राज्य की प्रोफाइल को और बढ़ाते हैं, जबकि दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, ग्लूकोनाइट और टिन में संभावित खोज गतिविधियों का पता चलता है।बैतूल और सीधी जैसे जिलों में बोफाइट की उपस्थिति इस्पात और ऑटोमोटिव क्षेत्रों की बढ़ती जरूरतों की पूर्ति करने की क्षमता बताती है।

अवसर और नवाचार

जैसे-जैसे भारत अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है, मध्यप्रदेश में खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। शाहडोल और सिंगरौली में कोयला भंडार थर्मल बिजली उत्पादन के लिए अपरिहार्य हैं।भले ही राज्य हरित विकल्पों की खोज कर रहा हो। इसके अतिरिक्तइलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति से प्रेरित तांबे की बढ़ती मांगमध्यप्रदेश को तांबा शोधन और संबद्ध उद्योगों के केंद्र के रूप में स्थापित करती है। राज्य खोज में अत्याधुनिक तकनीकों का भी लाभ उठा रहा है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमईसीएल) जैसी एजेंसियां नए खनन ब्लॉकों की क्षमता को अनलॉक करने के सर्वेक्षण कर रही हैं।

अडानी फाउंडेशन ने पूरे भारत में शिक्षा मंदिर खोलने का संकल्प लिया

अहमदाबाद। अदानी फाउंडेशन ने देश भर में शिक्षा के मंदिर स्थापित करने के लिए निजी **K**-12 शिक्षा में वैश्विक अग्रणी **GEMS** एजुकेशन के साथ सहयोग किया है। अदानी परिवार की ओर से 2,000 करोड़ रुपये के शुरुआती दान के साथ, यह साझेदारी समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे को किफायती बनाने को प्राथमिकता देगी। फाउंडेशन अदाणी समूह की सीएसआर शाखा है - जो भारत का सबसे बड़ा बुनियादी ढांचा पोर्टफोलियो है।

चेयरमैन गौतम अदाणी के सामाजिक दर्शन सेवा साधना है, सेवा प्रार्थना है और सेवा ही परमात्मा है के अनुरूप, यह साझेदारी नवाचार और क्षमता विकास द्वारा समर्थित शिक्षण दक्षताओं को विकसित करने पर केंद्रित सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के अनुसंधान संस्थानों को भी जन्म देगी। पहला 'अदाणी अदानी स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में लखनऊ में खुलेगा। अगले तीन वर्षों में, **K**-12 सेगमेंट में कम से कम 20 ऐसे स्कूल भारत के प्राथमिक महानगरीय शहरों में और बाद में टियर **II** से **IV** शहरों में भी शुरू किए जाएंगे। इन स्कूलों में, वंचित और योग्य बच्चों के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम में 30% सीटें निःशुल्क होंगी।

अडानी समूह की अखिल भारतीय उपस्थिति और व्यापक अवसंरचना क्षमताओं और जीईएमएस की शैक्षिक विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, साझेदारी भारत भर के छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक स्केलेबल, किफायती और टिकाऊ मॉडल विकसित करने की योजना बना रही है। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा, "यह पहल विश्व स्तरीय शिक्षा को किफायती और व्यापक रूप से सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।" "जीईएमएस एजुकेशन के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और अभिनव डिजिटल शिक्षा को अपनाकर, हमारा लक्ष्य परिवर्तन करने वालों की अगली पीढ़ी को भारत में सामाजिक रूप से जिम्मेदार नेता बनने के लिए तैयार करना है।"

जीईएमएस एजुकेशन के संस्थापक और अध्यक्ष सनी वर्की ने कहा, "हमारा दृष्टिकोण हमेशा से हर शिक्षार्थी को उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराना रहा है।" "अडानी फाउंडेशन के साथ सहयोग हमें अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने और भारत के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षार्थियों और शिक्षकों तक अपनी वैश्विक शैक्षिक विशेषज्ञता लाने के लिए मजबूत करेगा।" सहयोग का मानना है कि किसी राष्ट्र को बदलने के लिए उसके युवाओं के निर्माण पर मेहनती और प्रतिबद्ध ध्यान देने की आवश्यकता है। यह सहयोग अत्यधिक कुशल और मूल्य-आधारित प्रतिभा पूल बनाने के उद्देश्य को पूरा करने में मदद करेगा। अडानी-जीईएमएस स्कूलों को वैश्विक पाठ्यक्रम और सर्वश्रेष्ठ भारतीय अध्ययन बोर्डों से लाभ मिलेगा।

चितरंजन रेलइंजन कारखाना में इस साल अब तक बने 581 इलेक्ट्रिक रेल इंजन

उत्पादकता के इतिहास में सर्वकालिक उच्चतम लोको उत्पादन का आंकड़ा हासिल किया कारखाने ने

चित्तरंजन। भारतीय रेलवे की अग्रणी लोकोमोटिव विनिर्माण इकाई चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) ने अपने स्थापना वर्ष का 75 गौरवशाली वर्षों का उत्सव मनाते हुए आज 18.02.2025 को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 581वां इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव का ऐतिहासिक उत्पादन आँकड़ा का मुकाम हासिल किया, जो विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 580 लोकोमोटिव निर्माण के अब तक के उच्चतम उत्पादन आंकड़ा को पार कर गया है। चिरेका द्वारा यह उपलब्धि किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का सबसे अधिक उत्पादन

आँकड़ा है और इसके इतिहास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चालू वित्तीय वर्ष में यह उल्लेखनीय उपलब्धि पिछले वर्ष की तुलना में 41 दिन पहले ही हासिल कर ली गई है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि विजय कुमार,महाप्रबंधक/चिरेका के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इनके निरंतर प्रेरणा और प्रोत्साहन से चिरेका के कार्य कुशल कर्मचारियों द्वारा समर्पित प्रयास से संभव हो पाया। महाप्रबंधक विजय कुमार ने चिरेका की पूरी टीम इस उपलब्धि के लिए को बधाई दी और उत्पादन की प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

एंडटीवी के कलाकार हैं कमाल के होमकुक्स भी

मुंबई। मनोरंजन की दुनिया में कई कलाकार ऐसे हैं जो अभिनय के साथ-साथ अनोखे शौक रखते हैं। कुकिंग इनमें से ही एक है, जो उन्हें खुशी, कम्फर्ट और घर का अहसास देती है। व्यस्त शेड्यूल के बावजूद, ये ऐक्टर्स अपने किचन में समय बिताकर स्वादिष्ट व्यंजन तैयार करते हैं, जो उनकी खासियत बन चुके हैं। एंडटीवी के इन कलाकारों में शामिल हैं: अमित भारद्वाज ('भीमा' के मेवा), हिमानी शिवपुरी ('हप्पू की उलटन पलटन' की कटोरी अम्मा) और शुभांगी अत्रे ('भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी)। अमित भारद्वाज बताते है कि मां को स्वादिष्ट व्यंजन बनाते देखकर मेरे अंदर भी खाना पकाने का शौक जगा। जब मैं मुंबई शिफ्ट हुआ और खुद के लिये खाना

पकाना पड़ा। जब मैंने पहली बार चावल बनाया, तो वे ज्यादा पक गये थे और स्टिकी हो गये थे। धीरे-धीरे गलतियों से सीखता गया और आज मैं कुछ भी बना सकता हूँ, लेकिन मेरी खासियत स्टफ्ड पराठे हैं- चाहे आलू के हों, पनीर के या गोभी के में है। खाना बनाना थेरेपी की तरह है, चॉपिंग, आट गूंथने और पकाने की प्रक्रिया सुकून देती है। प्यार से बनाया गया खाना हमेशा ज्यादा स्वादिष्ट लगता है। जबकि हिमानी शिवपुरी को'जिस डिश में महारत हासिल है, वह है कढ़ी-चावल। इसके खट्टे और मलाईदार स्वाद के साथ पूरी तरह से पके हुए चावल का मेल एक अलग ही सुकून देता है। बचपन में माँ की रसोई में बैठकर उन्हें प्यार और धैर्य से कढ़ी बनाते हुए देखने को याद करते हुए वे कहती है कि खाना जड़ों से जुड़ाव, एक थाली में परोसा गया स्नेह और उन स्वादों की याद दिलाने वाला अहसास है। वहीं, शुभांगी अत्रे बताती है कि खाना बनाना स्ट्रेस बस्टर है। जैसे ही मैं रसोई में कदम रखती हूं, परेशानियाँ गायब हो जाती हैं। मुझे पारंपरिक भारतीय व्यंजन बनाना पसंद है, और प्रिय डिश है दाल बाटी। इसके सुगंधित स्वाद मुझे बचपन की फैमिली गैदरिंग की याद दिलाते हैं। खाना बनाना मेरे लिए जुनून है। मैं पनीर बटर मसाला, छोले भटूरे से लेकर हैदराबादी बिरयानी तक बना सकती हूं। स्वादिष्ट खाना लोगों को करीब लाता है। चाहे कोई छोटी डिनर पार्टी हो या बड़ी दावत, मैं बिना किसी झिझक के पचास से ज्यादा लोगों के लिए खाना बना सकती हूं। खाना बनाना सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं होता है, यह यादें बनाने, प्यार बाँटने और लोगों को एक साथ जोड़ने का एक खूबसूरत जरिया भी है।'

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न

मिथुन — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु — आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर — क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

एफसीआई द्वारा एथेनॉल डिस्टिलरी वालों को चावल बेचने से मक्का की कीमत दो महीने के स्तर पर

मक्का 3 हजार रुपए क्विंटल की धारणा ने स्टॉकिस्ट व्यापारियों की मंशा पर फेरा पानी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶| भोपाल

दो महीने पहले बाजार विशेषज्ञों की धारणा थी कि मक्का के भाव 3 हजार रुपए क्विंटल के स्तर पर पहुंचेंगे, लेकिन बाजार विशेषज्ञों की यह धारणा मौजूदा समय में व्यापारियों और स्टॉकिस्टों के मंशा पर पानी फेर दी है।

क्योंकि एफसीआई ने चावल की सप्लाई पूरे साल के दौरान घाटे वाले और सरप्लस दोनों राज्यों में इथेनॉल डिस्टिलरी को किए जाने की पेशकश की है। जिसके चलते मक्का के भाव जमीन चाट गई है। मौजूदा समय में आलम यह है कि व्यापारियों और कंपनियों ने दो महीने पहले जिस भाव पर मक्का खरीदा था वहीं

भोपाल इटारसी, छिंदवाड़ा और बैतूल के गोदामों में लबालब भरा पड़ा मक्का कारोबारियों को भारी नुकसान

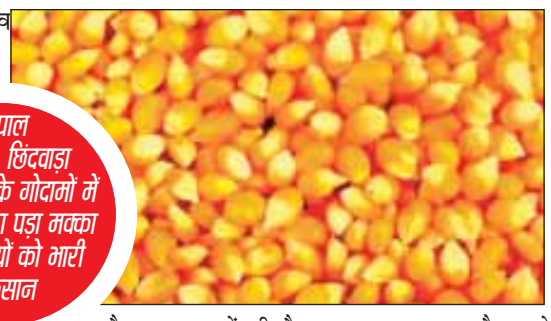

मौजूदा समय में भी है। मक्का कारोबारी मनीष मरेले के अनुसार मौजूदा समय है कि भोपाल, इटारसी, छिंदवाड़ा और बैतूल स्थित वेयरहाउस और गोदामों में कंपनियों और स्टॉकिस्टों का मक्का लबालब भरा पड़ा हुआ। भोपाल ही में करीब 50 हजार बोरा मक्का गोदाम में है।

कारोबारी मनीष मरेले ने कहा कि मौजूदा समय में मक्का कारोबारी भारी नुकसान पर है। क्योंकि मक्के का मौजूदा भाव 2350 से 2400 रुपए क्विंटल है जो कि दो महीने पहले भी था। अनुमान है आने वाला समय मक्के लिए नुकसानदायक ही साबित होगा, क्योंकि एफसीआई द्वारा एथेनॉल डिस्टिलरी वालों को चावल की बिक्री किए जाने से मक्के का भविष्य मंदी सूचक का है।

एफसीआई दे रहा एथेनॉल डिस्टिलरी वालों को 2250 और व्यापारी, उद्यमियों को 2800 रुपए क्विंटल में चावल

एफसीआई द्वारा चावल की सप्लाई पूरे साल के दौरान घाटे वाले और सरप्लस दोनों राज्यों में इथेनॉल डिस्टिलरी को किए जाने की पेशकश की है। मौजूदा ओएमएसएस (घरेलू) नीति के अनुसार 2250 रुपए प्रति क्विंटल की निश्चित कीमत पर इथेनॉल डिस्टिलरी को चावल बेचने की घोषणा की है। जिसकी मात्रा 24 लाख मीट्रिक टन रखी गई है। तो वहीं एफसीआई डिपो से छोटे प्राइवेट व्यापारियों या उद्यमियों या किसी व्यक्ति को 2800 रुपए की दर से चावल देगा। जानकारी के अनुसार नए नियम के मुताबिक प्राइवेट पार्टियों, कोऑपरेटिव या कोऑपरेटिव फेडरेशन को ई-नीलामी के जरिए 2800 रुपए प्रति क्विंटल की दर से चावल बेचा जाएगा। राज्य सरकारों और राज्य सरकारों के निगमों को बिना ई-नीलामी में हिस्सा लिए 2250 रुपए प्रति क्विंटल की दर से चावल बेचा जाएगा।

ग्राहकों के हित में बड़ा कदम

सरकार जल्द बढ़ा सकती है बैंक डिपॉजिट इंश्योरेंस कवर

एजेंसी. ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) एक्ट के तहत मिलने वाले बैंक जमा इंश्योरेंस कवर को बढ़ाने पर विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार वर्तमान में 5 लाख रुपए की बीमा सीमा को और बढ़ाया जा सकता है। डीआईसीजीसी के तहत, यदि कोई बैंक बंद हो जाता है या दिवालिया हो जाता है, तो जमाकर्ताओं को अधिकतम 5 लाख रुपए तक की राशि सुरक्षित मिलती है।

यह राशि बैंक के विफल होने की स्थिति में 90 दिनों के भीतर खाताधारकों को वापस कर दी जाती है। यदि बीमा कवर की सीमा बढ़ाई जाती है, तो जमाकर्ताओं को अपनी अधिक जमा राशि के सुरक्षित होने का भरोसा मिलेगा। इससे लोग बैंकिंग सिस्टम पर अधिक विश्वास जताएंगे, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में जमाओं में वृद्धि होगी ।

एवीजी ने हासिल की शानदार उपलब्धि

मुंबई। एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही और नौवें महीने के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. इन परिणामों के मुताबिक कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की नौमाही में 56.10 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड की कुल आय 142.44 करोड़, वर्ष दर वर्ष वृद्धि 14.20 फीसदी, एबिटडा 26.46 करोड़, वर्ष दर वर्ष वृद्धि 14.40फीसदी, एबिटडा मार्जिन 18.58 फीसदी, वर्ष दर वर्ष वृद्धि 3वीपीएस, शुद्ध लाभ 7.93 करोड़ रुपए रही ।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ने लांच किया 'इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ' प्रोग्राम

चेन्नई । चेन्नई स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने हाल ही में एक अभिनव पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम की शुरुआत की है। यह विशेष रूप से अगली पीढ़ी के पब्लिक हेल्थ लीडरों को तैयार करने के लिए विकसित किया गया है जिससे वे जटिल वैश्विक एवं स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में समर्थ बनेंगे। प्लस टू परीक्षा में न्यूनतम कुल 60 फीसदी अंकों के साथ अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों के लिए यह प्रोग्राम खुला है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत एक सुसंरचित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जो महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी, स्वास्थ्य प्रणाली एवं नीति, स्वास्थ्य परियोजना प्रबंधन और स्वास्थ्य अनुसंधान को समावेशित करते हुए वैश्विक एवं स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों को एकीकृत करता है। यह अनुसंधान, डेटा एनालिटिक्स और कार्यक्रम मूल्यांकन पर व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करता है। ग्रेजुएट्स को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों, अनुसंधान संस्थानों, सीएसआर पहलों, कंसल्टिंग फर्मों, आईटी कंपनियों, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों, फार्मा और क्लिनिकल रिसर्च आर्गेनाईजेशनों, सरकारी स्वास्थ्य विभागों एवं शिक्षण संस्थानों में अपना विविध करियर बनाने की दिशा में लाभ मिलेगा।

महीने भर बाद शुरु होगी रबी सीजन 2025-26 के लिए गेहूं खरीदी

बाजार में गेहूं के दाम समर्थन मूल्य से काफी ज्यादा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶| भोपाल

रबी सीजन 2025-26 के लिए गेहूं खरीदी एक महीने बाद शुरू होने वाली है। इधर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी के लिए मध्य प्रदेश में पंजीयन की प्रक्रिया चल रही है। समर्थन मूल्य पर पंजीयन की तारीख 31 मार्च निश्चित है। लेकिन बाजार में गेहूं के दाम समर्थन मूल्य से काफी ज्यादा हैं। इस समय 3000 रुपए प्रति क्विंटल से ज्यादा दाम में किसानों के गेहूं खुले बाजार में बिक रहे हैं, लेकिन सरकारी समर्थन मूल्य 2425 रुपए है। ऐसे में सरकार के लिए गेहूं की खरीदी काफी कठिन रहेगी। पिछले साल भी सरकार ने दिया था बोनस पिछले साल 2023-24 में गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपए प्रति क्विंटल था। इसकी तुलना में बाजार मूल्य ज्यादा था। इसको ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने 125 रुपए प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा की थी।

तब सरकारी खरीदी केन्द्रों पर किसानों को 2400 रुपए प्रति क्विंटल का भाव मिला था। इस पर 36 हजार से ज्यादा किसानों ने पंजीयन कराया था। अब 2024-25 में समर्थन मूल्य 2425 रुपए है राज्य सरकार ने 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा की है। तब सरकारी खरीदी केन्द्रों पर किसानों को 2600 रुपए प्रति क्विंटल का भाव मिलेगा ,इस पर 62 हजार से ज्यादा किसानों ने पंजीयन कराया है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के द्वारा घोषित किए गए समर्थन मूल्य के अतिरिक्त राज्य सरकारें समर्थन मूल्य के

वास्तविक और समर्थन मूल्य के बीच अंतर भी निभाएंगी अहम भूमिका

अलावा बोनस दे रही है। समर्थन मूल्य पर बोनस दिए जाने को लेकर हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने किसानों का दिल जीत लिया है। मध्य प्रदेश में अब राजस्थान से अधिक दाम पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी होगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बोनस की घोषणा करते हुए कहा कि इस बार मध्यप्रदेश में 2600 रुपए क्विंटल किसानों का गेहूं तुलवाएंगे। डॉ.यादव की घोषणा के बाद अब मध्यप्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए के अतिरिक्त 175 रुपए प्रति क्विंटल का बोनस किसानों को मिलेगा।

किसानों को राहत जरूर मिलेगी

आधिकारिक आदेश का इंतजार है, लेकिन मुख्यमंत्री की घोषणा से स्पष्ट है कि राज्य सरकार गेहूं खरीद पर 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने का मन बना चुकी है। रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 150 रुपए बढ़ाकर 2425 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि समर्थन मूल्य बढ़ाने से किसानों को राहत जरूर मिलेगी, लेकिन यह पूरी तरह इस पर निर्भर करेगा कि गेहूं की सरकारी खरीद कितनी होती है । बाजार में वास्तविक बिक्री मूल्य और समर्थन मूल्य के बीच अंतर भी अहम भूमिका निभाएगा।

पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन के शुद्ध लाभ में 278 फीसदी की वृद्धि

अहमदाबाद। पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड ने अपने 9 महीनों और तीसरी तिमाही वित्त वर्ष 25 के अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी कुल आय 34.14 करोड़, वार्षिक वृद्धि 120.32 फीसदी , एबिटडा 4.47 करोड़, वार्षिक वृद्धि 104.18 फीसदी, शुद्ध लाभ 3.12 करोड़, वार्षिक वृद्धि 277.72 फीसदी ,शुद्ध लाभ मार्जिन 9.14 फीसदी, वार्षिक वृद्धि 381 बेसिस पॉइंट्स ,डाइल्यूटेड ईपीएस 1.94, वार्षिक वृद्धि 198.46 फीसदी। कुल आय 115.89 करोड़, वार्षिक वृद्धि 86.57 फीसदी, एबिटडा 14.16 करोड़, वार्षिक वृद्धि 86.31 फीसदी , शुद्ध लाभ 8.95 करोड़, वार्षिक वृद्धि 177.91 फीसदी, शुद्ध लाभ मार्जिन 7.72फीसदी, वार्षिक वृद्धि 254 बेसिस पॉइंट्स ,डाइल्यूटेड ईपीएस 5.57, वार्षिक वृद्धि 118.43 फीसदी रही।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

आवश्यकता
आवश्यकता है- पैसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 8017271898 (रायपुर /21 /फरवरी 25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

शब्द पहेली - 5783

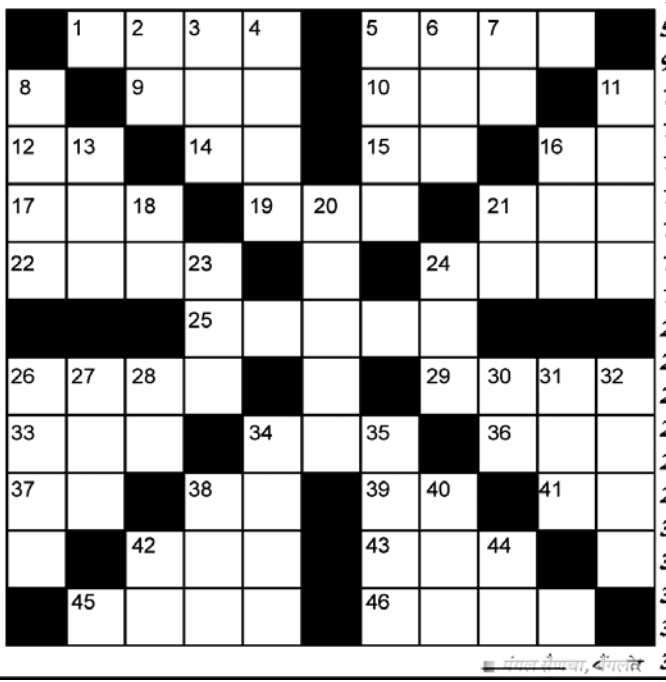

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि, पीठ -3
10. प्रणाम, नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग, हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस, रजनी जल(उर्दू-4)
24. गगन, आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी, कै-3
34. रनिवास, जनवासा-3
36. पंक्ति, लाइन-3
37. सुर, लय, आलाप-2
38. दंड, शिक्षा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ -2
42. कर्म, भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल, गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे
2. अधिकार-2
3. मां का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. जुड़वा-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2,2
11. अभिलाषा, -4
13. क्रूस, सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी -5
21. गरबा, नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण, शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाग, गुलिस्तां-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा, पुत्र-2
31. भरोसा, विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी साधने वाला-4
38. आसान, सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली - 5782 का हल

	ज	हा	ल	त			नि	ड	र
क	प		क्ष्य		आ	स	रा		मा	मा
ल			ही	र	क		ला			हि
प	रा	धी	न	ता		द		अ	सु	र
ना		र		लू	ट	मा	र		रे	
	सा	ज						सा	था	
	ब		फि	त	र	त		ह		मा
का	न	न		ल		न	क	ब	ज	न
फि			ब		शा	य	र			हा
र	वा		च	म	न		त		श	नि
	द	म	न			रो	ब	दा	र	

सूडोकु नवताल- 5793

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENCHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5792 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: दुबई में इन भारतीय गेंदबाजों ने चटकाए हैं सर्वाधिक विकेट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होना है। इस बार ये टूर्नामेंट मेजबान पाकिस्तान और दुबई में खेला जाना है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ खेलेगी। बता दें कि आगामी संस्करण में भारतीय टीम अपने सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलेगी। इस मैदान पर सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों के बारे में जानते हैं।

कुलदीप यादव (10 विकेट)

कुलदीप यादव दुबई में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय हैं। क्रिकइंफो के अनुसार, कुलदीप ने इस मैदान पर 6 वनडे मैचों में 23.70 की औसत से 10 विकेट लिए हैं। इस बीच उनकी इकॉनमी रेट 4.08 की रही है। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 45 रन देकर 3 विकेट लेना रहा है। कुल मिलाकर वनडे क्रिकेट में कुलदीप ने 108 मैचों में 26.22 की औसत से 174 विकेट लिए हैं।

जसप्रीत बुमराह (8 विकेट)

जसप्रीत बुमराह इस बार चैंपियंस ट्रॉफी की टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह चोट के चलते इस टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। वह दुबई के मैदान पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने दुबई में 4 मैचों में 16 की औसत से 8 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/37 रहा है। कुल मिलाकर उन्होंने अपने वनडे करियर में 23.55 की औसत से 149 विकेट लिए हैं।

रविंद्र जडेजा (7 विकेट)

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविंद्र जडेजा का रिकॉर्ड अच्छा है। उन्होंने यहां 4 मैचों में 22.28 की औसत से 7 विकेट लिए हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ पिछली घरेलू वनडे सीरीज में अच्छी लय में दिखे थे और अपनी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। जडेजा चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 25.18 की औसत से 16 विकेट अपने नाम किए थे।

इन भारतीय गेंदबाजों ने लिए हैं 6-6 विकेट

युजवेंद्र चहल ने दुबई में 5 पारियों में 32.83 की औसत और 4.47 की इकॉनमी रेट के साथ 6 विकेट लिए हैं। पूर्व भारतीय खिलाड़ी केदार जाधव ने 5 पारियों में 23.16 की औसत और 3.97 की इकॉनमी रेट के साथ 6 ही विकेट लिए थे। भारतीय टीम से फिलहाल बाहर चल रहे भुवनेश्वर कुमार ने दुबई में 5 पारियों में 29.33 की औसत के साथ 6 विकेट लिए थे।

खबर संक्षेप

भारत को बुमराह की कमी बहुत खलेगी : धवन

दुबई। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का मानना है कि भारत को चैंपियन्स ट्रॉफी में जसप्रीत बुमराह की कमी बहुत खलेगी लेकिन टीम के हालिया फॉर्म और कई मैच विजेता खिलाड़ियों की मौजूदगी में उनके पास टूर्नामेंट जीतने का शानदार मौका है। धवन ने आईसीसी के कॉलम में लिखा, ''मेरी चिंता यह है कि उन्हें जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरे हिसाब से वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और उनकी सटीकता को दोहराना मुश्किल है। वह बहुत शांत स्वभाव के हैं। इस तरह की बड़ी आईसीसी प्रतियोगिताओं में यह बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि धवन ने टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए शुभमन गिल और हर्षित राणा का समर्थन किया।

पारिवारिक कारणों से द. अफ्रीका लौटे गेंदबाजी कोच मोर्कल

दुबई। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल पारिवारिक इमरजेंसी के कारण दक्षिण अफ्रीका अपने घर रवाना हो गए। मोर्कल को पिछले साल सितंबर में भारत का गेंदबाजी कोच बनाया गया था। वह शनिवार को भारतीय टीम के साथ दुबई पहुंचे और बुधवार से शुरू हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले शुरूआती अभ्यास सत्र में भी मौजूद थे। वह सोमवार को दूसरे अभ्यास सत्र में भारतीय टीम के साथ नहीं थे ।भारत को पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलना है। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर है जिससे तेज आक्रमण का दारोमदार मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा पर है जबकि हार्दिक पंड्या चौथा विकल्प हैं।

नामधारी को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा रियल कश्मीर

श्रीनगर। ब्राजील के स्ट्राइकर पाउलो सीजर के सातवें मिनट में पेनल्टी पर किए गए गोल के दम पर रियल कश्मीर ने घरेलू मैदान पर अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखते हुए मंगलवार को यहां नामधारी एफसी को 1–0 से हराकर आईलीग फुटबॉल टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। रियल कश्मीर की पिछले सात मैच में यह पांचवीं जीत है जिससे वह खिताब की दौड़ में शामिल हो गया है। चर्चिल ब्रदर्स 28 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर काबिज है। रियल कश्मीर वर्तमान सत्र में एकमात्र टीम है जिसने अभी तक अपना कोई घरेलू मैच नहीं गंवाया है। उसने अपने घरेलू मैदान पर छह मैच जीते हैं जबकि तीन मैच ड्रॉ रहे। उसके अब 15 मैच में 26 अंक हो गए हैं और वह नामधारी की जगह दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

करांची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच दोपहर 2:30 बजे से

पूर्व चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच भिड़ंत से आज होगा चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का सामना न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम से आज बुधवार 19 फरवरी को होगा। हाल ही में सम्पन्न हुई त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को हराया था। ऐसे में कीवी टीम आत्मविश्वास से लबरेज होगी।

दूसरी तरफ पाकिस्तानी टीम अपने घर पर इस आईसीसी टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत करना चाहेगी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला यह मैच 19 फरवरी को कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान ने जीते हैं ज्यादा वनडे मैच

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच पहला वनडे 1973 में खेला गया था। दोनों टीमों के बीच 118 वनडे मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से कीवी टीम ने 53 मैच जीते हैं और उसे 61 मैच में हार मिली है। 1 मैच टाई रहा है और 3 मैच में कोई नतीजा नहीं निकल पाया है।पाकिस्तान ने अपने घर पर खेलते हुए न्यूजीलैंड को 22 मैच में हराया है और सिर्फ 8 मुकाबलों में कीवी टीम को जीत मिली है।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर होंगी नजरें

विलियमसन ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने 6 मैचों में 69.00 की औसत से 345 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 24 पारियों में 56.08 की औसत से 1,290 रन बनाए हैं। फखर ने चैंपियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 63.00 की औसत से 252 रन बनाए हैं। शाहीन ने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 11 वनडे में 22.87 की औसत से 24 विकेट लिए हैं।

इस संयोजन के साथ उतर सकती है पाकिस्तानी टीम

पाकिस्तान की टीम त्रिकोणीय वनडे सीरीज में फखर जमान और बाबर आजम की सलामी जोड़ी के साथ उतरी थी और सम्भवतः यही जोड़ी पारी की शुरुआत करेगी।दूसरी तरफ मेजबान टीम अबरार अहमद के रूप में इकलौते विशेषज्ञ स्पिनर के साथ मैदान पर उतर सकती है।

संभावित एकादश: फखर जमान, बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर/कप्तान), सलमान आगा, तैयब ताहिर, खुशदिल शाह, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, नसीम शाह और अबरार अहमद।

न्यूजीलैंड की टीम

न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन पैर की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं। कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी। अच्छी फॉर्म में चल रहे कॉनवे न्यूजीलैंड से पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

संभावित एकादश: रचिन रविंद्र , डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, मैट हेनरी और विलियम ओरूके।

तैयारी

90 मीटर के स्तर तक पहुंचने कर रहा हूं कड़ी मेहनत : नीरज चोपड़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने खुलासा किया है कि उनके नए कोच यान जेलेजनी ने उनकी तकनीक में गलतियों का पता लगा लिया है और अब वह 90 मीटर के स्तर को हासिल करने के लिए उनके थ्रो करने के तरीकों में कुछ बदलाव करेंगे। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा पिछले महीने पूर्व टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ अपनी शादी के बारे में भी बताया। चोपड़ा ने कहा कि उनका रिश्ता पहले एक साधारण दोस्ती थी लेकिन धीरे-धीरे उन्हें प्यार हो गया।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ेंगे

चोपड़ा 90 मीटर के स्तर को छूने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। उनका सत्र मई में डाइमंड लीग के साथ शुरू होगा और यह पूर्व ओलंपिक तथा विश्व चैंपियन जेलेजनी के साथ उनकी साझेदारी की प्रतिस्पर्धी शुरुआत होगी जिनके नाम भाला फेंक में विश्व रिकॉर्ड (98.48 मीटर) भी है। चोपड़ा ने कहा, ''मुझे लगता है कि 90 मीटर से अधिक का थ्रो जल्द आ सकता है। उन्होंने (यान जेलेजनी) मेरे खेल में कुछ तकनीकी समायोजन किए हैं।''

बदलावों से मैं और बेहतर हो जाऊंगा

उन्होंने कहा, ''उन्हें लगता है कि उनके बदलाव से मुझे मदद मिलेगी। मैं समझ पाया हूं कि वह मेरे से क्या उम्मीद करते हैं। उन्होंने मुझे जो गलतियां बताईं उनमें से एक यह थी कि मैं पेरिस में भी भाला बहुत नीचे फेंक रहा था और मेरा झुकाव बाईं ओर था।'' चोपड़ा ने कहा, ''अगर मैं उन बदलावों को शामिल करने में सक्षम रहा तो मुझे लगता है कि मैं बहुत बेहतर हो जाऊंगा।'' पानीपत के इस खिलाड़ी ने हालांकि जोर देते हुए कहा कि देश के लिए पदक जीतना महत्वपूर्ण है। चोपड़ा ने कहा, ''मैं ऐसा करना चाहूंगा।

टेनिस

अजारेंका दुबई ओपन के दूसरे दौर में, अनिसिमोवा हारी

एजेंसी ▶▶| दुबई

दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेंका ने एक सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अन्हेलिना कालिनिना को 2-6, 7-6, 6-4 से हराकरदुबई टेनिस चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। पैंतीस वर्ष की अजारेंका दूसरे सेट में 2-5 से पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने अगले पांच अंक लगातार लेकर दूसरा सेट जीता। अब वह दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक से खेलेंगी जिन्हें दूसरे दौर में बाय मिला है।

इन खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

वहीं दो दिन पहले दोहा में कतर ओपन खिताब जीतने वाली अमांडा अनिसिमोवा पहले दौर में अमेरिका की ही मैकार्टनी केसलेर से 2-6, 3-6 से हार गई। 11वीं वरीयता प्राप्त डायना स्नाइडेर ने मैगडालीना फ्रेच को 6-2, 6-2 से हराया। 12वीं रैंकिंग वाली मीरा आंद्रीवा ने एलिना एवानेसियान को 6-2, 6-1 से मात दी। अब उनका सामना 2023 विम्बलडन चैम्पियन मार्केटा वोंड्रोउसोवा से होगा। दसवीं रैंकिंग वाली डारिया कासात्किना को सोराना क्रिस्टी ने 6-1, 6-4 से हराया। 13वीं रैंकिंग वाली बीट्रिज हदाद माइया को अनास्तासिया पोटापोवा ने 6-3, 6-0 से शिकस्त दी। पूर्व विम्लबडन चैम्पियन ओंस जबाउर को अमेरिका की पेटोन स्टीयर्न्स ने 7-6, 6-4 से हराया।

सिलिच को हराकर अल्काराज कतर ओपन के अंतिम 16 में

दोहा। शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने क्रोएशिया के अनुभवी मारिन सिलिच को 6-4, 6-4 से हराकर कतर ओपन टेनिस के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया। अमेरिकी ओपन 2014 चैम्पियन 36 वर्ष के सिलिच घुटने की चोट से उबरने के बाद इस सत्र का पहला मैच खेल रहे थे। विश्व रैंकिंग में भी वह 192वें स्थान पर खिसक गए हैं। अब अल्काराज का सामना चीन के झांग झिजेन या इटली के लूका नार्डी से होगा। इससे पहले सातवीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव को जिरि लेहेका ने 6-4, 6-4 से हराया। आठवीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-2, 7-6 से मात दी और अब वह आस्ट्रेलिया के क्रिस्टोफर ओकोनेल से खेलेंगे।

मैरी कॉम बोलीं- मैने इस्तीफा नहीं दिया है, कार्यकाल पूरा करूंगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष और महान मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम ने मंगलवार को इन खबरों का खंडन किया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने कहा कि उनकी बात को गलत समझा गया और वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगी।

लंदन ओलंपिक 2012 कांस्य पदक विजेता मणिपुर की 42 वर्ष की इस मुक्केबाज ने पिछले सप्ताह राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में हलद्वानी में एक 'खराब होटल' में ठहराये जाने पर नाराजगी जताई थी। मैरी कॉम ने कहा कि उनकी नाराजगी को इस्तीफा मान लिया गया। उन्होंने कहा

,'' मैने इस्तीफा नहीं दिया है । मैं अपना कार्यकाल (2026 के अंत तक) पूरा करूंगी। मैं कुछ कह रही थी, समझा गया कुछ और उन्होंने कहा मैं अपने साथी सदस्यों (खिलाड़ियों के आयोग में) से इतना ही कह रही थी कि आगे से ऐसा हुआ तो मैं इस्तीफा दे सकती हूं । मैने यह कभी नहीं कहा कि मैं इस्तीफा दे रही हूं। आईओए मेरा परिवार है और अगर मैं किसी बात को लेकर नाराज हूं तो मुझे उसे व्यक्त करने का पूरा अधिकार है।'' मैरी कॉम को 2022 में पैनल में चुना गया था जिसमें टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल उपाध्यक्ष हैं।

आयोग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु, पूर्व शॉटपुट खिलाड़ी ओम प्रकाश करहाना, शीतकालीन ओलंपियन शिवा केशवन, लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग, नौकायन खिलाड़ी बजरंग लाल ताखड़, तलवारबाज भवानी देवी, पूर्व हॉकी कप्तान रानी रामपाल और तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू हैं।

फर्ग्यूसन चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर, काइल को मिली जगह

एजेंसी ▶▶| दुबई

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पैर की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं। फर्ग्यूसन को रविवार को कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी। प्रारंभिक चिकित्सा जांच से पता चला है कि वह टूर्नामेंट के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाएंगे। यह कीवी टीम के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि फर्ग्यूसन उनकी गेंदबाजी इकाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

काइल जैमीसन टीम में शामिल

तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को टीम में फर्ग्यूसन की जगह चुना गया है। वह 18 फरवरी को पाकिस्तान के लिए रवाना हुए। जैमीसन पीठ में चोट के कारण 10 महीने के ब्रेक के बाद घरेलू क्रिकेट में लौटे हैं। उनके प्रदर्शन ने उनकी घरेलू टीम कैंटरबरी किंग्स को पिछले दिसंबर में ड्रीम11 सुपर स्मैश टूर्नामेंट के ग्रैंड फ़ाइनल तक पहुँचने में मदद की थी।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
लिमिटेड ई-निविदा (सिंगल पैकेट प्रणाली) आमंत्रण सूचना
कार्य का नाम : मध्य प्रदेश राज्य में पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत भोपाल मंडल के इटारसी से खंडवा खंड (किमी 608 से 658) के बीच 2 x 25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए ओएचई का निर्माण कार्य. **निविदा सूचना क्र : के आर / सीओ/ ईल / ईटी-केएनडब्लू / टी / 08 / 25 दिनांक: 19/02/2025 । कार्य समापन की अवधि:** 6 (छ) महीना । **अनुमानित लागत:** रु.1,66,49,005/- जीएसटी को छोड़कर। **ईएमडी :** रू. 2,33,250/- **आन लाइन निविदा जमा करनेकी अंतिम तिथि तथा समय: दि. 27/02/2025** को **15.00** बजे तक। **निविदा खुलने की तिथि : दि. 27/02/2025** को **15.30** बजे। संशोधन / शुद्धिपत्र यदि हो तो केवल आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित होगा। **निविदा कागजात के लिए पथ:** आईआरईपीएस के माध्यम से। मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं होगीं।

पूर्व रेलवे
निविदा सं. ईएलईजी-ओटी-1195-2024-25, दिनांक 14.02.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/(सामान्य), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का विवरण:** प्रस्तावित जीएसयू कार्यालय के नवीनीकरण के लिए एनकेजी बिल्डिंग, 14 स्ट्रेण्ड रोड, कोलकाता-700001 की तेरहवीं मंजिल पर विद्युतीय कार्य के संबंध में विद्युतीय अनुमान। **निविदा मूल्य :** रु. 1,22,99,914; **बयाना राशि:** रु. 2,11,500; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** रु. 0.00; **समापन अवधि:** 12 महीने। **निविदा प्रकाशन की तारीख:** 14.02.2025; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 07.03.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। **निविदा बोली खुलने की तारीख एवं समय:** 07.03.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। **निविदा बोली शुरू होने की तारीख:** 21.02.2025। निविदा सूचना का विस्तृत विवरण एवं समय-समय पर जारी संशोधनी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। (SDAH-359/2024-25)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल
विद्युत शाखा– खुली निविदा
ई निविदा– **निविदा दिनांक: 14.02.2025**
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरएस) पश्चिम मध्य रेल नई कटनी, जंक्शन, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई–निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा सूचना क्रमांक:** एनकेजेडी –रिपेयर–रिहैब–टैपचेन्जर दिनांक 14/02/2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित–** विद्युत लोकोमोटिव के बीटीआईएल मेक के एन – 32 टाईप टेप चेन्जर के रिपेयर एवं रिहैबिलिटेशन का कार्य, **निविदा का अनुमानित मूल्य (रूपये में) –** रूपये 2,38,97,301/–, **अर्नेस्ट मनी/बिड सिक्योरिटी राशि (रूपये में)–**रू. 2,69,500/–, समापन अवधि (माह)– 24 माह, **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय (12:00 बजे तक) – 11.03.2025,** उपरोक्त ई निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाईड https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है। ई निविदा के आलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरएस)
पश्चिम मध्य रेल, नई कटनी जंक्शन
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-नीलामी सूचना
विभागीय रेलवे प्रबंधक (वाणिज्यिक), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर भारत सरकार के राष्ट्रपति के माध्यम से ई-नीलामी प्रणाली अर्थात **www.ireps.gov.in** के द्वारा नागपुर विभाग के विभिन्न स्टेशनों पर खानपान सेवाओं की व्यवस्था हेतु 05 (पाँच) वर्ष की अवधि के लिए निविदाएँ आमंत्रित कर रहे हैं।
अनु.क्र. 1, यूनिट प्रकार: RCR (रेल कोच रेस्टोरेंट)
ऑनलाइन ई-नीलामी की तारीख और समय : 03.03.2025 15:30 बजे
स्टेशन्स: नैरो गेज रेलवे संग्रहालय, नागपुर परिसर में।
अनु.क्र. 2, यूनिट प्रकार: MPS (बहुउद्देशीय स्टॉल)
ऑनलाइन ई-नीलामी की तारीख और समय : 03.03.2025 14:00 बजे
स्टेशन्स: NITR (नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी) और DGG (डोंगरगढ़) स्टेशनों पर।
अनु.क्र. 3, यूनिट प्रकार : टी स्टॉल
ऑनलाइन ई-नीलामी की तारीख और समय : 04.03.2025 13:00 बजे
स्टेशन्स: कळमना, कन्हान, खाट, थरसा, चाचेर, मुंडीकोटा, गंगाझरी, गुडमा, काचेवानी, आमगाव, राजनांदगाव, हिरडामाली, गोंगले, वाडेगाव, वारासेओनी, हड्डा रोड, भंडारकुंड, पिंढराई, निधानी सुक्रीमंगेला, शिकारा, बिनाईकी, बुर्गी, चिराईडोंगरी, फराळ, मंडला फोर्ट
अनु.क्र. 4, यूनिट प्रकार : टी स्टॉल
ऑनलाइन ई-नीलामी की तारीख और समय : 05.03.2025 13:00 बजे
स्टेशन्स: कामठी, भंडारा रोड, तिरोरा, सालेकसा, सौंदड, देवलगाव, ब्रह्मपुरी, खापरीकेडा, केलोद, रामाकोना, भीमलगोंडी, लिंगा, छिंदवाडा, सिवनी, झिलमिली, पिपरदही, भोमा, केओलारी, सामनापूर, चरेगाव, लामटा, नगरवाडा, गन्हा
स्थान, यूनिट प्रकार, वर्गीकरण के लिए आरक्षित, पात्रता मानदंड, आर्थिक मानदंड, वार्षिक कारोबार, तकनीकी मानदंड, बोलीदाता की कानूनी स्थिति, अनुभव, निवास, अतिरिक्त आवश्यकताएँ, मूल्यांकन मानदंड, चेकलिस्ट, सभी निर्देश आदि विवरण ई-नीलामी पोर्टल **http://ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं।
इच्छुक बोलीदाताओं को **http://ireps.gov.in** इस ई-नीलामी पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। जिन्होंने पहले पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें पहले पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के बाद ही बोलीदाता ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।
विभागीय रेलवे प्रबंधक (वाणिज्यिक),
AAA/37/219 **दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर**
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कई ट्रेने निरस्त, कुछ के मार्ग बदले

कुंभ मेले के कारण कई ट्रेनें प्रभावित

हरिभूमि जबलपुर।

रेल प्रशासन द्वारा महाकुंभ-2025 के दौरान परिचालनिक कारणों से निम्न गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, आंशिक निरस्तीकरण/ ओरिजिनेशन तथा रीशेड्युलिंग करने का निर्णय लिया गया है। जिसमें पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी।

निरस्त रेलगाड़ियां

- 19045 सूरत-छपरा, ताप्तीगंगा एक्सप्रेस 19, 20 और 21 फरवरी को निरस्त रहेगी। इसी तरह 19483 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस दिनाँक 19 और 21 फरवरी को निरस्त रहेगी।
- 22911 इंदौर-हावड़ा, शिप्रा एक्सप्रेस दिनाँक 18 और 20 फरवरी को निरस्त। 01025 दादर-बलिया स्पेशल ट्रेन दिनाँक 19 और 21 फरवरी को निरस्त रहेगी।
- 01027 दादर- गोरखपुर स्पेशल ट्रेन 18 और20 फरवरी को निरस्त।
  -15160 दुर्ग-छपरा, सारनाथ एक्सप्रेस 19, 20 और 21 फरवरी को निरस्त रहेगी।
- 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस दिनाँक 19 और 21 फरवरी को निरस्त रहेगी।
- 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस दिनाँक 18 और 20 फरवरी को निरस्त।
- 12428 आनंद विहार टर्मिनस-रींवा एक्सप्रेस दिनाँक 18, 19, 20 और 21 फरवरी को निरस्त रहेगी।
- 12427 रीवा-आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस दिनाँक 19 , 20, 21 और 22 फरवरी को निरस्त रहेगी।

परिवर्तित रेलगाड़ियां

- 11061 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-जयनगर, पवन एक्सप्रेस दिनाँक 18 से 28 फरवरी तक अपने परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-वाराणसी-जौनपुर-औंरिहार होकर गंतव्य को जाएगी। मार्ग परिवर्तित के दौरान अस्थाई ठहराव प्रयागराज छिवकी आगमन/प्रस्थान समय 09:30/09:35 बजे रहेगा।
- 11062 जयनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस,पवन एक्सप्रेस दिनाँक 18 से 27 फरवरी तक अपने परिवर्तित मार्ग वाया औंरिहार-जौनपुर-वाराणसी-जिवनाथपु-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर गंतव्य को जाएगी। मार्ग परिवर्तित के दौरान अस्थाई ठहराव प्रयागराज छिवकी आगमन/प्रस्थान समय 02:30/02:35 बजे रहेगा।
- 11033 पुणे-दरभंगा एक्सप्रेस दिनाँक 19 से 26 फरवरी को अपने परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-जिवनाथपुर-वाराणसी-जौनपुर-औंरिहार होकर गंतव्य को जाएगी। मार्ग परिवर्तित के दौरान अस्थाई ठहराव प्रयागराज छिवकी 15:50/15:55 बजे रहेगा।
- 11034 दरभंगा-पुणे एक्सप्रेस दिनाँक 21 से 28 फरवरी को अपने परिवर्तित मार्ग वाया औंरिहार-जौनपुर-वाराणसी-जिवनाथपुर-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर होकर गंतव्य को जाएगी। मार्ग परिवर्तित के दौरान अस्थाई ठहराव प्रयागराज छिवकी 06:40/06:45 बजे रहेगा।
- 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया, कामायनी एक्सप्रेस दिनाँक 18से 27 फरवरी तक अपने परिवर्तित मार्ग वाया बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-जौनपुर-वाराणसी होकर गंतव्य को जाएगी।
- 11072 बलिया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, कामायनी एक्सप्रेस दिनाँक 18 से 28 फरवरी तक अपने परिवर्तित मार्ग वाया वाराणसी-जौनपुर-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना होकर गंतव्य को जाएगी।
- 22129 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट, तुलसी एक्सप्रेस दिनाँक 18, 23 और 25 फरवरी को अपने परिवर्तित मार्ग वाया वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-उरई-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ होकर गंतव्य को जाएगी।
- 22130 अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, तुलसी एक्सप्रेस दिनाँक 19 से 24 फरवरी को अपने परिवर्तित मार्ग वाया अयोध्या कैंट-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-उरई-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी होकर गंतव्य को जाएगी। इसके बाद कई अन्य ट्रेनें भी परिवर्तित मार्ग से चलेगी।

- अंतिम चरण में अंतरिम राहत दिए जाने का यूपीएससी का विरोध किया गया दरकिनार
- सिविल सेवा परीक्षा-2025 से जुड़ा मामला, कोर्ट ने 24 फरवरी को तय की अंतिम सुनवाई

हाई कोर्ट ने ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा छूट रखी बरकरार

हरिभूमि जबलपुर।

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने अपने पूर्व आदेश पर अडिग रहते हुए ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा छूट बरकरार रखी है। कोर्ट ने अंतिम चरण में अंतरिम राहत दिए जाने का यूपीएससी का विरोध फिलहाल दरकिनार कर दिया। कोर्ट ने कहा किया कि अंतरिम आदेश में स्पष्ट व्यवस्था दी गई है कि ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा छूट विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन होगी। इसलिए यूपीएससी को अंतरिम आदेश का पालन करते हुए ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों के फार्म पांच वर्ष की आयुसीमा छूट के साथ स्वीकार करने चाहिए। इस मामले की अंतिम सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित की जाती है।

अंतिम समय में निर्देश से परीक्षा संचालन में होगी परेशानी

मंगलवार को सुनवाई के प्रारंभ होते ही सर्वप्रथम संघ लोक सेवा आयोग की ओर से बहस को गति दी गई। वकील ने दलील दी कि इस तरह अंतिम समय में हाई कोर्ट का पांच वर्ष की आयुसीमा छूट संबंधी अंतरिम आदेश सामने आने से यूपीएससी को सिविल सेवा परीक्षा-2025 के संचालन में परेशानी होगी। ऐसा इसलिए भी क्योंकि राज्य व केंद्र के स्तर पर ईडब्ल्यूएस का स्टेटस अलग-अलग होता है। केंद्र शासन की ओर से डिप्टी सालिसिटर जनरल पुष्पेंद्र यादव ने भी कहा कि इस तरह अंतिम चरण में अंतरिम राहत का पालन करने से नवीन नोटिफिकेशन सहित अन्य स्तरों पर परेशानी होगी।

कपिल सिब्बल ने कहा-पहले ही दी जा चुकी है आयुसीमा में छूट

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई से जुड़े याचिकाकर्ता सतना निवासी आदित्य नारायण पांडेय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल व मनीष सिंह ने दलील दी कि यूपीएससी द्वारा पूर्व में भी समय-समय पर विभिन्न परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को आयुसीमा में छूट की राहत दी जा चुकी है। लिहाजा, इस बार हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश का पालन सुनिश्चित करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अंततः यह अंतरिम राहत याचिका के अंतिम निर्णय के साथ बाध्यकारी होगी। हाई कोर्ट ने इस तर्क से सहमत होकर साफ कर दिया कि पूर्व अंतरिम आदेश में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। लिहाजा, यूपीएससी अभ्यर्थियों को पांच वर्ष की आयुसीमा छूट देकर परीक्षा में सम्मलित होने दे। फार्म भरने की अंतिम तिथि मंगलवार, 18 फरवरी होने के कारण समय खराब न किया जाए। यदि यूपीएससी इतना जोर दे रहा है तो हाई कोर्ट इस मामले की अंतिम सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित करता है। इस प्रक्रिया में अंतिम स्तर की बहस को गति देकर अंतिम निर्णय पर पहुंचा जाएगा।

क्या है मामला

हाई कोर्ट ने अपने पूर्व अंतरिम आदेश में यूपीएससी को निर्देश दिए थे कि याचिकाकर्ता व अन्य समान प्रकृति के अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार करें। कोर्ट ने यह शर्त भी लगा दी थी कि बिना अनुमति पांच वर्ष की आयुसीमा का लाभ पाने वाले इन अभ्यर्थियों के रिजल्ट घोषित न किए जाएं। याचिकाकर्ता सतना निवासी आदित्य नारायण पांडेय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल व मनीष सिंह ने वीसी के जरिए पक्ष रखा था। उन्होंने दलील दी थी कि अन्य सभी आरक्षित वर्ग एससी, एसटी व ओबीसी को आयुसीमा में छूट दी जाती है। ईडब्ल्यूएस भी आरक्षित श्रेणी है, इसलिए उन्हें भी उक्त लाभ दिया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए भी क्योंकि कुछ दिन पूर्व माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2024 में ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को आयुसीमा में पांच वर्ष की छूट का लाभ देने के निर्देश दिए थे। दरअसल, संघ लोक सेवा आयोग ने 979 पदों के लिए 25 मई 2025 को प्रारंभिक और 22 अगस्त 2025 को मुख्य परीक्षा आयोजित की है। आयोग ने 22 जनवरी को परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया है। इसी दिन से फार्म भरे जा रहे हैं, जो 18 फरवरी तक जमा किए जा सकेंगे। एप्लीकेशन फार्म में त्रुटि होने पर अभ्यर्थी 19 से 25 फरवरी तक संशोधन कर सकेंगे। उस प्रकरण रीवा निवासी पुष्पेंद्र द्विवेदी व अन्य की ओर से दायर किया गया है। उनकी ओर से अधिवक्ता धीरज तिवारी व ईशान सोनी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि शिक्षक चयन परीक्षा की रूल बुक की कंडिका 7.1 और 7.2 में ईडब्ल्यूएस को आरक्षित वर्ग माना गया था, लेकिन कंडिका 6.2 में जहां अन्य आरक्षित वर्गों (एससी, एसटी, ओबीसी) को आयु सीमा में छूट दी गई थी, वहीं ईडब्ल्यूएस वर्ग को छूट से बाहर रखा गया था। इस पर भर्ती नियम की संवैधानिकता को चुनौती देकर यह याचिका दायर की गई। याचिका में दावा किया गया है कि ईडब्ल्यूएस वर्ग को आयु सीमा में छूट न देना भारतीय संविधान के अनुच्छेद-14 समानता का अधिकार और अनुच्छेद-16 सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता का उल्लंघन है।

चोरी की मुरूम से भरा हाईवा जब्त

जबलपुर। तिलवारा थाना अतंर्गत ग्राम घुंसौर पेट्रोल पंप के पास अवैध रुप से चोरी की मुरुम हाईवा में परिवहन कर ले जा रहे हाईवा चालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मुरुम से भरा हाईवा जब्त किया है। तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर ग्राम घुंसौर पेट्रोल पंप के पास हाईवा एमपी 20 एचबी 4540 में मुरुम लोड कर ऐंठाखेड़ा से जबलपुर ले जा रहे ग्राम जोधपुर टोला तिलवारा निवासी 25 वर्षीय दशरथ ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। मुरुम के संबंध में पूछताछ करने पर उसके पास कोई भी रॉयल्टी नहीं पाई गई। पुलिस ने मुरुम से भरा हाईवा जब्त करते हुए आरोपी हाईवा चालक के विरूद्ध धारा 303(2), 317(5) भारतीय न्याय संहिता तथा 4, 21 खान खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

इतवारी-टुंडला-इतवारी के बीच ट्रेन का संचालन कल

पमरे की दोनों दिशाओं से गुजरेगी कुंभ स्पेशल ट्रेन

जबलपुर। महाकुम्भ-2025 के अवसर पर यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन-टुंडला-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन 01-01 ट्रिप के लिए चलाई जा रही है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के दोनों दिशाओं में मदन महल, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

गाड़ी संख्या 08863 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन दिनांक 20 फरवरी 2025 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन स्टेशन से सुबह 08:15 बजे प्रस्थान कर, मदन महल सायं 18:00 बजे, कटनी रात 19:55 बजे, मैहर 21:20 बजे, सतना

रात 22:10 बजे एवं अगले दिन प्रयागराज छिवकी मध्य रात्रि 02:05 बजे और सुबह 09:30 बजे टुंडला स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 08864 टुंडला-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन दिनांक 21 फरवरी 2025 को टुंडला स्टेशन से सुबह 11:30 बजे प्रस्थान कर, प्रयागराज छिवकी सायं 18:50 बजे, सतना रात्रि 23:40 बजे एवं अगले दिन मैहर मध्य रात्रि 00:10 बजे, कटनी 01:25 बजे, मदन महल 03:30 बजे और सुबह 11:00 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन स्टेशन पहुंचेगी।

ठहराव

भंडारा रोड, तुमसर रोड, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, फतेहपुर, गोविंदपुरी और इटावा।

संरचना

1 वातानुकूलित 2-टियर, 2 वातानुकूलित 3-टियर, 10 शयनयान श्रेणी, 3 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन।

अल्पकालीन लेखा प्रशिक्षण सत्र आज से

जबलपुर। शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला जबलपुर में 19 फरवरी से 21 मार्च तक संभाग के समस्त शासकीय कार्यालयों के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये अल्पकालीन लेखा प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। प्रभारी प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला के मुताबिक 19 फरवरी से 21 फरवरी तक पेंशन पर, 24 फरवरी से 28 फरवरी तक अंकेक्षण पर, 3 मार्च से 7 मार्च तक भण्डार प्रबंधन पर तथा 10 मार्च से 21 मार्च तक कैशियर एवं एकाउंट संबंधी कार्य पर प्रशिक्षण होगा। प्रशिक्षण सशुल्क रहेंगे। उन्होनें बताया कि प्रशिक्षण के पूर्व से प्रशिक्षण प्राप्ति कर चुके कर्मचारी भी भाग ले सकेंगे।

दो सोसाईटी के पदाधिकारी कब्जा लेने पहुंचे

आर्मी के लिए आरक्षित जमीन का केस हारे डीईओ

हरिभूमि जबलपुर।

कटंगा लिटिल वर्ल्ड स्कूल के सामने आर्मी के लिए आरक्षित जमीन के मालिका हक को लेकर चल रहे कानूनी विवाद के बीच आज शासकीय अधिकारियों - कर्मचारियों की सोसाइटी कब्जा लेने पहुंची। दरअसल, उक्त तीन एकड़ जमीन का प्रबंधन लंबे समय से डिफेंस ईस्टेट ऑफिस (डीईओ) देखता चला आ रहा है। कुछ वर्ष पूर्व उक्त जमीन पर एक सोसाइटी ने दावा किया था। सोसाइटी के अधिकारियों का कहना था कि उक्त जमीन मध्यप्रदेश शासन है जिसे उनकी सोसाइटी को आवंटित किया गया था। उक्त प्रकरण लंबे समय से कोर्ट में लंबित था। हालाही में एमपी हाईकोर्ट में डीईओ वह साबित नहीं कर पाया कि उक्त जमीन उसकी है। लिहाजा कोर्ट ने सोसाईटी के पक्ष में फैसला सुना दिया। जिसके बाद 2025 में सोसाइटी मेंबर्स के नाम पर पट्टे जारी हो गए। आज जब सोसाइटी के सदस्य कब्जा लेने पहुंचे तो एक अन्य सोसाइटी मेंबर्स वहा पहुंच गए। उनका दावा था कि यह जमीन उन्हें आवंटित की गई है।

बम स्क्वॉड और पुलिस के साथ मौके पर विधायक भी पहुंचे, स्कूल खाली कराया

स्कूल को बम से उड़ाने के धमकी भरे मेल से मचा हड़कंप

जबलपुर। रांझी स्थित सेंट ग्रेबियल स्कूल प्रबंधन के ईमेल पर यह सूचना आई कि स्कूल के अंदर बम रखा हुआ है। कुछ देर में बम फट जाएगा। इस ईमेल से स्कूल में अफरा तफरी मच गई। बम से स्कूल उड़ाने की धमकी को पुलिस ने गंभीरता से लिया और पुलिस बम स्क्वॉड के साथ पहुंची। घटना की सूचना मिलने पर विधायक अशोक रोहाणी भी मौके पर पहुंच गए थे।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेंट गेब्रियल स्कूल में मंगलवार को छटवीं से आठवीं कक्षा के फाइनल पेपर चल रहे थे। करीब 900 से अधिक बच्चे स्कूल में रहे, इस दौरान 10.40 बजे के लगभग प्राचार्य अपने केबिन में बैठे हुए थे. इस दौरान उनके ऑफिशियल अकाउंट पर प्रभाकर नाम के व्यक्ति का मेल आया। इसमें लिखा था कि स्कूल में बम रखा है, जो कुछ ही पल में धमाके के साथ फट जाएगा। स्कूल में बम मिलने की खबर से हड़कम्प मच गया।

स्कूल प्रबंधन ने तत्काल छुट्टी करते हुए सभी बच्चों व टीचर को घर भेज दिया। वहीं खबर मिलते ही रांझी पुलिस व बम स्क्वाड मौके पर पहुंचा। स्कूल में चप्पे चप्पे की तलाशी ली गई, कही कुछ नहीं मिला।

95 फीसदी किसानों की ई-केवायसी पूरी

जबलपुर। जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मा न निधि योजना के पात्र किसानों में से 95 फीसदी किसानों की ई-केवायसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। ई-केवायसी के साथ ही जिले के 95.57 फीसदी किसानों के बैंक खातो को आधार से लिंक कर दिया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मा न निधि योजना का लाभ प्राप्तत करने के लिए पात्र किसानों की ई-केवायसी होना अनिवार्य है। इस योजना का लाभ उन्हीद पात्र किसानों को मिलेगा जिनकी ई-केवायसी पूर्ण हो चुकी है। कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देशों पर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मोन निधि योजना के पात्र किसानों की ई-केवायसी एवं किसानों के बैंक खातों को आधार से लिंक करने का कार्य पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ऐसे पात्र किसानों से जिन्होंकने अभी तक ई-केवायसी नहीं कराई है प्रधानमंत्री किसान सम्मा।न निधि योजना का लाभ प्राप्तो करने के लिए शीघ्र ई-केवायसी करा लेने का बार-बार आग्रह किया जा रहा है ताकि उन्हें इस योजना का लाभ प्राप्ति करने में रूकावट न आये।

शराब की बॉटल टूटने पर कर दी प्लम्बर की हत्या

सदर मेन रोड पर सरेराह वारदात से सनसनी

जबलपुर। केंट थाना अतंर्गत सदर क्षेत्र में कल देर शाम एक युवक की सरेराह चाकू घोपकर हत्या कर दी गई। घटना की वजह मृतक के धक्का लगने से आरोपी की शराब की बॉटल गिरकर टूटने पर विवाद होना बताया जा रहा है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि एक आरोपी को क्षेत्रीय भीड़ ने जमकर उसकी पिटाई की और पकड़कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। दो आरोपी मौके से भाग गए।

केंट थाना प्रभारी पुष्पेंद्र पटले ने बताया कि ग्राम सगड़ा-छपनी बरगी निवासी नंदलाल पटेल पेशे से प्लम्बर था। जो रोज की तरह अपने साथियों के साथ चौथा पुल में काम करने आया था और शाम 6 बजे काम निपटाने के बाद सदर क्षेत्र में कुछ सामान लेने गया था। शराब दुकान के पास मोटर साइकल सवार तीन युवकों से नंदलाल का धक्का लगने पर शराब की बॉटल गिरकर टूट गई. जिस पर तीनों बदमाश आगबबूला हो गए और गुस्से में मारपीट व गाली गलौज करने लगे इस विवाद पर एक बदमाश ने चाकू से उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है मामलें की विवेचना की जा रही है।

कार की टक्कर से बाईक चालक की मौत

जबलपुर। पाटन थाना अतंर्गत पाटन रोड में एक कार ने एक बाईक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोनी कला निवासी 29 वर्षीय राजा उर्फ अजय चौधरी अपने चाचा चन्नू लाल चौधरी के साथ पडरिया नुनसर में चल रहे यज्ञ के दौरान लोहे का सामान बेचने की दुकान लगाए थे।

- हाई कोर्ट ने दिए निर्देश : 27 फरवरी को पहले चरण में 10 मीट्रिक टन कचरा जलाया जाए
- इसके बाद इसी मात्रा के दो और चरण पूरे करें, तीनों चरणों की आफ्टर इफेक्ट रिपोर्ट 27 मार्च को पेश करें

पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरा विनिष्टीकरण का ट्रायल रन शुरू करें

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरा विनिष्टीकरण का ट्रायल रन शुरू करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 27 फरवरी को पहले चरण में 10 मीट्रिक टन कचरा जलाया जाए। इसके बाद इसी मात्रा के दौर और ट्रायल रन यानि कुल तीन प्रारंभिक चरण पूर्ण किए जाएं। इस प्रक्रिया में प्रदूषण नियंत्रण मंडल सहित अन्य की गाइडलाइन का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। तीनों ट्रायल रन के आफ्टर इफेक्ट की रिपोर्ट 27 मार्च को कोर्ट में पेश की जाए। जिसे अभिलेख पर लेकर आगामी दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान सर्वप्रथम वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि हाई कोर्ट पूर्व आदेशों में यूनियन कार्बाइड कचरा विनिष्टीकरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। इसके बावजूद राज्य शासन पालन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की दिशा में अपेक्षाकृत गंभीर नजर नहीं आ रही है।

हमने कोर्ट के विगत निर्देश पर जन जागृति की दिशा में किया काफी कार्य : महाधिवक्ता

उक्त आरोप के जवाब में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने राज्य की ओर से साफ किया कि हमने हाई कोर्ट के विगत निर्देश के पालन में जन जागृति प्रसारित करने काफी कार्य किया है। मसलन, पर्चे वितरित किए। नुक्कड़ नाटक किए। नगर निगम व जिला प्रशासन के स्तर पर चर्चा-परिचर्चा के माध्यम से वाद-विवाद-संवाद का वातावरण तैयार किया। इस प्रक्रिया में यह स्पष्ट करने का पूर्ण प्रयास किया कि हाई कोर्ट के निर्देश पर यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर तक परिवहन होकर पहुंच चुका है, जिसे वैज्ञानिक प्रविधि से जलाने से स्थानीय पर्यावरण आदि को कोई नुकसान नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट में मामला होने का तर्क भी रखा गया

सुनवाई के दौरान यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने का तर्क भी रखा गया। इस पर कोर्ट ने साफ कर दिया कि हम पूर्व निर्देश के पालन को लेकर सुनवाई कर रहे हैं। लिहाजा, राज्य शासन उसी पर फोकस करे। हमारा मकसद मामले को सुलझाना होना चाहिए न कि उलझाना।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्री RNI No. : MPHIN/2008/24240